

RNI No. GUJHIN/2010/35230

# महानगर मेट्रो

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

कार्यालय :- सी-8 रिची हाउस, स्वामी नारायण मंदिर के सामने मणिनगर अहमदाबाद गुजरात-380008

महानगर मेट्रो
राष्ट्रीय दैनिक हिन्दी समाचार पत्र, प्रेस नोट एवं विज्ञापन के लिए कार्यालय पर सम्पर्क करें
सरबजीत माकन
+91-9638877700
mahanagarmetro7@gmail.com

वर्ष :16 । अंक: 40। पेज: 12। mahanagarmetro7@gmail.co || अहमदाबाद, 6 अक्टूबर 2026 (मंगलवार) || सम्पादक - सरबजीत माकन (9638877700)।। मूल्य :- 1.50 रु.-/

## बच्चों के खेलने से नाराज हुआ आश्रम स्कूल का सुपरिटेंडेंट



महानगर मेट्रो ब्यूरो

**चंद्रपुर।** महाराष्ट्र के चंद्रपुर जिले में सरकारी आश्रम स्कूल के 82 छात्रों के आधे बाल कटवा दिए जाने का मामला सामने आया है। घटना शनिवार को चिमूरा तालुका के जंभुलघाट स्थित सरकारी सेकेंडरी आश्रम स्कूल में हुई। मामले का खुलासा रविवार को होने के बाद छात्रों के अभिभावकों में नाराजगी फैल गई। घटना को लेकर स्कूल प्रशासन ने कार्रवाई शुरू कर दी है। आश्रम से मिली जानकारी के मुताबिक, शनिवार सुबह स्कूल परिसर में बच्चों के बाल काटे जा रहे थे। इसी दौरान कुछ बच्चे वहां खेल रहे थे। बच्चों के खेलने से स्कूल के सुपरिटेंडेंट प्रशांत मेश्राम नाराज हो गए। आरोप है कि उन्होंने गुस्से में आकर 82 बच्चों के आधे बाल कटवा दिए। एक साथ इतनी बड़ी संख्या में छात्रों के बाल इस तरह कटवाए जाने की जानकारी सामने आने के बाद मामला चर्चा में आ गया। बताया गया कि बच्चों के बाल काटने की प्रक्रिया शनिवार सुबह चल रही थी। इसी दौरान कुछ छात्र खेल रहे थे।

# महाघोटाला या भाई-भतीजावाद का अखाड़ा?

## 'पटेल लॉबी' का खेलः नियमों को ताक पर रखकर की गई बंपर अवैध भर्तियां और चहेतों को बांटे गए मनचाहे वेतनमान डॉक्टरों की फर्जी विजिट्स और मिलीभगत से जनता के टैक्स के पैसों की हो रही है बेहिसाब बर्बादी

### अब स्वास्थ्य मंत्री श्री प्रफुल्ल पानसेरिया के पाले में आई गेंद; क्या मंत्री स्तर से होगी इस भ्रष्ट सिंडिकेट पर सख्त कार्रवाई?

महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

**अहमदाबाद/गांधीनगर।** गुजरात में गरीबों और जरूरतमंदों के जीवनरक्षक इलाज के लिए चलाई जाने वाली स्वास्थ्य योजनाएं किस तरह कुछ भ्रष्ट अधिकारियों और निहित स्वार्थी तत्वों के हाथों की कठपुतली बन चुकी हैं, इसका एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। राज्य में संचालित बहुचर्चित A-One Dialysis Programme में अंदरखाने चल रहे कथित काले कारनामों और वित्तीय अनियमितताओं ने अब तूल पकड़ लिया है। टेंडर के नियमों को पूरी तरह कुचलकर, अपनों को रेवड़ियों की तरह पद और मनचाहा वेतन बांटने के इस खेल ने महकमे में भूचाल ला दिया है। सूत्रों के हवाले से जो गंभीर तथ्य सामने आए हैं, वे सीधे तौर पर भ्रष्टाचार और मिलीभगत की तरफ इशारा करते हैं। आइए डालते हैं इस पूरे घोटाले के प्रमुख बिंदुओं पर एक पैनी और बेबाक नजरः

**पॉइंट 1:** मंजूर पदों की सीमा लांघकर अंधाधुंध अवैध भर्तियां

टेंडर के प्रावधानों के मुताबिक, इस कार्यक्रम के तहत 'Senior HD Technician के केवल 10 पद ही निर्धारित किए गए थे। नियम यह भी कहता है कि स्वीकृत पदों की संख्या में किसी भी परिस्थिति में 25' से अधिक का इजाफा नहीं किया जा सकता–यानी अधिकतम 13 पद। लेकिन, धरातल पर नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए 30 या उससे अधिक पदों पर धड़ल्ले से भर्तियां और त?नाती कर दी गईं! सवाल यह उठता है कि आखिर किस सक्षम प्राधिकारी की अनुमति से और किस नियम के तहत यह भारी-भरकम अतिरिक्त भर्ती की गई? सिर्फ सीनियर ही नहीं, बल्कि Junior HD Technician और Assistant Technician के पदों पर भी बड़े पैमाने पर नियमों को ताक पर रखकर नियुक्तियां किए जाने की बात सामने आ रही है, जिसकी गहराई से जांच अनिवार्य है।

पॉइंट 2: फर्जी अनुभव प्रमाण पत्र और 'पटेल लॉबी' का खेल

योजना के तहत वेतन निर्धारण के लिए अनुभव के तीन अलग-अलग स्लैब तय किए गए हैं:

1. 1 साल का कोर्स + 10 साल का अनुभव = 40,000/- प्रतिमाह

2. 7 से 10 साल का अनुभव = ?32,000/- प्रतिमाह

3. अन्य शेष तकनीशियन = 24,000/- प्रतिमाह

आरोप है कि प्रोजेक्ट ऑफिसर श्री नरेश पटेल द्वारा अपने चहेतों को लाभ पहुंचाने के लिए किसी भी फर्जी या गैर-मान्यता प्राप्त जगह का अनुभव प्रमाण पत्र स्वीकार करवाया जा रहा है।

**भूमिका संदिग्धः** बमपुरा स्थित म्युनिसिपल कॉरपोरेशन के डायलिसिस विभाग में काम करने वाली तकनीशियन भूमि पटेल का मामला इसका जीता-जाता उदाहरण बताया जा रहा है। चर्चा है कि उन्होंने अपने अनुभव में हेरफेर कर सीधे 32,000 वाले स्लैब में अपनी पैठ बना ली, जबकि हकीकत यह थी कि वह उस समयावधि के दौरान दो साल तक विदेश में थीं! इस बात की पूरी जानकारी प्रोजेक्ट ऑफिसर नरेश पटेल और प्रशासनिक अधिकारी श्री जे.सी. पटेल को होने के बावजूद, उन्हें 24,000 के वास्तविक हक से उठाकर सीधे 32,000 के मलाईदार स्लैब में सेट कर दिया गया। यह साफ तौर पर एक विशेष जाति या 'पटेल लॉबी' की साठगांठ और संरक्षण की ओर इशारा करता है। इस तरह के कितने ही कर्मचारी फर्जी सर्टिफिकेट के सहारे सरकारी खजाने से बड़ा वेतन ऐंठ रहे हैं? इसके पीछे का मुख्य मकसद केवल और केवल तकनीशियनों से 'तोड-पानी' करना और टेंडर लेने वाली एजेंसी से हर महीने भारी-भरकम कमीशन वसूलना है।

**पॉइंट 3:** डॉक्टरों की फर्जी विजिट्स और पैसों की अंधाधुंध 'ल्हाणी'

छोटे डायलिसिस सेंटर्स–जहां मरीजों की संख्या नगण्य है–वहां भी डॉक्टरों की 2 से 3 घंटे की लंबी विजिट्स और बिना किसी मेडिकल जरूरत के हफ्ते में 3 बार अनावश्यक विजिट्स दिखाकर सरकारी धन की खुली लूट मचाई जा रही है।इस खेल में नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ. उषा पटेल का नाम प्रमुखता से उछल रहा है। आरोप है कि वह पिछले दो वर्षों से प्रोजेक्ट ऑफिसर नरेश पटेल और प्रशासनिक अधिकारी जे.सी. पटेल के साथ मिलकर इस सिंडिकेट को चला रही हैं। सवाल यह है कि क्या कागजों पर दिखाई गई ये विजिट्स वास्तव में जमीन पर हुई थीं? क्या डॉक्टरों ने उतने घंटे मरीजों की सेवा में दिए या यह सिर्फ बिल पास करवाकर सरकारी धन डकारने का एक सुनियोजित षड्यंत्र है?

**स्वास्थ्य मंत्री श्री प्रफुल्ल पानसेरिया के संज्ञान में मामलाः** क्या होगी सख्त कार्रवाई?

इस पूरे सनसनीखेज भ्रष्टाचार के उजागर होने के बाद अब निगाहें गुजरात राज्य के स्वास्थ्य मंत्री श्री प्रफुल्ल पानसेरिया पर टिकी हैं। जनता और स्वास्थ्य क्षेत्र से जुड़े जानकारों का मानना है कि यदि इस मामले की फाइल सीधे स्वास्थ्य मंत्री के टेबल तक पहुंच चुकी है, तो उन्हें इस पूरे सिंडिकेट पर बिना किसी देरी के कड़ा एक्शन लेना चाहिए। जनता के खून-पसीने की कमाई और स्वास्थ्य बजट के साथ हो रहे इस खिलवाड़ को रोकने के लिए महानगर मेट्रो न्यूज़ की ओर से निम्नलिखित कदम उठाए जाने की पुरजोर मांग की जा रही है स्वास्थ्य मंत्री के स्तर पर स्वतंत्र उच्चस्तरीय जांचः इस पूरे घोटाले की जांच इस प्रोजेक्ट या IKDRC से किसी भी प्रकार से जुड़े न होने वाले वरिष्ठ और निष्पक्ष नेफ्रोलॉजिस्ट तथा उच्चाधिकारियों की विशेष समिति से करवाई जाए। सर्टिफ़िकेट्स की क्रॉस-वेरिफ़िकेशनः सभी कर्मचारियों के अनुभव और कोर्स प्रमाण पत्रों की उनके मूल संस्थानों से लिखित रूप में सत्यता जांची जाए और फर्जीवाड़े से लिए गए अतिरिक्त वेतन की रिकवरी हो। डिजिटल मिलानः हर सेंटर के OPD/विजिट रजिस्टर्स, डॉक्टरों की बायोमेट्रिक/GPS उपस्थिति, मरीजों की लाइव अटेंडेंस और बिलिंग रिकॉर्ड्स का आमने-सामने मिलान किया जाए। यदि स्वास्थ्य विभाग के उच्च स्तर से इस 'भ्रष्ट सिंडिकेट' पर हंटर नहीं चलाया गया, तो महकमे की साख पर बड़ा बट्टा लगना तय है। महानगर मेट्रो न्यूज़ इस मामले की हर एक अपडेट और प्रशासनिक हलचल पर पैनी नजर बनाए रखेगा!

## A-One Dialysis Programme' में नियमों की धज्जियां; फर्जी अनुभव के सहारे सरकारी तिजोरी पर डाका!



## एंटी-प्लेग रिसर्च इंस्टीट्यूट में काम करती थी महिला; गंभीर निमोनिया के बाद हुई मौत, संक्रमण की वजह अब तक साफ नहीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

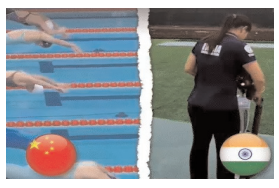
**साइबेरिया।** रूस के साइबेरिया क्षेत्र में एक एंटी-प्लेग रिसर्च इंस्टीट्यूट में काम करने वाली 28 वर्षीय महिला कर्मचारी की अज्ञात बीमारी से मौत के बाद हड़कंप मच गया है। महिला के संपर्क में आए करीब 200 लोगों को एहतियात के तौर पर मेडिकल निगरानी में रखा गया है। महिला की हालत बिगड़ने के बाद उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां गंभीर स्थिति में वेंटिलेटर पर इलाज चल रहा था। इलाज के दौरान 1 अक्टूबर की रात उसकी मौत हो गई। थानीय रिपोर्टों के मुताबिक, 25 सितंबर को लैब में काम करने के दौरान महिला से जीवित जैविक नमूनों वाली एक टेस्ट ट्यूब टूट गई थी। इसके चार दिन बाद 29 सितंबर को उसकी तबीयत बिगड़ी और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया। हालत गंभीर होने के बाद उसे वेंटिलेटर पर रखा गया, लेकिन डॉक्टर उसे बचा नहीं सके। हजोड़ा गया है, लेकिन रूसी अधिकारियों ने इसकी पुष्टि नहीं की है।




## क्रिकेट-कबड्डी-हॉकी में भारत की बादशाहत

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**दिल्ली।** एशियन गेम्स 2026 में क्रिकेट, कबड्डी और हॉकी में भारत का दबदबा देखने को मिला। महिला और पुरुष दोनों वर्गों में इन तीनों खेलों में भारत ने सभी छह स्वर्ण पदक अपने नाम किए। इन खेलों में भारतीय खिलाड़ियों ने अपनी मजबूत स्थिति बरकरार रखते हुए शानदार प्रदर्शन किया। हालांकि, इन तीन खेलों से बाहर निकलकर पूरे एशियन गेम्स में भारत के प्रदर्शन पर नजर डालें तो तस्वीर उतनी मजबूत नजर नहीं आती। भारत इस बार 2022 एशियन गेम्स के अपने प्रदर्शन को दोहराने में कामयाब नहीं रहा। पिछले खेलों में भारत ने 28 स्वर्ण पदक जीते थे, जबकि 2026 में यह संख्या घटकर 21 रह गई। यानी भारत के खाते में पिछले संस्करण की तुलना में सात स्वर्ण पदक कम आए। यह कमी ऐसे समय में सामने आई है, जब भारत खेलों में अपनी स्थिति मजबूत करने और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अधिक पदक जीतने की दिशा में लगातार प्रयास कर रहा है। वहीं चीन के प्रदर्शन ने दोनों देशों के बीच पदकों के अंतर को एक बार फिर सामने ला दिया। चीन ने 169 स्वर्ण पदक जीते, जो भारत के 21 स्वर्ण पदकों की तुलना में करीब आठ गुना अधिक हैं।



## एशियन गेम्स में भारत का अभियान खत्मः 21 गोल्ड समेत 85 पदक, हॉकी में 44 साल बाद ऐतिहासिक सोना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**दिल्ली।** आइची-नागोया। जापान के आइची-नागोया में 16 दिन तक चले एशियन गेम्स में भारत का अभियान समाप्त हो गया। भारतीय खिलाड़ियों ने प्रतियोगिता में 21 स्वर्ण, 27 रजत और 37 कांस्य सहित कुल 85 पदक जीतकर चौथा स्थान हासिल किया। भारतीय दल के लिए क्रिकेट, कबड्डी और हॉकी में शानदार प्रदर्शन सबसे बड़ी उपलब्धियों में शामिल रहा। इन तीनों खेलों में पुरुष और महिला टीमों ने स्वर्ण पदक अपने नाम किए। भारतीय खिलाड़ियों ने कई खेलों में यादगार प्रदर्शन किया। एथलेटिक्स में वित्या रामराज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पीटी उषा का 42 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया। उनके प्रदर्शन ने एशियन गेम्स में भारतीय एथलेटिक्स की उपलब्धियों में एक और महत्वपूर्ण अध्याय जोड़ा। महिला हॉकी टीम ने भी ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की।



## ड्राइवर ने ही रची थी शिक्षक दंपती की हत्या की साजिश, चोरी के दौरान पहचान खुली तो फावड़े-कुल्हाड़ी से दोनों को मार डाला

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**सुल्तानपुर।** 28 सितंबर की रात शिक्षक दंपती की हत्या के मामले में पुलिस ने चौंकाने वाला खुलासा किया है। पुलिस के मुताबिक, सरकारी प्रिंसिपल मुकेश सिंह (45) और उनकी पत्नी विनीता सिंह (43) की हत्या उनके ही स्कूल के ड्राइवर राकेश कुमार यादव (36) ने अपने दो साथियों के साथ मिलकर की थी। आरोपी स्कूल में बस चलाने के साथ बच्चों को कंप्यूटर भी पढ़ाता था और उसे स्कूल, कार्यालय तथा वहां लगे सीसीटीवी कैमरों की पूरी जानकारी थी। चोरी करने के इरादे से स्कूल पहुंचे राकेश की पहचान विनीता से हो गई। इसके बाद पकड़े जाने के डर से उसने पहले विनीता और फिर उनके पति मुकेश की हत्या कर दी। पुलिस ने सोमवार दोपहर करीब 1:15 बजे राकेश और उसके साथी आशीष उर्फ डब्लू यादव (26) को गिरफ्तार कर लिया। दोनों को कादीपुर में बुढ़ाना पुल के पास बड़ी नहर पुलिया से करीब 50 मीटर पहले पकड़ा गया। वारदात में शामिल उनका एक अन्य साथी अभी फरार है। जिला मुख्यालय से करीब 55 किलोमीटर दूर कादीपुर के कुंभी डडिया स्थित मनराजी शिक्षण संस्थान में यह वारदात हुई। कुंभी डडिया गांव में मुकेश सिंह का पैतृक आवास था। वह खनुहट के कंपोजिट विद्यालय में तैनात थे और ब्लॉक शिक्षक संघ के अध्यक्ष भी थे। उनकी पत्नी विनीता गांव से करीब एक किलोमीटर दूर मनरागी इंटर कॉलेज चलाती थीं। स्कूल में 17 शिक्षक और कर्मचारी हैं तथा करीब 550 बच्चे पढ़ते हैं। दंपती का इकलौता बेटा अभ्युदय (20) दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रहा है। पुलिस के मुताबिक, राकेश की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। इसी वजह से उसने अपने पड़ोसी और पट्टीदार आशीष यादव तथा एक अन्य दोस्त के साथ मिलकर संस्थान में चोरी की योजना बनाई। राकेश को स्कूल के अंदर की पूरी जानकारी थी। वह वहां बस चलाने के साथ बच्चों को कंप्यूटर विषय भी पढ़ाता था। उसे कार्यालय और अलमारी के बारे में भी जानकारी थी।




## सामने आया तीसरा वीडियो, छत पर जाने से पहले सीढ़ियों पर दिखे रसिक दुलारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**वृंदावन।** संत प्रेमानंद के शिष्य रसिक दुलारी शरण की मौत के मामले में एक और वीडियो सामने आया है। 5 अक्टूबर को सामने आए 33 सेकंड के इस तीसरे वीडियो में रसिक दुलारी शरण सीढ़ियों से छत की ओर जाते हुए दिखाई दे रहे हैं। वीडियो में वे सफेद धोती और सफेद बंडी पहने हैं तथा शरीर पर पीले रंग की चादर डाले हुए हैं। उनकी धोती पर खून के निशान दिखाई दे रहे हैं। सीढ़ियां चढ़ते समय उनके चलने में कुछ परेशानी भी नजर आ रही है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो उस समय का है, जब वे आत्महत्या से पहले छत की ओर जा रहे थे। 25 वर्षीय रसिक दुलारी शरण ने 25 सितंबर की सुबह वृंदावन स्थित गुरु कृपा कुंज बिल्डिंग की चौथी मंजिल से छलांग लगा दी थी। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां उनकी मौत हो गई। 26 सितंबर को यमुना किनारे उनका अंतिम संस्कार किया गया। मामले की जांच के दौरान पुलिस आश्रम से जुड़े 30 से अधिक लोगों से पूछताछ कर चुकी है। इस मामले में इससे पहले दो वीडियो भी सामने आ चुके हैं। 27 सितंबर को सामने आए पहले वीडियो में रसिक दुलारी शरण के बिल्डिंग से नीचे गिरने की घटना दिखाई दी थी। घटना के समय वहां से गुजर रहे लोगों और पानी की आपूर्ति करने वाले वाहन के पहुंचने का दृश्य भी वीडियो में नजर आया था। वहीं, 3 अक्टूबर को सामने आए दूसरे वीडियो में रसिक दुलारी शरण छत की बाउंड्री वॉल पर बैठे दिखाई देते हैं। कुछ सेकंड बाद वे फर्श पर लेट जाते हैं और फिर अचानक उठकर बाउंड्री से छलांग लगा देते हैं। घटना के बाद शोर सुनकर एक अन्य शिष्य मौके पर पहुंचता और नीचे की ओर देखता दिखाई देता है। पुलिस जांच में घटना से जुड़े अन्य पहलुओं को भी खंगाला जा रहा है।






## 31 दिन बाद मायावती ने आकाश आनंद को फिर सौंपा बड़ा जिम्मा, बनाया बसपा का राष्ट्रीय संयोजक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**लखनऊ।** बहुजन समाज पार्टी की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को एक बार फिर पार्टी में बड़ी जिम्मेदारी सौंप दी है। सोमवार को मायावती ने घोषणा की कि आकाश आनंद को दोबारा बसपा का राष्ट्रीय संयोजक बनाया जा रहा है। करीब एक महीने पहले 3 सितंबर को उन्हें राष्ट्रीय संयोजक के पद से हटाया गया था और उस समय मायावती ने कहा था कि आकाश को अभी राजनीतिक रूप से और अधिक परिपक्व होने की जरूरत है। 10 सितंबर को उन्हें पार्टी से भी बाहर कर दिया गया था। मायावती ने सोमवार को सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट कर आकाश की वापसी की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पार्टी में अनुशासन बनाए रखने के लिए पिछले दिनों कई सख्त फैसले लिए गए और इन फैसलों में उनके अपने परिवार के लोग भी अपवाद नहीं रहे। मायावती के मुताबिक, आकाश का पार्टी में व्यक्तित्व काफी हद तक ठीक रहा है, लेकिन पिछले दिनों उनसे जुड़े कुछ कारणों के चलते संगठन में जरूरी बदलाव करने पड़े। आकाश को दोबारा जिम्मेदारी देने के फैसले के पीछे उनके हालिया रुख को भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। 2 अक्टूबर को आकाश आनंद ने एक्स पर मायावती को अपना राजनीतिक गुरु, प्रेरणा और 'बुआ मां' बताते हुए सार्वजनिक रूप से माफी मांगी थी। उन्होंने कहा था कि बसपा ही उनका परिवार है और वह किसी दूसरे राजनीतिक दल में नहीं जाएंगे। आकाश ने मायावती से दोबारा पार्टी के लिए काम करने का मौका भी मांगा था। आकाश ने अपने ससुर अशोक सिद्धार्थ के राजनीति से संन्यास लेने के फैसले का भी समर्थन किया था। उन्होंने माना था कि पार्टी और मिशन से बड़ा कोई व्यक्तिगत रिश्ता नहीं हो सकता।



## 15 मिनट तक बिना सांस लिए बैठे विद्युत जामवाल, आंखों से आने लगे आंसू; बोले- 'शट अप! दोस्त वाला सवाल पूछ'

महानगर मेट्रो ब्यूर

**मुंबई।** अपने खतरनाक स्टंट और जबरदस्त फिटनेस के लिए पहचाने जाने वाले अभिनेता विद्युत जामवाल ने 'स्ट्रीट फाइटर' के एक इवेंट में ऐसा कारनामा किया कि वहां मौजूद लोग हैरान रह गए। विद्युत करीब 15 मिनट तक एकटक बैठे रहे। इस दौरान उनकी आंखें खुली थीं और उन्होंने पलक तक नहीं झपकाई। शुरुआत में लोगों को लगा कि वह ध्यान कर रहे हैं, लेकिन काफी देर तक एक ही स्थिति में रहने के बाद जब उनके पैरों में हल्का कंपन दिखाई दिया और आंखों से आंसू आने लगे, तो लोगों का ध्यान पूरी तरह उनकी ओर चला गया। बताया गया कि विद्युत इस दौरान लंबे समय तक सांस रोककर बैठे थे। योग और मार्शल आर्ट्स की ट्रेनिंग लंबे समय से उनकी फिटनेस का अहम हिस्सा रही है। यही प्रशिक्षण उनके एक्शन स्टंट्स और शारीरिक नियंत्रण में भी नजर आता है। इवेंट में उनका यह अंदाज देखकर मौजूद लोग भी हैरान रह गए। इसी दौरान विद्युत ने अपने हॉलीवुड डेब्यू और फिल्म में निभाए गए धलसिम के किरदार को लेकर भी बात की। उन्होंने बताया कि बचपन में उनका ध्यान वीडियो गेम खेलने के बजाय खेलों पर रहा। उनके मुताबिक, खेलों से जुड़ाव और शारीरिक प्रशिक्षण ने आगे चलकर उन्हें ऐसे किरदार के लिए तैयार किया, जिसमें एक्शन और शारीरिक क्षमता की बड़ी भूमिका है। विद्युत ने कहा कि उन्होंने पूरी जिंदगी इस तरह के किरदार के लिए मेहनत की है।



## फ्लाईदुबई फ्लाइट हमले के बाद सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल, कट्टरपंथी विचारों के बावजूद को-पायलट को कैसे मिली नौकरी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**दिल्ली।** फ्लाईदुबई की फ्लाइट में भारतीय पायलट स्मित मच्छर पर हमला करने वाले ओमानी को-पायलट हमाम अल-हमामी को लेकर ओमान, यूएई और इजराइल की सुरक्षा व्यवस्था सवालों के घेरे में आ गई है। अमेरिकी अखबार वॉल स्ट्रीट जर्नल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, हमामी को उसके कट्टरपंथी विचारों के चलते पहले उड़ान भरने से रोक दिया गया था। इसके बावजूद फरवरी 2026 में उसे फ्लाईदुबई में नौकरी मिल गई। रिपोर्ट के अनुसार, एयरलाइन ने उसकी पिछली नौकरी और रिकॉर्ड की पुष्टि के लिए ओमान से संपर्क नहीं किया था। हमामी ने वर्ष 2018 में ओमान एयर में नौकरी शुरू की थी और 2022 में पायलट बना। वर्ष 2024 में अधिकारियों को पता चला कि वह कट्टरपंथी वेबसाइट और ब्लॉग देख रहा था। इसके बाद उसे उड़ान ड्यूटी से हटाकर डेस्क जॉब दी गई और डी-रेडिकलाइजेशन कार्यक्रम में भेजा गया। उसने 2025 की शुरुआत में ओमान एयर छोड़ दी। इसके लगभग एक साल बाद फरवरी 2026 में वह फ्लाईदुबई से जुड़ गया रिपोर्ट के मुताबिक, फ्लाईदुबई ने हमामी का आपराधिक पृष्ठभूमि संबंधी सत्यापन कराया था, लेकिन उसकी पिछली नौकरी और पुराने रिकॉर्ड की पुष्टि के लिए ओमान से संपर्क नहीं किया। अब उसकी भर्ती प्रक्रिया में शामिल एयरलाइन कर्मचारियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। इस घटनाक्रम ने विमानन क्षेत्र में भर्ती के दौरान सुरक्षा जांच और अलग-अलग देशों के बीच सूचना साझा करने की व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े कर दिए हैं। इजराइल की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर भी सवाल उठे हैं। वहां के नियमों के अनुसार विदेशी एयरलाइनों को यात्रियों और चालक दल की सूची पहले भेजनी होती है।



## मानावदर तालुका के समेगा A.G. फीडर को दो हिस्सों में बांटने की मांग को लेकर पावर सिस्टम को पिटीशन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**तालुका।** मानावदर तालुका के समेगा गांव के किसानों को अपने खेतों में बिजली सप्लाई करने में आ रही बड़ी मुश्किलों को ध्यान में रखते हुए, मानावदर मार्केटिंग यार्ड के प्रेसिडेंट जगदीशभाई मारू की लीडरशिप में बंटवा पावर ऑफिस के डिप्टी इंजीनियर को एक पिटीशन भेजी गई।



इस मौके पर मानावदर तालुका पंचायत की एग्जीक्यूटिव कमेटी की चेयरमैन वर्षाबेन जगदीशभाई मारू ने बंटवा सब डिवीजन के डिप्टी इंजीनियर को समेगा A.G. फीडर को तुरंत दो हिस्सों में बांटने के बारे में एक डिटेल्ड लेटर दिया और किसानों की दिक्कतों से उन्हें अवगत कराया। पिटीशन के मुताबिक, अभी पाजोद सब स्टेशन से आने वाला समेगा A.G. फीडर तीन गांवों पाजोद, कोडवाव और समेगा के बॉर्डर एरिया को कवर करता है। क्योंकि फीडर लाइन बहुत लंबी है और पावर लोड लगातार बढ़ रहा है, इसलिए लाइन में अक्सर टेक्निकल फॉल्ट आते रहते हैं। इस वजह से दिन-रात बिजली सप्लाई बंद रहने से खेती के लिए समय पर और सही बिजली सप्लाई नहीं मिल पा रही है, जिससे किसानों को भारी आर्थिक नुकसान और मुश्किल का सामना करना पड़ रहा है। समेगा गांव के लिए बंटवा सब स्टेशन से एक नया अलग खेती का फीडर तुरंत मंजूर करने का प्रस्ताव रखा गया है।

## भारतीय जनता पार्टी सरकार की आर्थिक नीतियों से देश बर्बादी के कगार पर: शक्ति सिंह गोहिल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** देश की अर्थव्यवस्था को लेकर कांग्रेस पार्टी द्वारा केंद्र सरकार पर अब तक का सबसे बड़ा और आक्रामक हमला बोला गया है। एआईसीसी के राष्ट्रीय प्रवक्ता और पूर्व सांसद शक्ति सिंह गोहिल ने एक विस्तृत प्रेस विज्ञप्ति और प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से भाजपा सरकार की पोल खोल दी है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि भाजपा सरकार की भ्रष्ट और पूंजीवादी नीतियों के कारण देश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह बर्बाद हो चुकी है और आम नागरिक के लिए आज अपना घर चलाना भी मुश्किल हो गया है। शक्ति सिंह गोहिल ने नोएडा की एक हृदयविदारक घटना का जिक्र करते हुए बताया कि सिर्फ दो दिन पहले नोएडा में 28 साल के एक युवक ने 41वीं मंजिल से कूदकर आत्महत्या कर ली थी। मरने से पहले उसने अपने पिता के साथ हुई आखिरी बातचीत में अपने ऊपर चढ़े भारी कर्ज का जिक्र किया था। किसान हों या युवा, आज देश में हर वर्ग आत्महत्या करने के लिए मजबूर हो रहा है, जिसकी सीधी जिम्मेदारी केंद्र सरकार की गलत नीतियों की है। कांग्रेस के स्वर्णिम काल को याद करते हुए शक्ति सिंह गोहिल ने बताया कि 1991 में जब केंद्र में कांग्रेस सरकार आई थी, तब पूर्ववर्ती सरकारों को देश का सोना बाहर गिरवी रखना पड़ा था। लेकिन 1993 में कांग्रेस सरकार के वित्त मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने देश के हितों को सुरक्षित रखते हुए विदेशी निवेशकों के लिए बाजार खोला, जिसके कारण देश का गिरवी रखा हुआ सोना वापस आया और देश की अर्थव्यवस्था व विकास को बहुत बड़ी ताकत मिली। आज की परिस्थितियों की तुलना करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की अक्षमता और भ्रष्टाचार के कारण आज विदेशी संस्थागत निवेशक (एफआईआई) अपनी पूंजी भारत से निकालकर दूसरे देशों में जा रहे हैं। जनवरी 2026 से सितंबर 2026 के मात्र 9 महीनों के छोटे से अंतराल में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय बाजार से 4.03 लाख करोड़ रुपये बाहर निकाल लिए का भी नुकसान हुआ है।

## क्या मंदिर ट्रस्ट नवरात्रि और दिवाली त्योहारों के दौरान आने वाले श्रद्धालुओं को फ्री सर्विस के नाम पर लूटकर बचाएगा?

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अंबाजी।** शक्ति पीठ अंबाजी में हर दिन लाखों श्रद्धालु मां अंबा के दर्शन करने आते हैं। हाल ही में हुए भद्रवी महा मेले में 43 लाख से ज़्यादा श्रद्धालुओं ने मां अंबा के दर्शन किए। इस मेले के दौरान मंदिर ट्रस्ट और प्रशासन की तरफ से फ्री सामान और जूते-चप्पल सेंटर का इंतज़ाम किया गया था, लेकिन इन फ्री सेंटर के नाम पर एजेंसी ने श्रद्धालुओं से करोड़ों रुपये वसूले। एजेंसी ने टेंडर की शर्तों का पूरी तरह से उल्लंघन किया है। हालांकि टेंडर में साफ लिखा था कि सर्विस पूरी तरह से फ्री होगी, लेकिन एजेंसी के आदमियों ने 50 रुपये वसूले और 100 रुपये वसूले गए। फिर सबसे बड़ा सवाल यह है कि टेंडर की शर्तों का उल्लंघन करने वाली एजेंसी के खिलाफ कोई कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही है? श्रद्धालुओं की मांग है कि ऐसी एजेंसी को तुरंत हटाया जाए और ब्लैकलिस्ट किया जाए। दूसरी तरफ, नवरात्रि और दिवाली के त्योहार आने वाले हैं, ऐसे में अंबाजी में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ होने वाली है। अंबाजी के सभी गेट पर सामान और जूते रखने का इंतज़ाम 365 दिन फ्री है, लेकिन इस एजेंसी के लोग 'जो चाहिए वो दे दो' कहकर श्रद्धालुओं से इनडायरेक्टली पैसे ऐंठते हैं। अंबाजी आने वाले श्रद्धालुओं की मांग है कि कंडीशनल टेंडर तोड़ने के लिए इस एजेंसी के खिलाफ तुरंत लीगल एक्शन लिया जाए। इस बारे में अंबाजी मंदिर ट्रस्ट को एक लिखित शिकायत भी दी गई है, जिसमें श्रद्धालुओं से हो रही लूट को रोकने की मांग की गई है।




## डभोई तालुका के धरमपुरी के पास कॉटन से लदा ट्रक पलटने से दो लोग गंभीर रूप से घायल, हाईवे पर भारी ट्रैफिक जाम

महानगर मेट्रो ब्यूरो

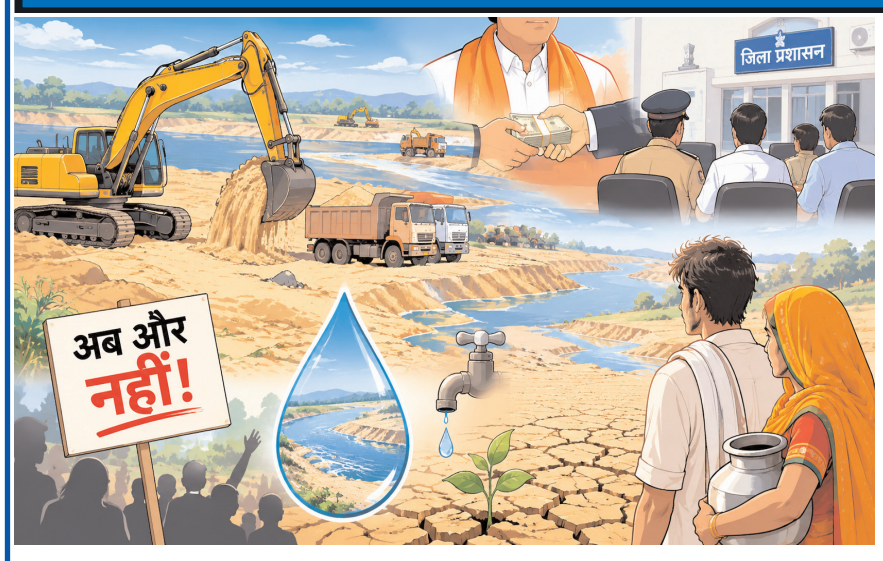
**डभोई।** तालुका के धरमपुरी गांव के पास एक भयानक सड़क हादसा हुआ है, जिसमें कॉटन से लदा आयशर/ट्रक पलटने से दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए हैं। हादसे की वजह से कॉटन की गांठें सड़क पर बिखर गईं, जिससे ट्रैफिक में रुकावट आई और लंबा ट्रैफिक जाम लग गया। हादसा स्टीयरिंग व्हील से कंट्रोल खोने के बाद हुआ। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, ट्रक बड़ी मात्रा में कॉटन लेकर महाराष्ट्र से अहमदाबाद की ओर जा रहा था। इसी बीच, डभोई तालुका के धरमपुरी पाटिया के पास ड्राइवर का अचानक स्टीयरिंग व्हील से कंट्रोल खो गया। बेकाबू ट्रक सड़क के बीच में पलट गया। हादसा इतना भयानक था कि आसपास के गांव वाले तुरंत मौके पर पहुंचे। घायलों को स्थानीय लोगों की मदद से अस्पताल पहुंचाया गया। इस हादसे में ट्रक में सवार दो लोगों को गंभीर चोटें आईं। हादसा होते ही स्थानीय लोगों और राहगीरों ने इंसानियत दिखाई और बचाव का काम शुरू कर दिया। केबिन में फंसे घायलों को तुरंत बाहर निकालकर 108 एम्बुलेंस से इलाज के लिए पास के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। पुलिस ने ट्रैफिक खुलवाया और जांच शुरू की। घटना की सूचना मिलते ही डभोई पुलिस का काफिला मौके पर पहुंचा। ट्रक सड़क पर पलटने की वजह से गाड़ियों की लंबी कतारें लग गईं। पुलिस ने क्रेन की मदद से पलटे हुए ट्रक और सड़क पर बिखरे रुई के ढेर को किनारे करके ट्रैफिक बहाल किया। डभोई पुलिस ने पूरे मामले में एक्सीडेंट का केस दर्ज कर लिया है और आगे की कानूनी जांच तेज कर दी है।



### प्रभावशाली भाजपा नेता की साझेदारी और करोड़ों की रॉयल्टी चोरी का सनसनीखेज पर्दाफाश

# छोटाउदयपुर में बेखौफ रेत खनन से मंडराया भयानक जल संकट सरकारी तिजोरी लुट रही है और जनता का चीरहरण हो रहा है!

### एसी ऑफिस में बैठकर मुफ्त की तनख्वाह खा रहे कलेक्टर, एसपी, तहसीलदार और खान-खनिज विभाग के खिलाफ जनता का प्रचंड आक्रोश!




महानगर मेट्रो ब्यूरो/पवन माकन

**छोटाउदयपुर / गांधीनगर।** गुजरात सरकार भले ही विकास के बड़े-बड़े दावे करती हो, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि भ्रष्ट नेताओं और अधिकारियों की मिलीभगत से गुजरात की धरती का निकास निकाला जा रहा है। छोटाउदयपुर जिले में बेलगाम और अवैध रेत खनन के कारण अब विनाशकारी जल संकट पैदा होने का खतरा मंडराने लगा है। नदियों के सीने को चीरकर करोड़ों रुपये की खनिज संपदा लूटी जा रही है, फिर भी तंत्र आंखें मूंदकर बैठा है। 'महानगर मेट्रो न्यूज़ पेपर' की रिपोर्ट के मुताबिक, इस खुली लूट के पीछे सत्ताधारी दल के ही एक प्रभावशाली और रसूखदार भाजपा नेता की साझेदारी होने की बेहद चौंकाने वाली चर्चाएं जोर पकड़ रही हैं!

### एसी दफ्तरों में बैठे अधिकारी क्या सिर्फ मुफ्त की तनख्वाह लेने के लिए बैठे हैं?

छोटाउदयपुर में चल रहे इस रेत खनन के काले कारोबार में आखिर जिम्मेदारी किसकी है? गांधीनगर में एसी कमरों में बैठकर सो रही खान-खनिज विभाग की फ्लाइंग स्क्वाड, जिला पुलिस अधीक्षक कलेक्टर और तहसीलदार–ये सभी अधिकारी क्या सिर्फ मूकदर्शक बनकर तमाशा देखने के लिए बैठे हैं? अवैध खनन को रोकने की जिनकी नैतिक और कानूनी जिम्मेदारी है, वही अधिकारी आंखें मूंदकर इन भ्रष्ट तत्वों को संरक्षण दे रहे हैं।सरकार के खजाने में जमा होने वाली करोड़ों रुपये की रॉयल्टी की सीधी चोरी हो रही है और अंधाधुंध खनन के कारण भूजल स्तर रसातल में जा रहा है, जिसकी वजह से आने वाले दिनों में इस इलाके के लाखों लोगों को पीने के पानी के लिए दर-दर भटकना पड़ेगा। विकास के ढिंढोरे पीटने वाली सरकार की नाक के नीचे जनता का इस तरह चीरहरण हो रहा है, फिर भी सरकार के पेट में पानी तक नहीं हिल रहा है!

**जनता की खुली चेतावनी:** 'अब और सहन नहीं करेंगे, आप सबको घेरेंगे!'

स्थानीय जनता और किसानों में अब अधिकारियों और नेताओं के खिलाफ असह्य गुस्सा भड़क उठा है। जनता ने साफ शब्दों में चेतावनी दे दी है कि अगर यह अवैध खनन तुरंत बंद नहीं कराया गया और इसमें लिप्त भाजपा के रसूखदार नेता तथा भ्रष्ट अधिकारियों के खिलाफ कानूनी डंडा नहीं चलाया गया, तो जनता सड़कों पर उतरकर इन सभी जिम्मेदार लोगों को घेरेगी'महानगर मेट्रो न्यूज़ पेपर' स्पष्ट सवाल करता है कि जनता के टैक्स के पैसों से एसी ऑफिस में बैठकर मुफ्त की तनख्वाह लेने वाले इन अधिकारियों की आंखें कब खुलेंगी? क्या सरकार अपनी तिजोरी खाली करने वाले इन रेत माफियाओं के खिलाफ कोई ठोस और कड़ी कार्रवाई करने की हिम्मत जुटाएगी या फिर पूरा तंत्र इस भ्रष्टाचार में शामिल है?



**बेखौफ रेत खनन से जल संकट का खतरा**
छोटाउदयपुर में नदियों के सीने को चीरकर अवैध रेत खनन से करोड़ों की खनिज संपदा लूटी जा रही है, जिसके कारण क्षेत्र में भयावह जल संकट पैदा होने का खतरा मंडरा रहा है।



**भाजपा नेता की साझेदारी और करोड़ों की रॉयल्टी चोरी**
इस काले कारोबार के पीछे सत्ताधारी दल के ही एक प्रभावशाली भाजपा नेता की साझेदारी होने की चर्चा से सनसनी फैल गई है। सरकार के खजाने की करोड़ों रुपयें की रॉयल्टी की सीधी चोरी हो रही है।




**एसी दफ्तरों में बैठे अधिकारी जिम्मेदार या सिर्फ तनख्वाहखोर?**
खान-खनिज विभाग की फ्लाइंग स्क्वाड, कलेक्टर, एसपी और तहसीलदार जैसे अधिकारी अवैध खनन को रोकने की जिम्मेदारी के बावजूद मूकदर्शक बने बैठे हैं। जनता का आरोप है कि वे सिर्फ मुफ्त की तनख्वाह लेने के लिए एसी कमरों में बैठे हैं।



**जनता का गुस्सा और चेतावनी**
स्थानीय जनता और किसानों ने साफ कहा है कि अगर अवैध खनन तुरंत बांद नहीं हुआ और दोषी नेता-अधिकारियों पर कानूनी कार्रवाई नहीं हुई, तो जनता सड़कों पर उतरकर इन्हें घेरेगी। अब और सहन नहीं करेंगे!

**जनता का सवाल: क्या सरकार अपनी तिजोरी लूटने वाले रेत माफियाओं पर कार्रवाई करेगी या पूरा तंत्र शामिल है?**

# गुजरात सरकार के विवादित 'रेंट बिल-2026' के खिलाफ वकीलों में ज़बरदस्त गुस्सा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**दांता / बनासकांठा।** गुजरात सरकार द्वारा लाए गए नए और विवादित 'रेंट बिल-2026' के खिलाफ अब राज्य भर के वकीलों में ज़बरदस्त गुस्सा देखा जा रहा है। दांता, बनासकांठा में कोर्ट के सभी वकीलों ने सरकार के इस काले कानून के खिलाफ नारे लगाए हैं। रेंट बिल की जनता और न्यायपालिका विरोधी नीतियों के विरोध में दांता कोर्ट के वकीलों ने आज से सभी न्यायिक काम से दूर रहकर अनिश्चितकालीन हड़ताल का ऐलान किया है। वकीलों के इस ज़बरदस्त विरोध की वजह से दांता कोर्ट में काम पूरी तरह से ठप हो गया है। आम जनता और वकीलों के हितों पर सीधा प्रहार बार एसोसिएशन का गुस्सा सरकार पर निशाना साधते हुए दांता बार एसोसिएशन के प्रेसिडेंट श्री के. ए. गढ़वी ने साफ शब्दों में कहा कि दांता बार के सभी वकील पूरे गुजरात के वकीलों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर यह लड़ाई लड़ रहे हैं। सरकार ने रेंट बिल-2026 में जो अन्यायपूर्ण, जनविरोधी और गैर-संवैधानिक नियम डाले हैं, उन्हें किसी भी तरह बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। वकीलों ने सरकार को सीधी धमकी देते हुए कहा है कि जब तक ये काले नियम पूरी तरह से रद्द नहीं हो जाते, दांता कोर्ट के वकील हड़ताल पर रहेंगे और न्यायिक प्रक्रिया से दूर रहेंगे। राज्य भर के वकीलों द्वारा की जा रही इस हड़ताल की घोषणा से सरकार की मुश्किलें बढ़ गई हैं। 'पाको गुजरात न्यूज़ पेपर' से सवाल जब वकील और आम जनता कानून के इन नियमों के खिलाफ खुलकर सवाल उठा रहे हैं, तो क्या सरकार जनता के हितों को ध्यान में रखते हुए इस बिल को वापस लेगी या अपनी ज़िद पर अड़ी रहेगी और न्यायपालिका और जनता के बीच टकराव का माहौल बनाएगी? पूरा मामला अब गरमा रहा है!



## डभोई रेलवे पुलिस की धमाकेदार कार्रवाई: चलती ट्रेन के वॉशरूम से 2.18 लाख रुपये की विदेशी शराब ज़ब्त!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**डभोई।** गुजरात में शराबबंदी कानून को तोड़ रहे शराब तस्कर अब संदिग्ध और गैर-कानूनी तस्करी के लिए ट्रेनों का इस्तेमाल करने लगे हैं, लेकिन सूरत रेलवे पुलिस की चौकन्नी टीम ने डभोई रेलवे पुलिस स्टेशन एरिया में बहुत सटीक और जानलेवा रेड मारकर शराब तस्करों का खेल बिगाड़ दिया है। अलीराजपुर-प्रतापनगर चलती ट्रेन से लाखों रुपये की भारत में बनी विदेशी शराब और बीयर ज़ब्त की गई है, जिससे रेलवे बेड़े में भारी हलचल मच गई है सूचना पक्की थी, इसलिए ट्रेन में गहन तलाशी शुरू की गई। मिली जानकारी के मुताबिक, वेस्टर्न रेलवे सूरत डिवीजन की LCB टीम पेट्रोलिंग और नाकाबंदी के लिए डभोई रेलवे स्टेशन एरिया में मौजूद थी। इस दौरान पुलिस टीम को खास प्राइवेट जानकारी मिली कि अलीराजपुर से प्रतापनगर जा रही पैसेंजर ट्रेन में भारी मात्रा में विदेशी शराब की तस्करी की जा रही है। इस जानकारी के आधार पर पुलिस अलर्ट हो गई और जब ट्रेन पविजेतपुर रेलवे स्टेशन से आगे बढ़ रही थी, तो रेलवे पुलिस टीम ट्रेन में घुस गई और अलग-अलग डिब्बों में डिटेल में तलाशी शुरू कर दी। शराब तस्करों ने पुलिस की नज़रों से बचने के लिए शराब छिपाने के लिए ऐसा केमिकल इस्तेमाल किया था, जिसे जानकर पुलिस भी हैरान रह गई। जांच के दौरान, ट्रेन के टॉयलेट के ठीक ऊपर प्लेटफॉर्म-बोर्ड पर चालाकी से विदेशी शराब और बीयर की बोतलें और टिन छिपाए गए थे। पुलिस ने ट्रेन के डिब्बे के हर कोने की तलाशी ली और यह छिपाई हुई मात्रा बरामद की। पुलिस ने मौके से कुल 2,18,656 रुपये की विदेशी शराब और बीयर और 3 मोबाइल फोन (कीमत 15,000 रुपये) बरामद किए और कुल 2,33,656 रुपये का माल जब्त किया। तीन गिरफ्तार, मुख्य साजिशकर्ता समेत तीन वॉन्टेड इस मामले में डभोई रेलवे पुलिस ने शराब की तस्करी के आरोप में मौके से तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में दिलीपभाई उर्फ भालजीभाई कलेश, दिलीप राठवा और राजू राठवा शामिल हैं। वहीं जांच के दौरान पता चला है कि लड्डू और प्रवीण, जिन्होंने ट्रेन में इतनी शराब लोड की थी, और रंजीत, जिसने ट्रेन से इतनी शराब ली थी, इस पूरे रैकेट के मुख्य खिलाड़ी हैं, जिसके चलते पुलिस ने उन्हें वॉन्टेड घोषित कर गिरफ्तारी की कार्रवाई शुरू कर दी है। रेलवे रूट पर चल रहे इस अवैध शराब नेटवर्क का खुलासा होने से शराब तस्करों में भारी हंगामा मच गया है।



## अहमदाबाद में खाकी की शर्मनाक हालत: नशे में धुत PSI बी.वी. पंड्या ने अपनी वर्दी की लाज लूटी और अपनी कार खाई में गिरा दी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** एक बहुत ही चौंकाने वाली घटना सामने आई है कि पुलिस डिपार्टमेंट का एक जिम्मेदार अधिकारी, जो गुजरात में शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने की बड़ी-बड़ी बातें करता था, उसने खाकी वर्दी और कानून दोनों को ही ठेंगा दिखा दिया है। अहमदाबाद के साबरमती पुलिस स्टेशन इलाके में ड्यूटी पर तैनात पुलिस सब इंस्पेक्टर बी.वी. पंड्या खुद नशे में धुत थे और अपनी कार में अंग्रेजी शराब की बोतलें रखकर पूरी स्पीड में मोटरकार चला रहे थे। नशे में धुत इस PSI ने अपनी कार पर कंट्रोल खो दिया और सड़क पर चल रहे बेकसूर राहगीरों को टक्कर मारने से बाल-बाल बच गए। नशे में धुत PSI पंड्या ने लापरवाही से कार चलाई और सीधे खाई में जा गिरी। कार का एक्सीडेंट होने के बाद भी वह कार से बाहर नहीं निकला। कार से बाहर आने के बाद इस वर्दीधारी अधिकारी ने स्थानीय निवासियों और पैदल चलने वालों के साथ बहुत बुरा बर्ताव किया। उसने खुलेआम लोगों को गालियां देकर और जान से मारने की धमकी देकर आतंक मचाया। जब एक पुलिस अधिकारी नशे में धुत होकर अवैध शराब की तस्करी कर रहा था और हंगामा कर रहा था, तो गुस्साए स्थानीय निवासियों ने बिना किसी डर के पूरी घटना को अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर लिया। इन साहसी नागरिकों ने तुरंत इमरजेंसी नंबर 112 (112) पर कॉल करके पुलिस को बुलाया। घटना की गंभीरता को देखते हुए साबरमती पुलिस स्टेशन की टीम तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने नशे में धुत बी.वी. पंड्या को गिरफ्तार कर लिया। उसकी कार की तलाशी लेने पर कार में 6 से 8 बोतल अंग्रेजी शराब और उसकी पुलिस PSI की वर्दी भी मिली। पुलिस ने शराब, कार और वर्दी जब्त कर ली है और इस खाकी वर्दी वाले शराब तस्कर के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की है। इस घटना से पूरी पुलिस फोर्स में भारी हंगामा मच गया है।

### ग्राम सभा में लिखकर बताने के बाद भी सरपंच-तलाटी बेपरवाह, गांववालों में महामारी फैलने का डर

# डभोई के सथोड़ गांव के वार्ड नंबर 1 में नरक जैसे हालात: 4-5 महीने से नल में सीवेज जैसा बदबूदार पानी आ रहा है

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**डभोई।** डभोई तालुका के सथोड़ गांव से गांववालों की जान से खिलवाड़ करने वाली एक बहुत ही चौंकाने वाली और गंभीर घटना सामने आई है। गांव के वार्ड नंबर 1 में पिछले चार-पांच महीने से पीने के पानी की इतनी भयानक समस्या पैदा हो गई है कि लोगों की ज़िंदगी नरक जैसी हो गई है। साफ पानी की जगह, नल के ज़रिए सीधे गांववालों के घरों में सीवेज जैसा बहुत गंदा और बदबूदार पानी आ रहा है। पानी की बदबू इतनी ज़्यादा है कि घर में खाना बनाते समय पूरा माहौल असहनीय बदबू से भर जाता है और इस पानी को इस्तेमाल करना तो दूर, अपनी आंखों से देखना भी मुश्किल हो गया है। बार-बार कहने के बाद भी, प्रशासन के बहरे कानों तक आवाज़ क्यों नहीं पहुँच रही है? स्थानीय निवासियों ने बहुत गुस्सा ज़ाहिर करते हुए कहा है कि पिछली ग्राम सभा में इस गंभीर समस्या के बारे में सरपंच और तलाटी-कम-मंत्री को लिखकर आधिकारिक तौर पर बताया गया था। इतना ही नहीं, हाल ही में 2 अक्टूबर को हुई गांधी जयंती ग्राम सभा में भी इस ज्वलंत मुद्दे को फिर से ज़ोरदार तरीके से उठाया गया था। इसके बावजूद, पंचायत सिस्टम, सरपंच या अधिकारियों का दिल नहीं पिघला और समस्या को हल करने के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाए गए। पिछले कई महीनों से, ऐसा गंदा, प्रदूषित और बीमारी फैलाने वाला पानी पीने को मजबूर गाँव वालों में डर का माहौल है। गाँव में टाइफाइड, पीलिया, पेचिश और दस्त-उल्टी जैसी गंभीर पानी से होने वाली बीमारियाँ फैलने का पूरा डर है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन के सामने सीधा सवाल उठाया है, 'अगर इस गंदे पानी की वजह से सथोड़ गाँव में कोई बड़ी बीमारी फैलती है और किसी बेगुनाह की मौत हो जाती है, तो इसकी नैतिक और कानूनी ज़िम्मेदारी कौन लेगा?' गांववालों की ज़ोरदार मांग: पाइपलाइन तुरंत ठीक की जाए सठोड़ गांव के वार्ड नंबर 1 के परेशान लोगों ने अब प्रशासन से ज़ोरदार मांग की है कि ज़िला लेवल के बड़े अधिकारी इस मामले में तुरंत दखल दें। गांव में तुरंत सही जांच करके खराब पाइपलाइन को ठीक किया जाए और वार्ड नंबर 1 के हर घर में जल्द से जल्द साफ़ और पीने लायक पानी पहुंचाया जाए। अगर यह समस्या जल्द हल नहीं हुई तो गांववालों ने ज़ोरदार आंदोलन करने की भी इच्छा जताई है।



## ठासरा पुलिस ने KDCC बैंक फ्रॉड केस में वॉन्टेड आरोपी रफीक वोहरा को वडोदरा से गिरफ्तार किया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**खेड़ा ठासरा।** खेड़ा जिला पुलिस ने एक कुख्यात और वॉन्टेड आरोपी को गिरफ्तार करने में बड़ी सफलता हासिल की है, जो खेड़ा जिला सहकारी बैंक में लाखों रुपये की धोखाधड़ी के जुर्म में पिछले आठ सालों से फरार था। सेवलिया गल्तेश्वर कोर्ट वारंट केस के इस आरोपी को ठासरा पुलिस ने वडोदरा से गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज दिया है, जिससे बूटलेगरों और अपराधियों में काफी दहशत फैल गई है। आठ साल से पुलिस को चकमा दे रहा था आरोपी मिली जानकारी के मुताबिक, KDCC बैंक के साथ किए गए फाइनेंशियल फ्रॉड और एक्सटॉर्शन के गंभीर जुर्म में शामिल आरोपी रफीक गुलाम नबी वोहरा (निवासी अंगाधी स्टेशन, नेपालपुरा, तहसील गलतेश्वर, जिला खेड़ा) पिछले आठ सालों से कानून की पकड़ से दूर चल रहा था। इस मामले में आरोपी के खिलाफ पहले भी माननीय सिविल जज और ज्यूडिशियल मजिस्ट्रेट सेवलिया गलतेश्वर कोर्ट से वारंट जारी हुआ था, लेकिन इसके बावजूद वह पुलिस की पकड़ में नहीं आया। थासरा पुलिस स्टेशन की टीम को जानकारी मिली कि इस जुर्म में आठ साल से वॉन्टेड आरोपी रफीक वोहरा इस समय वडोदरा शहर में छिपा हुआ है और वहां डकैती की फिराक में है। ठासरा पुलिस ने वडोदरा में रेड करके वॉन्टेड आरोपी रफीक गुलाम नबी वोहरा को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की।

## आंध्र प्रदेश में फाइनेंस मिनिस्टर निर्मला सीतारमण का हवा-हवाई विरोध

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद/आंध्र प्रदेश।** आर्थिक नीतियों और महंगाई को लेकर देश भर में अब लोगों का गुस्सा खुलकर सामने आ रहा है। आंध्र प्रदेश से एक बहुत बड़ी खबर सामने आई है, जहां रायलसीमा इलाके में आयोजित एक ऑफिशियल प्रोग्राम के दौरान देश की सेंट्रल फाइनेंस मिनिस्टर निर्मला सीतारमण को लोकल नागरिकों, किसान संगठनों और विपक्षी पार्टी के कार्यकर्ताओं के भारी विरोध और भारी गुस्से का सामना करना पड़ा है। सबसे बड़ी बात यह है कि यह पूरा हाई-वोल्टेज ड्रामा राज्य के चीफ मिनिस्टर एन. चंद्रबाबू नायडू की सीधी मौजूदगी में हुआ, जिसने नेशनल और रीजनल पॉलिटिक्स में भारी गर्मी पैदा कर दी है। चंद्रबाबू नायडू स्टेज पर बैठे थे और उनके सामने ही जनता भड़क उठी। मिली जानकारी के मुताबिक, रायलसीमा इलाके में एक प्रोग्राम रखा गया था जिसमें मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण खास तौर पर मौजूद थीं। जैसे ही मंत्री अपना भाषण शुरू करने वाले थे, वहां मौजूद स्थानीय किसान, नागरिक और अलग-अलग संगठनों के नेता अचानक खड़े हो गए और केंद्र और राज्य सरकार की नीतियों के खिलाफ नारे लगाने लगे। वित्त मंत्री के खिलाफ अचानक हुए इस ज़बरदस्त विरोध प्रदर्शन से सुरक्षाकर्मियों और पुलिस की सांसें फूल गईं। मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू की मौजूदगी में जनता के इस तरह विरोध करने से सरकारी सिस्टम में खलबली मच गई। मंत्री किसानों और जनता के सवालों से घिरे रहे। स्थानीय लोगों और किसान संगठनों का आरोप है कि केंद्र सरकार की आर्थिक नीतियों और किसान विरोधी रवैये की वजह से आम लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। महंगाई, बेरोजगारी और आर्थिक तंगी से जूझ रहे नागरिकों ने वित्त मंत्री के सामने अपना गुस्सा निकाला। मुख्यमंत्री की मौजूदगी में इस खुले विरोध ने यह साबित कर दिया है कि लोगों में सरकार के खिलाफ बहुत ज़्यादा नाराज़गी है। इस घटना के बाद राजनीतिक गलियारों में गर्मी बढ़ गई है और विपक्ष भी सरकार पर हमला करने में एक्टिव हो गया है।

## सूरत क्रिकेट में सत्ता की भूख़ और भ्रष्टाचार का बोलबालाः SDCA AGM में फाइनेंशियल और एडमिनिस्ट्रेटिव गड़बड़ियों पर भारी हंगामा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**सूरत।** गुजरात में राजनीतिक और मतलबी लोगों ने खेल के पवित्र मैदान को भी कैसे भ्रष्टाचार का अड्डा बना दिया है, इसका एक और शर्मनाक उदाहरण सूरत से सामने आया है। सूरत डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट एसोसिएशन की सालाना आम बैठक के दौरान फाइनेंशियल गड़बड़ियों और एडमिनिस्ट्रेटिव गड़बड़ियों पर इतना बड़ा हंगामा हुआ कि पूरा खेल जगत हिल गया है। क्रिकेट डेवलपमेंट के नाम पर सत्ता की कुर्सियों पर बैठे पदाधिकारियों की मनमानी और भ्रष्टाचार अब सामने आ गया है। SDCA की AGM मीटिंग में जब अकाउंट्स और एडमिनिस्ट्रेटिव फैसलों पर चर्चा शुरू हुई तो अंदर की काली करतूतें सामने आने लगीं। गंभीर आरोप लगे हैं कि संगठन के फंड का ट्रांसपेरेंट इस्तेमाल करने के बजाय निजी फायदे पूरे किए जा रहे हैं। टेंडर में संदिग्ध हेराफेरी और करोड़ों रुपये के फाइनेंशियल लेन-देन की चर्चाओं ने ज़ोर पकड़ लिया है, जिससे मेंबर्स और खेल प्रेमियों में सिस्टम के खिलाफ़ बहुत गुस्सा है। यह बात सामने आई है कि खेल के क्षेत्र की प्रतिभाओं को बढ़ावा देने के बजाय, क्रिकेट एसोसिएशन में सिर्फ़ अपने चहेतों और मौजूदा लोगों को ही खुलेआम पद और ओहदे दिए जा रहे हैं। चूंकि भाई-भतीजावाद और भाई-भतीजावाद के आधार पर फैसले लिए जा रहे हैं, इसलिए काबिल खिलाड़ियों और सच्चे लाभार्थियों को छोड़कर, सूरत के उभरते क्रिकेटरों का भविष्य अंधेरे में धकेला जा रहा है क्रिकेट प्रेमियों और जागरूक मेंबर्स ने अब सत्ता के नशे में चूर इन अधिकारियों के खिलाफ़ मोर्चा खोल दिया है। अगर इस भ्रष्ट प्रशासन की निष्पक्ष जांच करके ज़िम्मेदार लोगों के खिलाफ़ सख्त कार्रवाई नहीं की गई, तो आने वाले समय में एक ज़ोरदार आंदोलन शुरू करने की आवाज़ उठ रही है।

## एक युवक ने न्यूड वीडियो कॉल आने की गलती की और उस पर 49.78 लाख का जुर्माना लगा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** अब गुजरात में साइबर क्रिमिनल इतने बेरहम हो गए हैं कि वे आम लोगों की मेहनत की कमाई को पल भर में लूटकर उन्हें बर्बाद कर रहे हैं। अहमदाबाद के पॉश वडाज इलाके से एक बेहद शर्मनाक, खतरनाक और चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां एक युवक अनजान नंबर से आए न्यूड वीडियो कॉल के जाल में इतना फंस गया कि वह मेंटल टॉर्चर और ब्लैकमेल का शिकार हो गया और बड़ी रकम गंवा दी। वीडियो रिकॉर्ड होने की धमकी देकर ठगों द्वारा एक युवक से टुकड़ों में कुल ?49,78,000 (करीब पचास लाख रुपये) ऐंठने की कड़वी सच्चाई ने पूरे राज्य में सनसनी मचा दी है। एक सेकंड की गलती और लाखों रुपये ऐंठने की ब्लैकमेलिंग शुरू! प्राप्त विवरण के अनुसार, वडाज क्षेत्र में रहने वाले एक युवक को एक अज्ञात नंबर से वीडियो कॉल आया। जैसे ही युवक ने कॉल रिसीव किया, दूसरी तरफ से अश्लील और आपत्तिजनक दृश्य दिखाए गए। इस चाल में फंसकर साइबर ठगों ने युवक के कुछ समझने से पहले ही उसकी स्क्रीन रिकॉर्डिंग या वीडियो क्लिप कैप्चर कर ली। फिर शुरू हुआ असली खेल! बदमाशों ने युवक को कॉल और मैसेज करके धमकाना शुरू कर दिया कि अगर उसने मांगी गई रकम नहीं दी, तो उसका न्यूड वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया जाएगा और उसके परिवार और दोस्तों के बीच उसकी प्रतिष्ठा को बदनाम कर दिया जाएगा। समाज की इज़्ज़त और डर के मारे उस नौजवान ने अपना सब कुछ खोना शुरू कर दिया और अलग-अलग ट्रांज़ैक्शन में ठगों के अकाउंट में 49.78 लाख रुपये डाल दिए। जब ??लूट का यह सिलसिला नहीं रुका और धमकियां बढ़ती गईं, तो नौजवान को अपने साथ हुई बड़ी धोखाधड़ी का पता चला। इस घटना ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि गुजरात में सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म के ज़रिए चल रहे ऐसे सेक्सटॉर्शन रैकेट कैसे आम लोगों की ज़िंदगी बर्बाद कर रहे हैं। अब, कई दिनों से चल रहे इस ब्लैकमेलिंग रैकेट के खिलाफ पुलिस और साइबर सेल की कार्रवाई के खिलाफ लोगों का गुस्सा भी बढ़ रहा है। मेहनत की कमाई लूटने वाले ये साइबर बदमाश कब पकड़े जाएंगे और आम लोगों को इस टॉर्चर से कब आज़ादी मिलेगी? अगर आपको भी किसी अनजान नंबर या किसी अनजान महिला से वीडियो कॉल आए, तो गलती से भी फ़ोन न उठाएं।




# ‘हमें जेल में डालने की तैयारी हो रही है, लेकिन 10 अक्टूबर को पूरा देश सड़कों पर उतर रहा है, आप कितनों को गिरफ्तार करेंगे?

## CJP नेताओं की सरकार को खुली चुनौती

### अभिजीत दीपके ने सरकार के खिलाफ बिगुल फूंकाः हम दमन और धमकी से नहीं डरेंगे, चुनाव आयोग और सरकार के खिलाफ आंदोलन की हुंकार अब और तेज होगी!

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली/अहमदाबाद।** केंद्र सरकार और चुनाव आयोग की मनमानी के खिलाफ लोकतंत्र और संविधान बचाने की लड़ाई लड़ रहे CJP (कॉकरोच जनता पार्टी) के नेताओं ने अब सरकार के खिलाफ आर-पार की लड़ाई का ऐलान कर दिया है। CJP नेताओं की तरफ से सनसनीखेज दावा किया गया है कि अधिकारियों की तरफ से विपक्ष की आवाज दबाने के लिए उन्हें जेल में डालने की योजना बनाई जा रही है। लेकिन, सरकार की दबाने वाली नीतियों के आगे न झुकते हुए, CJP के फाउंडर लीडर अभिजीत डिपके ने सरकार को सीधी और खुली चेतावनी दी है, ‘हमें जेल में डालने की तैयारी चल रही है, लेकिन 10 अक्टूबर को पूरा देश सड़कों पर उतर रहा है– आखिर आप कितने लोगों को अरेस्ट करेंगे? ‘ सरकार की तानाशाही के खिलाफ भारी गुस्साः डरने की ज़रूरत नहीं, आंदोलन जारी रहेगा! इलेक्शन कमीशन के कामकाज, चीफ इलेक्शन कमिश्नर के विवादित फैसलों और देश में संवैधानिक संस्थाओं के कथित गलत इस्तेमाल के खिलाफ आवाज उठाने वाले नेताओं पर अब पुलिस और सरकारी मशीनरी दबाव बढ़ा रही है। CJP नेताओं ने दहाड़ लगाई है कि सरकार उन्हें कितनी भी धमकाए या जेल का डर दिखाए, जनता के हक की यह आवाज कभी नहीं दबाई जा सकती। अभिजीत डिपके ने साफ कहा है कि डेमोक्रेसी की हत्या करने वालों के खिलाफ यह लड़ाई अब रुकने वाली नहीं है। सरकार कितना भी दबाव डाले, जनता का गुस्सा अब ज्वालामुखी की तरह फूटने को तैयार है। 10 अक्टूबर का महा-आंदोलनः सरकार की नींव हिलाने की तैयारी! 10 अक्टूबर को दिल्ली में होने वाले बड़े विरोध और देशव्यापी आंदोलन के लिए पूरे देश से सपोर्ट मिल रहा है। लाखों नागरिक और एक्टिविस्ट सरकार की जुल्म के खिलाफ सड़कों पर उतरेंगे। ‘पाक्को गुजरात न्यूज़पेपर’ से बात करते हुए नेताओं ने कहा कि यह लड़ाई सिर्फ़ किसी पार्टी या नेता की नहीं है, बल्कि यह इस देश के हर नागरिक के बुनियादी अधिकारों और संविधान के वजूद की लड़ाई है। सरकार और



चुनाव आयोग के खिलाफ यह लड़ाई अब निर्णायक मोड़ पर पहुंच गई है। ‘पाक्को गुजरात न्यूज़पेपर’ इस महा-आंदोलन पर खास नज़र रखे हुए है, तो अब देखना यह है कि सरकार इस बड़े जनाक्रोश के आगे झुकती है या और भी ज़्यादा काले जुल्म का सहारा लेती है!

## रेमानंद महाराज की सिक्योरिटी को लेकर बड़ी खबर

### आश्रम में कथित माफिया तत्वों के गंभीर आरोपों के साथ CM योगी को लेटर!

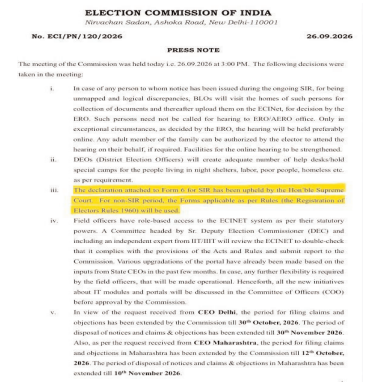
महान गर मेट्रो ब्यूरो

**वृंदावन/अहमदाबाद।** धार्मिक और आध्यात्मिक दुनिया से एक बहुत ही सेंसिटिव और चौंकाने वाली खबर सामने आ रही है। पूज्य प्रेमानंद महाराज की सिक्योरिटी को लेकर बड़ी चिंता जताई जा रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, दिनेश शर्मा ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक लेटर लिखा है, जिसमें प्रेमानंद महाराज की सिक्योरिटी बढ़ाने की ज़ोरदार मांग की गई है। इस लेटर में आश्रम के अंदर संदिग्ध और कथित माफिया तत्वों के एक्टिव होने के गंभीर आरोप भी लगाए गए हैं, जिससे संत समाज और देश भर में रहने वाले लाखों भक्तों में हलचल मच गई है। जब इस मामले में डिटेल्स मांगी गईं, तो सूत्रों ने बताया कि फिलहाल, इस बात का कोई ऑफिशियल सबूत या ऑफिशियल कन्फर्मेशन सामने नहीं आया है कि महाराज पर सीधा हमला होने वाला है या उनकी जान को कोई खास और आने वाला खतरा है। एडमिनिस्ट्रेशन और सिक्योरिटी एजेंसियों ने अभी तक इस मामले में किसी खतरे की पुष्टि नहीं की है। लेकिन, लेटर में लगाए गए आरोपों और आश्रम के आस-पास की गतिविधियों को देखते हुए, भक्तों में बहुत ज़्यादा कन्फ्यूजन और चिंता है। किसी भी बुरी घटना को रोकने के लिए पहले से सतर्क रहना ज़रूरी हो गया है इस बहुत सेंसिटिव मुद्दे पर सोशल मीडिया पर कई तरह के अंदाज़े और चर्चाएँ शुरू हो गई हैं। ‘पाको गुजरात न्यूज़ पेपर’ के रीडर्स से अपील है कि वे किसी भी तरह की अफवाहों से दूर रहें और इस मामले में उत्तर प्रदेश सरकार या पुलिस अधिकारियों से ऑफिशियल अपडेट और ऑफिशियल घोषणाओं का इंतज़ार करें। अधिकारियों ने भी रिक्वेस्ट की है कि बिना संतोषजनक और सर्टिफाइड जानकारी के किसी भी भ्रम में न पड़ें।

## इलेक्शन कमीशन चीफ ज्ञानेश कुमार की छिपी हुई हरकतें सामने आईंः सुप्रीम कोर्ट में झूठ बोलने और देश भर में वोट चोरी के विवादित स्कैम के गंभीर आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली/अहमदाबाद।** देश की डेमोक्रेसी की नींव माने जाने वाले चुनावी प्रोसेस पर सबसे बड़ा और काला धब्बा लग गया है। इलेक्शन कमीशन में सबसे ऊंचे पद पर बैठे चीफ इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार के खिलाफ देश भर से भारी गुस्सा देखने को मिला है। ज्ञानेश कुमार खुलेआम देश की जनता को गुमराह कर रहे हैं और उन पर सत्ता के बल पर डेमोक्रेसी का गला घोंटने के गंभीर आरोप लग रहे हैं। देश की सुप्रीम कोर्ट में हुए खुलासों ने पूरे सिस्टम को हिलाकर रख दिया है और अब सवाल उठ रहे हैं कि क्या सरकार के इशारे पर देश में ‘वोट चोरी’ की कोई बड़ी साजिश चल रही है? 26 सितंबर के प्रेस नोट का बड़ा झूठ और सुप्रीम कोर्ट का सटीक तमाचा जानकारी के मुताबिक, 26 सितंबर को चीफ इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार ने एक ऑफिशियल प्रेस नोट जारी किया था। इस प्रेस नोट में खुलेआम दावा किया गया था कि वोटर लिस्ट में इस्तेमाल होने वाले ‘फॉर्म-6’ में जो भी बदलाव किए गए हैं, वे सीधे सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों और आदेशों के अनुसार किए गए हैं। लेकिन, यह सफेद झूठ ज्यादा देर तक नहीं टिक सका! जब यह मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, तो कोर्ट ने इस दावे की पोल खोल दी। सुप्रीम कोर्ट ने बहुत सख्त शब्दों में साफ किया है कि– ‘हमने कभी भी किसी बदले हुए फॉर्म-6 को कोई मंजूरी नहीं दी है!’ सुप्रीम कोर्ट के


ELECTION COMMISSION OF INDIA
Nirvachan Sadan, Ashoka Road, New Delhi-110001

No. ECI/PN/120/2026 — 26.09.2026

PRESS NOTE

The meeting of the Commission was held today i.e. 26.09.2026 at 3:00 PM. The following decisions were taken in the meeting:

i. In case of any person to whom notice has been issued during the ongoing SIR, for being unmapped and logical discrepancies, BLOs will visit the homes of such persons for collection of documents and thereafter upload them on the ECINet, for decision by the ERO. Such persons need not be called for hearing to ERO/AERO office. Only in exceptional circumstances, as decided by the ERO, the hearing will be held preferably online. Any adult member of the family can be authorized by the elector to attend the hearing on their behalf, if required. Facilities for the online hearing to be strengthened. DEOs (District Election Officers) will create adequate number of help desks/hold special camps for the people living in night shelters, labor, poor people, homeless etc. as per requirement.

ii. The declaration attached to Form 6 for SIR has been upheld by the Hon'ble Supreme Court. For non-SIR period, the Forms applicable as per Rules (the Registration of Electors Rules, 1960) will be used.

iii. Field officers have role-based access to the ECINET system as per their statutory powers. A Committee headed by Sr. Deputy Election Commissioner (DEC) and including an independent expert from IIT/IIIT will review the ECINET to double-check that it complies with the provisions of the Acts and Rules and submit report to the Commission. Various upgradations of the portal have already been made based on the inputs from State CEOs in the past few months. In case, any further flexibility is required by the field officers, that will be made operational. Henceforth, all the new initiatives about IT modules and portals will be discussed in the Committee of Officers (COO) before approval by the Commission.

iv. In view of the request received from **CEO Delhi**, the period for filing claims and objections has been extended by the Commission till **30th October, 2026**. The period of disposal of notices and claims & objections has been extended till **30th November 2026**. Also, as per the request received from **CEO Maharashtra**, the period for filing claims and objections in Maharashtra has been extended by the Commission till **12th October, 2026**. The period of disposal of notices and claims & objections in Maharashtra has been extended till **10th November 2026**.

इस बयान से यह साबित हो गया है .

## ‘बेटी बचाओ’ सिर्फ़ होर्डिंग्स तक सीमित, गुजरात में ‘आरोपी बचाओ’ मॉडल का असली चेहराः गांधीनगर पुलिस ताकतवर लोगों के आगे झुकी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**गांधीनगर/अहमदाबाद।** गुजरात में BJP सरकार महिला सुरक्षा और ‘बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ’ का बड़ा शोर मचाती है, लेकिन ज़मीनी हकीकत यह है कि राज्य में महिलाओं और विपक्षी पार्टी के नेताओं के परिवार की इज़्ज़त सुरक्षित नहीं है और सरकार के इशारे पर अब खाकी वर्दी भी अपराधियों के आगे झुक गई है। गांधीनगर के सेक्टर-21 पुलिस स्टेशन से एक बेहद शर्मनाक और चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहाँ कानून सत्ता के दबाव में बेबस बैठा है और पुलिस स्टेशन एक राजनीतिक पार्टी का ऑफिस बन गया है। परिवार की एक महिला के खिलाफ़ अभद्र टिप्पणी के बावजूद पुलिस में शिकायत दर्ज! मिली जानकारी के मुताबिक, रॉक जिग्नेश मेवाणी के परिवार की महिलाओं के खिलाफ सोशल मीडिया और पब्लिक में बहुत ही घटिया और अभद्र कमेंट्स किए गए। जब जिग्नेश मेवाणी और उनके समर्थक इस मामले में कानूनी शिकायत दर्ज कराने सेक्टर-21 पुलिस स्टेशन पहुंचे, तो पुलिस अधिकारियों का अहंकार और राजनीतिक दबाव खुलकर सामने आ गया। अगर एक चुने हुए जनप्रतिनिधि के परिवार की महिला को सरेआम बेइज्जत किया जा रहा हो और पुलिस स्टेशन में बैठे अधिकारी शिकायत लेते समय हाथ मल रहे हों, तो आम लोगों की सुरक्षा का अंदाजा कैसे लगाया जा सकता है? क्या यह पुलिस स्टेशन है या BJP के IT सेल का प्रोटेक्शन सेंटर? इस घटना पर बहुत गुस्सा जताते हुए आरोप लगाए गए हैं कि यह पुलिस स्टेशन गुजरात के लोगों का है या यह IT सेल या किसी राजनीतिक पार्टी के नेताओं के प्रोटेक्शन का सेंटर बन गया है? जब BJP नेता की इस घटिया हरकत के खिलाफ शिकायत दर्ज करने की बारी आई, तो लोकल अधिकारियों के कहने पर पुलिस शिकायत दर्ज करने से बचती नजर आई। इससे साबित होता है कि महिलाओं और बहन-बेटियों के प्रति BJP की सोच किस लेवल तक गिर चुकी है आने वाले विधानसभा चुनाव में जनता इसका



करारा जवाब देगी। आज गुजरात में महिलाओं और विपक्षी नेताओं की सुरक्षा को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। अगर कानून का राज कमजोर होता रहा और सत्ताधारी पार्टी के अपराधियों को पनाह मिलती रही, तो जनता अब चुप नहीं बैठेगी। इस अन्यायपूर्ण और दमनकारी नीति की गूंज आने वाले विधानसभा चुनाव में साफ सुनाई देगी और राजनीतिक क्षेत्र में इस बात पर तीखी चर्चा शुरू हो गई है कि गुजरात की जनता वोटिंग के जरिए इस घमंडी सत्ता को सही सबक सिखाएगी।

## गुजरात रेंट बिल के खिलाफ वकील गुस्से में: भद्रा कोर्ट से इनकम टैक्स चार रास्ता तक एक बड़ी बाइक रैली निकाली गई

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अहमदाबाद।** गुजरात सरकार के विवादित गुजरात रेंट बिल के विरोध में पूरे राज्य के वकील गुस्से में आ गए हैं। आज अहमदाबाद समेत पूरे गुजरात के सभी कोर्ट में वकीलों ने कोर्ट के काम से दूर रहकर ज़ोरदार विरोध किया। गुजरात बार एसोसिएशन के सपोर्ट से वकीलों ने सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है और धमकी दी है कि जब तक कोर्ट को पावर वापस नहीं मिल जाती, तब तक वे यह लड़ाई जारी रखेंगे। आज के विरोध के तहत अहमदाबाद में वकीलों ने एक बड़ी और गुस्से वाली बाइक रैली निकाली। हज़ारों वकील भद्रा कोर्ट से अपनी बाइक पर निकले और नारे लगाते हुए सीधे इनकम टैक्स चौराहे पर पहुंचे। इनकम टैक्स चौराहे पर वकीलों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारे लगाए और विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान वकीलों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की मूर्ति पर माला चढ़ाई और न्याय के लिए अहिंसक लेकिन मज़बूती से लड़ने का संकल्प लिया। वकीलों के इस ज़बरदस्त विरोध प्रदर्शन की वजह से ट्रैफिक पर भी असर पड़ा और पुलिस तैनात करनी पड़ी। वकीलों का मुख्य गुस्सा इस बात पर है कि किराए के झगड़ों और पावर के मामलों में लिए जा रहे फैसलों से ज्यूडिशियरी की पावर कम हो रही है। वकीलों की साफ मांग है कि रेंट बिल से जुड़ी सभी पावर और ज्यूडिशियल अधिकार कोर्ट को वापस दिए जाएं। गुजरात बार एसोसिएशन भी ऑफिशियली इस हड़ताल और विरोध में शामिल हो गया है, जिसकी



वजह से वकील राज्य की सभी मेंबर कोर्ट में नहीं गए और कोर्ट का काम पूरी तरह से ठप रहा। अगर सरकार आने वाले दिनों में वकीलों की यह जायज़ मांग नहीं मानती है, तो वकीलों की एसोसिएशन ने आंदोलन और तेज़ करने की धमकी भी दी है।स्सा फूटा!

## बनासकांठा में किसानों का गुस्सा फूटाः पालनपुर में किसानों के हंगामे और भारी ट्रैफिक जाम से एडमिनिस्ट्रेशन में हड़कंप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**पालनपुर/बनासकांठा।** आज गुजरात में अन्नदाता माने जाने वाले किसानों की हालत दयनीय हो गई है और सरकारी ढिंढोरा पीटने के बीच आलम यह है कि किसान अपने हक और इंसाफ के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं। किसानों का यह बेहद उग्र मूड बनासकांठा जिले के हेडक्वार्टर पालनपुर से सामने आया है, जहां लोकल एडमिनिस्ट्रेशन और खासकर कलेक्टर के खिलाफ किसानों का गुस्सा ट्रैफिक जाम और सड़कों पर उग्र प्रदर्शन के रूप में फूट पड़ा। हजारों की संख्या में किसान पालनपुर में जमा हुए और डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर के खिलाफ नारेबाजी कर माहौल गरमा दिया। किसानों के मुताबिक, प्रशासन उनकी लंबे समय से पेंडिंग मांगों, सिंचाई के पानी के मुद्दे, फसल बीमा के मुद्दे और ज़्यादा या बेमौसम बारिश से हुए नुकसान के मुआवजे के बारे में सिर्फ़ खोखले आश्वासन देता है, लेकिन ज़मीनी स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जाती। जब अन्नदाता अपने हक की लड़ाई के लिए कलेक्टर ऑफिस या प्रशासनिक सिस्टम का दरवाज़ा खटखटाते हैं, तो अधिकारियों की बेपरवाही और तानाशाही रवैये के कारण किसानों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुँच जाता है। किसानों के इस भयंकर गुस्से के कारण पालनपुर की मुख्य सड़कों पर भारी ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई। किसानों ने सड़क के बीच में बैठकर विरोध प्रदर्शन करना शुरू कर दिया, जिससे गाड़ियों की लंबी कतारें लग गईं।

**बनासकांठा में किसानों का गुस्सा फूटाः पालनपुर में किसानों के हंगामे और भारी ट्रैफिक जाम से एडमिनिस्ट्रेशन में हड़कंप**

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**पालनपुर/बनासकांठा।** आज गुजरात में अन्नदाता माने जाने वाले किसानों की हालत दयनीय हो गई है और सरकारी ढिंढोरा पीटने के बीच आलम यह है कि किसान अपने हक और इंसाफ के लिए दर-दर भटकने को मजबूर हैं। किसानों का यह बेहद उग्र मूड बनासकांठा जिले के हेडक्वार्टर पालनपुर से सामने आया है, जहां लोकल एडमिनिस्ट्रेशन और खासकर कलेक्टर के खिलाफ किसानों का गुस्सा ट्रैफिक जाम और सड़कों पर उग्र प्रदर्शन के रूप में फूट पड़ा। हजारों की संख्या में किसान पालनपुर में जमा हुए और डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर के खिलाफ नारेबाजी कर माहौल गरमा दिया। किसानों के मुताबिक, प्रशासन उनकी लंबे समय से पेंडिंग मांगों, सिंचाई के पानी के मुद्दे, फसल बीमा के मुद्दे और ज़्यादा या बेमौसम बारिश से हुए नुकसान के मुआवजे के बारे में सिर्फ़ खोखले आश्वासन देता है, लेकिन ज़मीनी स्तर पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जाती। जब अन्नदाता अपने हक की लड़ाई के लिए कलेक्टर ऑफिस या प्रशासनिक सिस्टम का दरवाज़ा खटखटाते हैं, तो अधिकारियों की बेपरवाही और तानाशाही रवैये के कारण किसानों का गुस्सा सातवें आसमान पर पहुँच जाता है किसानों के इस भयंकर गुस्से के कारण पालनपुर की मुख्य सड़कों पर भारी ट्रैफिक जाम की स्थिति बन गई। किसानों ने सड़क के बीच में बैठकर विरोध प्रदर्शन करना शुरू कर दिया, जिससे गाड़ियों की लंबी कतारें लग गईं।



## चीफ इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट की रेड आई, केंद्र सरकार और चुनाव आयोग को नोटिस

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली/अहमदाबाद।** देश के सुप्रीम कोर्ट से चुनाव आयोग और केंद्र सरकार के खिलाफ अब तक की सबसे बड़ी और सनसनीखेज रिपोर्ट सामने आई है। सुप्रीम कोर्ट ने चीफ इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार और दूसरे चुनाव कमिश्नरों को मिली मुकदमे से छूट की कानूनी वैधता और चुनाव से जुड़े एकतरफा फैसले लेने के गंभीर आरोपों की जांच को अपनी मंजूरी दे दी है।



इस मामले में कोर्ट ने चुनाव आयोग और केंद्र सरकार को नोटिस जारी कर सिर्फ एक हफ्ते में संतोषजनक जवाब मांगा है, जिससे राजनीतिक और कानूनी दुनिया में भारी हंगामा मच गया है। सुप्रीम कोर्ट बेंच की लाल आँखः ‘अगर फ़ैसला गैर-कानूनी है, तो हम उसे कैंसिल कर देंगे ‘ इस ज़रूरी मामले की सुनवाई देश के चीफ़ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची और वी. मोहना की स्पेशल बेंच के सामने चल रही है। सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने साफ़ कहा है कि इलेक्शन कमीशन के कोई भी फ़ैसले कानूनी प्रोसेस के हिसाब से एकमत से या साफ़ बहुमत के आधार पर लिए जाने चाहिए। कोर्ट ने सख्त शब्दों में चेतावनी दी है कि अगर इलेक्शन कमीशन का कोई भी फ़ैसला कानून के हिसाब से सही नहीं पाया गया, तो कोर्ट उसे तुरंत कैंसिल कर देगा। हालांकि, अभी के लिए सुप्रीम कोर्ट ने चीफ़ इलेक्शन कमिश्नर ज्ञानेश कुमार को बिना आम सहमति के कोई भी फ़ैसला लेने से रोकने के लिए कोई अंतरिम आदेश जारी करने से मना कर दिया है, लेकिन चीफ़ इलेक्शन कमिश्नर को सस्पेंड करने की मांग वाली पिटीशन पर सरकार को नोटिस जारी करके जवाब मांगा है।

## जयपुर में पड़ोसी युवक ने धमकाकर नाबालिग से किया दुष्कर्म, दो साल तक करता रहा ब्लैकमेल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**जयपुर।** शहर में पड़ोसी होने का फायदा उठाकर 16 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि पड़ोसी युवक ने करीब दो साल पहले नाबालिग को अकेला पाकर उसके साथ जबरदस्ती की। लड़की ने विरोध किया तो आरोपी ने उसे डराया-धमकाया और बदनाम करने की धमकी दी। इसके बाद आरोपी लगातार उसे ब्लैकमेल करता रहा और करीब दो साल तक उसका देहशोषण करता रहा। एसीपी के अनुसार, 16 वर्षीय पीड़िता जयपुर की रहने वाली है और पड़ोसी होने के कारण आरोपी युवक को पहले से जानती थी। दोनों के बीच बातचीत भी होती रहती थी। आरोप है कि करीब दो साल पहले आरोपी ने मौका पाकर नाबालिग के साथ जबरदस्ती की। पीड़िता ने विरोध किया तो आरोपी ने उसे डराकर चुप करा दिया। इसके बाद वह घटना का डर दिखाकर उसे लगातार ब्लैकमेल करता रहा। पीड़िता के विरोध करने पर आरोपी कथित तौर पर गाली-गलौच करता और उसे बदनाम करने की धमकी देता था। इस वजह से नाबालिग डर के कारण काफी समय तक मामले की जानकारी अपने परिजनों को नहीं दे सकी। लगातार ब्लैकमेल और मानसिक प्रताड़ना से परेशान होने के बाद आखिरकार उसने परिजनों को पूरी आपबीती बताई। मामले की जानकारी मिलने के बाद परिजन नाबालिग को लेकर पुलिस के पास पहुंचे। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर पोक्सो एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की। इसके बाद पुलिस ने नाबालिग का मेडिकल परीक्षण करवाया और उसके बयान दर्ज किए। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी पड़ोसी युवक को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अब मामले से जुड़े तथ्यों और आरोपों की जांच कर रही है।



## एमडीएम अस्पताल में मोबाइल एप से मिलेगी डॉक्टरों की पूरी जानकारी, ओपीडी से ओटी शेड्यूल तक सब कुछ होगा उपलब्ध



महानगर मेट्रो ब्यूरो

**जोधपुर।** संभाग के सबसे बड़े मथुरादास माथुर अस्पताल में मरीजों और उनके परिजनों को डॉक्टरों से जुड़ी जानकारी अब मोबाइल एप के जरिए मिल सकेगी। अस्पताल प्रशासन की ओर से 'एमडीएमएच' नाम से मोबाइल एप विकसित किया गया है। इस एप का उद्देश्य मरीजों को अस्पताल में उपलब्ध चिकित्सा सेवाओं और डॉक्टरों से संबंधित जरूरी जानकारी आसानी से उपलब्ध कराना है। मथुरादास माथुर अस्पताल के अधीक्षक डॉ. विकास राजपुरोहित ने बताया कि फिलहाल एप को लेकर फीडबैक लिया जा रहा है। एप में अभी प्रारंभिक जानकारी अपडेट की गई है। फीडबैक और आवश्यक सुधार के बाद इसे पूरी तरह विकसित किया जाएगा। अस्पताल प्रशासन के अनुसार एप में अस्पताल के प्रत्येक विभाग के डॉक्टरों से संबंधित जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। इसमें डॉक्टरों की ओपीडी से लेकर उनके ओटी शेड्यूल तक की जानकारी शामिल होगी। इससे मरीजों और उनके परिजनों को डॉक्टर की उपलब्धता और संबंधित विभाग की सेवाओं से जुड़ी जानकारी मोबाइल पर ही मिल सकेगी। एप को आगे और सुविधाजनक बनाने की भी तैयारी है। पूरा एप विकसित होने के बाद इसमें एक विशेष चैटबॉट की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके माध्यम से मरीज या उनके परिजन अपनी समस्या से जुड़े सवाल पूछ सकेंगे और चैटबॉट के जरिए उन्हें संबंधित जानकारी मिल सकेगी। अस्पताल प्रशासन का मानना है कि एप के पूरी तरह विकसित होने के बाद मरीजों को अस्पताल की व्यवस्थाओं और डॉक्टरों से जुड़ी जानकारी हासिल करने में सुविधा होगी। फिलहाल एप के प्रारंभिक स्वरूप पर फीडबैक लिया जा रहा है और प्राप्त सुझावों के आधार पर इसमें आवश्यक बदलाव किए जाएंगे।

## जालोर यूथ कांग्रेस के जिलाध्यक्ष बने विकास मांजू, ऑनलाइन वोटिंग में 11,366 मत हासिल किए

**आठ उम्मीदवारों के बीच हुआ मुकाबला, 25,476 सदस्यों ने किया ऑनलाइन मतदान; चार जिलाध्यक्ष पद के दावेदारों को बनाया गया उपाध्यक्ष**




महानगर मेट्रो ब्यूरो

**जालोर।** कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के तहत करीब डेढ़ माह पहले कराई गई यूथ कांग्रेस की ऑनलाइन वोटिंग का परिणाम रविवार देर शाम जारी कर दिया गया। जालोर में यूथ कांग्रेस के जिलाध्यक्ष पद पर विकास मांजू निर्वाचित हुए हैं। जिलाध्यक्ष पद के लिए कुल आठ उम्मीदवार मैदान में थे। विकास मांजू को 11,366 वोट मिले, जो कुल मान्य मतों का 44.61 प्रतिशत रहा। यूथ कांग्रेस चुनाव से पहले जिले में सदस्यता अभियान चलाया गया था। इस अभियान के दौरान 50 हजार से अधिक लोगों ने सदस्यता के लिए आवेदन किया था। सदस्यता आवेदनों की जांच के बाद अलग-अलग कारणों से आधे से अधिक आवेदन निरस्त कर दिए गए। जांच प्रक्रिया पूरी होने के बाद जिले में 25,756 सदस्यों की सदस्यता मान्य मानी गई। मान्य सदस्यों में से 25,476 ने ऑनलाइन मतदान में हिस्सा लिया, जबकि 280 सदस्यों ने मतदान नहीं किया। रविवार देर शाम परिणाम जारी होने के बाद विकास मांजू को जिलाध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया। उन्हें मिले 11,366 मत उनके निकटतम प्रतिद्वंद्वियों से अधिक रहे। विकास मांजू के बाद पूर्व जिलाध्यक्ष दीपक थांवला दूसरे स्थान पर रहे। उन्हें 5,560 वोट मिले। थांवला इससे पहले भी यूथ कांग्रेस के जिलाध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। श्रवण ढाका को 4,971 और लक्ष्मण सांखला को 3,468 वोट प्राप्त हुए। जिलाध्यक्ष पद के लिए कुल आठ उम्मीदवारों ने चुनाव मैदान में अपनी दावेदारी पेश की थी। चुनाव परिणाम के साथ ही संगठन में अन्य पदों की जिम्मेदारियां भी तय कर दी गई हैं। जिलाध्यक्ष पद के लिए चुनाव मैदान में रहे चार दावेदारों को उपाध्यक्ष बनाया गया है। इनमें लक्ष्मण सांखला, श्रवण ढाका, दीपक थांवला और गीता मेघवाल शामिल हैं। इसके अलावा आत्माराम, संजय कुमार और जनकपाल सिंह को जिला सचिव की जिम्मेदारी सौंपी गई है। ऑनलाइन मतदान के परिणाम सामने आने के बाद यूथ कांग्रेस के जिला संगठन में नई टीम का गठन हो गया है। जिलाध्यक्ष सहित पदाधिकारियों के चयन के साथ अब संगठन की आगामी गतिविधियों और सदस्यता अभियान से जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी नई टीम पर रहेगी।

# पंचायती राज चुनाव 2026: निष्पक्ष और शांतिपूर्ण संचालन के लिए प्रशासन मुस्तैद, जिला निर्वाचन अधिकारी ने ली प्रकोष्ठ प्रभारियों की बैठक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**माउंट आबू।** आगामी पंचायती राज चुनाव 2026 को पूरी तरह पारदर्शी, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी सिलसिले में सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिला निर्वाचन अधिकारी रोहिताश्व सिंह तोमर की अध्यक्षता में विभिन्न प्रकोष्ठ प्रभारियों की एक उच्चस्तरीय बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी ने चुनाव तैयारियों से जुड़े तमाम पहलुओं पर मैराथन चर्चा की और सभी प्रभारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि तय समयसीमा के भीतर सभी व्यवस्थाएं चाक-चौबंद होनी चाहिए। इन प्रमुख बिंदुओं पर रहा विशेष फोकसः मतपत्र और मतदान दलः बैठक में मतपत्रों की उपलब्धता, उनकी सुरक्षा और मतदान दलों के गठन की प्रक्रिया को लेकर विस्तार से समीक्षा की गई। जिला निर्वाचन अधिकारी ने निर्देश दिए कि



कार्मिकों का डेटाबेस और उनका रैंडमराइजेशन पूरी पारदर्शिता के साथ किया जाए। आचार संहिता की सख्ती से पालनाः निर्वाचन क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता की पालना सुनिश्चित कराने के लिए उड़नदस्ता और स्थैतिक निगरानी टीमों को पूरी तरह सतर्क रहने के निर्देश दिए गए। कम्युनिकेशन और मीडिया सेलः चुनाव के दौरान सूचनाओं के आदान-प्रदान को सुगम बनाने और भ्रामक खबरों या अफवाहों पर तत्काल रोक लगाने के लिए कम्युनिकेशन और मीडिया प्रकोष्ठ को सक्रिय कर दिया गया है। रसद और यातायात व्यवस्थाः ग्रामीण अंचल के दूर-दराज के मतदान केंद्रों तक मतदान सामग्री, ईवीएम/मतपत्र और सुरक्षा बलों को समय पर पहुंचाने के लिए रसद एवं यातायात प्रबंधन का सुदृढ़ खाका तैयार किया गया है।

### प्रशासन की दो टूक - लापरवाही बर्दाश्त नहीं

जिला निर्वाचन अधिकारी रोहिताश्व सिंह तोमर ने सभी प्रभारियों को निर्देशित किया कि चुनाव आयोग के दिशा-निर्देशों की शत-प्रतिशत अनुपालना सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि निर्वाचन कार्य में किसी भी स्तर पर कोताही या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी अधिकारी आपसी तालमेल के साथ काम करें ताकि ग्रामीण लोकतंत्र के इस महापर्व को पूरी भव्यता और निष्पक्षता के साथ संपन्न कराया जा सके। बैठक में संबंधित विभागों के प्रकोष्ठ प्रभारी एवं अन्य प्रमुख प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे।

## माउंट आबू में वन्यजीव सप्ताह के तीसरे दिन जंगल ट्रैकिंग, 70 प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**माउंट आबू।** 72वें वन्यजीव सप्ताह के तहत रविवार को तीसरे दिन वन विभाग की ओर स ट्रैकर्स टैंक क्षेत्र में जंगल ट्रैकिंग कराई गई। सुबह 7.30 बजे शुरू हुई ट्रैकिंग में वन्यजीव प्रेमियों, विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों और शिक्षकों के साथ वन विभाग के कर्मचारियों सहित करीब 70 लोगों ने हिस्सा लिया। ट्रैकिंग के दौरान प्रतिभागियों को माउंट आबू अभयारण्य क्षेत्र की जैव विविधता, वनस्पतियों और वन्यजीवों से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं। औषधीय पौधों के विशेषज्ञ स्वामी ओमानंद ने प्रतिभागियों को माउंट आबू अभयारण्य क्षेत्र में पाए जाने वाले विभिन्न औषधीय पौधों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कचनार, चित्रक, अमलतास, आंवला और जामुन सहित कई पौधों की विशेषताओं और उनके उपयोग के बारे में बताया। उन्होंने प्रतिभागियों को जंगल में पाए जाने वाले पौधों को पहचानने और उनके महत्व को समझने की जानकारी भी दी। पक्षी विशेषज्ञ महेंद्र दान उर्फ चार्ल्स और दिनेश सिंह ने क्षेत्र में पाए जाने वाले विभिन्न पक्षियों



की जानकारी दी। उन्होंने पक्षियों की पहचान, उनकी विशेषताओं और माउंट आबू क्षेत्र में उनकी मौजूदगी से प्रतिभागियों को परिचित कराया। वहीं भालू विशेषज्ञ विशाल ने माउंट आबू में पाए जाने वाले भालुओं के बारे में जानकारी देते हुए उनके संरक्षण की आवश्यकता पर जोर दिया। ट्रैकिंग के दौरान प्रतिभागियों को सरिसृपों की पहचान के बारे में भी बताया गया। इसके साथ ही सांप के काटने की स्थिति में किए जाने वाले प्राथमिक उपचार की जानकारी दी गई, ताकि ऐसी परिस्थितियों में लोग घबराने के बजाय आवश्यक सावधानी बरत सकें। उप वन संरक्षक वन्यजीव अनिल कुमार गुप्ता ने माउंट आबू अभयारण्य को औषधीय पौधों और जैव विविधता से समृद्ध क्षेत्र बताया। उन्होंने कहा कि वन्यजीव और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण में आम लोगों की सहभागिता जरूरी है। उन्होंने लोगों से अभयारण्य क्षेत्र की जैव विविधता के संरक्षण में सहयोग की अपील की कार्यक्रम में सहायक वन संरक्षक गजेंद्र सिंह, क्षेत्रीय वन अधिकारी श्रवणराम विश्नोई, केंद्रीय विद्यालय के प्राचार्य ओमप्रकाश जाखड़, आदर्श विद्या मंदिर शंकर विद्यापीठ के प्राचार्य धीरज शर्मा सहित विद्यार्थी, वनकर्मी और पर्यावरण प्रेमी मौजूद रहे। आयोजित की जाएगी।

### जंगल ट्रैकिंग में वन्यजीवों से रूबरू हुए विद्यार्थी

माउंट आबू के ट्रैकर्स टैंक क्षेत्र में हुई जंगल ट्रैकिंग में करीब 70 वन्यजीव प्रेमियों, विद्यार्थियों, शिक्षकों और वनकर्मियों ने हिस्सा लिया। विशेषज्ञों ने औषधीय पौधों, पक्षियों, भालुओं और सरिसृपों की जानकारी दी। प्रतिभागियों को सर्पदंश की स्थिति में प्राथमिक उपचार के बारे में भी बताया गया।

## जिला परिषद भवन के कमरा नंबर 12 की आरसीसी छत भरभराकर गिरी, हादसे के समय कोई कर्मचारी नहीं था

महानगर मेट्रो ब्यूरो

जिला परिषद (डीआरडीए) भवन के कमरा नंबर 12 की आरसीसी छत सोमवार सुबह अचानक भरभराकर गिर गई। छत गिरने से कमरे में रखा सामान मलबे के नीचे दब गया। गनीमत रही कि हादसे के समय कमरे के अंदर कोई कर्मचारी मौजूद नहीं था, जिससे बड़ा हादसा होने से टल गया। घटना के बाद जिला परिषद कर्मचारियों ने अन्य कमरों की भी जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, सोमवार सुबह जिला परिषद के कर्मचारी कार्यालय पहुंचे तो उन्हें कमरा नंबर 12 की छत गिरने की जानकारी मिली। कमरे की आरसीसी छत का बड़ा हिस्सा गिर चुका था और अंदर रखा सामान मलबे के नीचे दब गया था। इसके बाद कर्मचारियों ने मलबा हटाने का काम शुरू किया। मलबा हटाने के बाद कमरे में रखा सामान बाहर निकाला गया बताया गया कि कमरा नंबर 12 में चुनाव संबंधी सामग्री और चुनाव के खाली बॉक्स रखे हुए थे। चुनाव सामग्री रखे जाने के बाद कमरे को 7 सितंबर से सील कर दिया गया था। इसके कारण पिछले एक महीने से अधिक समय से कमरे में नियमित आवाजाही नहीं हो रही थी। ऐसे में छत गिरने की घटना के दौरान कमरे में किसी कर्मचारी के मौजूद नहीं होने से जनहानि नहीं हुई घटना के बाद परिषद प्रशासन ने भवन के अन्य कमरों की स्थिति को लेकर भी जांच शुरू कर दी है। कर्मचारियों की ओर से दूसरे कमरों का निरीक्षण किया जा रहा है, ताकि कहीं छत या भवन के किसी हिस्से में ऐसी ही समस्या तो नहीं है, इसका पता लगाया जा सके।



## जोधपुर में रिटायर्ड जस्टिस संगीत लोढ़ा ने चौथी बार किया ट्रीटमेंट प्लांट और बांडी नदी का निरीक्षण

**जोधपुर में रिटायर्ड जस्टिस संगीत लोढ़ा ने चौथी बार किया ट्रीटमेंट प्लांट और बांडी नदी का निरीक्षण**

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**जोधपुर।** रिटायर्ड जस्टिस संगीत लोढ़ा रविवार को चौथी बार ट्रीटमेंट प्लांटों और बांडी नदी की स्थिति का निरीक्षण करने पहुंचे। दोपहर में उन्होंने ट्रीटमेंट प्लांट-4 का निरीक्षण किया। इससे पहले उन्होंने आउवा, फुलाद डैम, जोजावर, बोमादड़ा, हेमावास बांध और गढ़वाड़ा क्षेत्र में बांडी नदी की स्थिति देखी। ट्रीटमेंट प्लांट-4 पर नेहड़ा गांव के किसान वागाराम विश्नोई ने प्लांट के छलकने और प्रदूषित पानी फैलने की शिकायत लोढ़ा के सामने रखी। प्लांट का निरीक्षण करते हुए लोढ़ा ने आरओ राहुल शर्मा से अतिरिक्त मशीनों को लेकर सवाल किया। उन्होंने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार जिन इकाइयों में प्लांट की क्षमता के अनुसार आवंटित केएलडी से अधिक मशीनें हैं, उन्हें हटाया जाना है। इसके बावजूद इकाइयों से अतिरिक्त मशीनें क्यों नहीं हटाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति में प्लांट शुरू ही नहीं किया जाना चाहिए था। उन्होंने सवाल किया कि बिना उच्च स्तर से अनुमति लिए इतना बड़ा फैसला कैसे लिया जा सकता है। लोढ़ा ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश को छह महीने हो चुके हैं, इसके बावजूद स्थिति में अपेक्षित बदलाव नजर नहीं आ रहा है। उन्होंने सीईटीपी फाउंडेशन के सचिव संदीप मेहता और डायरेक्टर विनय बंब से भी प्लांट की क्षमता को लेकर जानकारी ली। लोढ़ा ने पूछा कि जब प्लांट की क्षमता पर्याप्त नहीं है तो इकाइयों से पानी क्यों लिया जा रहा है। इसी दौरान किसान वागाराम विश्नोई ने प्लांट में बनाया गया नया अतिरिक्त टैंक भी दिखाया। लोढ़ा ने आरओ को संबंधित रिकॉर्ड का विश्लेषण करने के निर्देश दिए। प्लांट-4 के पीछे बांडी नदी में प्रदूषित पानी दिखाई देने पर लोढ़ा ने पानी के स्रोत के बारे में पूछा। आरओ राहुल शर्मा ने बताया कि यह पुराना पानी है और इस संबंध में एफआईआर भी दर्ज हो चुकी है। सीईटीपी डायरेक्टर विनय बंब ने बताया कि प्लांट को 6 एमएलडी क्षमता पर संचालित करने के लिए समय दिया गया था, लेकिन अभी तक प्लांट संचालित करने वाली कंपनी इसे 6 एमएलडी तक नहीं ला पाई है। इसको लेकर कंपनी को नोटिस भी जारी किया



जा चुका है। किसान वागाराम विश्नोई ने बताया कि आरपीसीबी की टीम ने 24 जुलाई को मंडिया रोड स्थित जेके डाइंग और मेघा टैक्स प्रिंट्स के खिलाफ कार्रवाई की थी। उन्होंने लोढ़ा से कहा कि दोनों में से केवल जेके डाइंग के खिलाफ कार्रवाई की गई। कार्रवाई के बारे में पूछने पर आरओ ने बताया कि उस समय वे अवकाश पर थे। मेघा टैक्स प्रिंट्स की रिपोर्ट बनाकर मुख्यालय भेज दी गई है। इधर, जिला उद्योग केंद्र के पास एक फैक्ट्री के पाइप से नाले में पानी आने की सूचना पर प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने पानी के नमूने लेकर जांच के लिए कार्रवाई शुरू की।

## माउंट आबू में सील केबिन खुलवाने की मांग पर कांग्रेस का धरना, नगरपालिका के सामने प्रदर्शन

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**माउंट आबू।** अपर जिला न्यायालय द्वारा सील किए गए केबिनों को खुलवाने की मांग को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं और प्रभावित केबिन धारकों ने धरना-प्रदर्शन किया। नगर मंडल कांग्रेस कमेटी की ओर से नगरपालिका कार्यालय के सामने प्रदर्शन कर पात्र केबिन धारकों की सील हटाने की मांग उठाई गई। कांग्रेस कार्यकर्ताओं का कहना है कि केबिन सील होने के कारण कई परिवारों के सामने रोजगार का संकट खड़ा हो गया है। नगर मंडल कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नारायण सिंह भाटी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं और प्रभावित लोगों ने उपखंड अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में अपर जिला न्यायालय के आदेश के अनुसार पात्र केबिन धारकों को राहत देने और उनकी सील जल्द हटाने की मांग की गई। कांग्रेस पदाधिकारियों ने कहा कि केबिनों के बंद होने से उनसे जुड़े परिवारों की रोजी-रोटी प्रभावित हो रही है और लंबे समय से रोजगार से वंचित रहने के कारण उन्हें परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। ज्ञापन सौंपने के बाद कांग्रेस कार्यकर्ता नगरपालिका कार्यालय पहुंचे। यहां नगरपालिका अध्यक्ष और आयुक्त के कार्यालय से बाहर नहीं आने पर कार्यकर्ता और प्रभावित लोग पुस्तकालय भवन के बाहर धरने पर बैठ गए। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने नारेबाजी करते हुए सील किए गए केबिनों को खुलवाने की मांग उठाई।



## होटल एवं रेस्टोरेंट एसोसिएशन की बैठक में कई अहम प्रस्ताव पारित, शहर को चार जोन में बांटकर सौंपी जाएगी जिम्मेदारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**सिरोही.** होटल एवं रेस्टोरेंट एसोसिएशन की बैठक सोमवार को अध्यक्ष शांतिलाल माली सोलंकी की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में पूर्व सभापति ताराराम माली और सचिव प्रकाश बी. माली सहित एसोसिएशन के पदाधिकारी एवं सदस्य मौजूद रहे। बैठक में संगठन को मजबूत करने, अधिक से अधिक होटल एवं रेस्टोरेंट व्यवसायियों को एसोसिएशन से जोड़ने तथा सिरोही में पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में दिनेश पटेल के प्रस्ताव पर सहमति बनी कि एसोसिएशन के समूह में केवल स्थायी होटल व्यवसायियों को ही जोड़ा जाए। संगठन मंत्री सत्यजीत सिंह ने पर्यटन से जुड़े अन्य लोगों को भी एसोसिएशन से जोड़ने का सुझाव दिया। उन्होंने सिरोही जिले के विभिन्न धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों को आपस में जोड़कर पर्यटन सर्किट विकसित करने की बात रखी। सत्यजीत सिंह ने वाराखेड़ा, जवाई, पिंडवाड़ा क्षेत्र, मातरमाता, ट्रेकिंग स्थल, तेलपुर, बिजौला भागली, पावापुरी तीर्थधाम, शनैश्वर तीर्थधाम, सारणेश्वरजी, अम्बेश्वरजी और पिश्वाणियां



पहाड़ी मंदिर सहित विभिन्न स्थलों को पर्यटन सर्किट में शामिल करने का सुझाव दिया। सदस्यों ने इस प्रस्ताव को स्वीकार करते हुए सिरोही में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सामूहिक प्रयास करने पर सहमति जताई। पूर्व सभापति ताराराम माली ने संगठन को अधिक मजबूत और सक्रिय बनाने पर जोर दिया। बैठक में दीपावली के अवसर पर स्नेह मिलन कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय भी लिया गया। उपाध्यक्ष फिरोज पठान ने सिरोही शहर को चार जोन में विभाजित कर प्रत्येक जोन की जिम्मेदारी अलग-अलग पदाधिकारियों को देने का प्रस्ताव रखा, जिसे सर्वसम्मति से स्वीकार कर लिया गया।रूनिर्धारित व्यवस्था के अनुसार प्रत्येक जोन प्रभारी अपने क्षेत्र के होटल एवं रेस्टोरेंट व्यवसायियों से संपर्क करेगा। उन्हें संगठन से जोड़ने के साथ आगामी बैठकों और संगठन की गतिविधियों की जानकारी देने की जिम्मेदारी भी जोन प्रभारियों की होगी। इससे संगठन का विस्तार करने और शहर के होटल व्यवसायियों को एक मंच पर लाने का प्रयास किया जाएगा। ैठक में एसोसिएशन की सदस्यता के लिए 1,100 रुपए पंजीयन शुल्क निर्धारित करने का प्रस्ताव भी सर्वसम्मति से पारित किया गया। बैठक में मौजूद सदस्यों ने पंजीयन शुल्क जमा भी करवाया। अंत में सदस्यों ने संकल्प लिया कि एसोसिएशन को मजबूत, संगठित और प्रभावी संगठन के रूप में विकसित करने के साथ सिरोही के पर्यटन एवं होटल व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए सामूहिक रूप से कार्य किया जाएगा।

## जालोर में लुटेरी दुल्हन गिरोह पर पुलिस की कार्रवाई, मास्टरमाइंड समेत चार गिरफ्तार

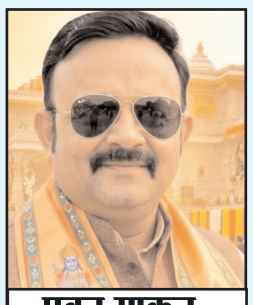
महानगर मेट्रो ब्यूरो

**जालोर।** बागरा थाना पुलिस ने लुटेरी दुल्हन से जुड़े प्रकरण में कार्रवाई करते हुए मास्टरमाइंड समेत चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों को गुजरात के अलग-अलग स्थानों से दस्तयाब कर पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया। चारों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार, सियाणा निवासी अर्जुनसिंह पुत्र भवाराम पुरोहित ने बागरा थाने में रिपोर्ट पेश की थी। रिपोर्ट के आधार पर पुलिस ने 26 अगस्त 2026 को बीएनएस के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की। अनुसंधान के दौरान पुलिस टीम ने आरोपियों की तलाश शुरू की और उनके मोबाइल नंबरों की लोकेशन के आधार पर संभावित ठिकानों की पहचान की। इसके बाद टीम ने गुजरात में अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर आरोपियों को दस्तयाब किया। पुलिस कार्रवाई के दौरान आरोपी मीठालाल उम्र 56 वर्ष, निवासी डीसा, बनासकांठा, गुजरात को 28 सितंबर को डीसा से पकड़ा गया। वहीं मनोज कुमार पंडया उम्र 53 वर्ष, निवासी मेहसाणा, गुजरात को मेहसाणा से दस्तयाब किया गया। दोनों से पूछताछ के बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार किया। प्रकरण में शामिल मनीशाबेन उम्र 27 वर्ष और सुमनबेन उम्र 54 वर्ष, दोनों निवासी वटवा, अहमदाबाद को 2 अक्टूबर को अहमदाबाद के वटवा क्षेत्र से डिटेन किया गया। पूछताछ के बाद पुलिस ने दोनों को भी गिरफ्तार कर लिया।



## दिवाली सूरत की टेक्सटाइल इंडस्ट्री पर मुसीबत लेकर आई: कच्चे माल की बढ़ती कीमतों से गुजरात का मैनचेस्टर बर्बादी की कगार पर

**सूरत/अहमदाबाद।** गुजरात की आर्थिक धड़कन और टेक्सटाइल इंडस्ट्री का महानगर माना जाने वाला सूरत आज ऐसे अंधेरे में डूब गया है कि तबाही के अलावा कुछ नहीं दिख रहा है। दिवाली के पवित्र त्योहार से कुछ ही दिन पहले सूरत की करोड़ों की टेक्सटाइल इंडस्ट्री पर संकट के काले पहाड़ मंडरा रहे हैं। पॉलिएस्टर धागे और दूसरे कच्चे माल की कीमतों में भारी बढ़ोतरी ने छोटे-बड़े बुनकरों और उद्योगपतियों की कमर तोड़ दी है। जो फैक्ट्रियां कभी दिन भर शोर मचाती रहती थीं, आज मंदी के सन्नाटे के बीच मशीनें हमेशा के लिए बंद होने की कगार पर आ गई हैं, फिर भी सत्ता के नशे में अंधे नेता पेट में दर्द तक नहीं कर रहे! कच्चे माल की बेतहाशा कीमतों में बढ़ोतरी से मिल और लूम्स इंडस्ट्री बर्बाद



**पवन माकन**
ग्रुप एडिटर, महानगर मेट्रो

आज इतनी दयनीय और गंभीर स्थिति पैदा हो गई है कि व्यापारी और मैन्युफैक्चरर आत्महत्या करने पर मजबूर हो गए हैं। कच्चे माल की कीमतें आसमान पर पहुंच गई हैं, लेकिन इसके उलट, तैयार कपड़ों की कीमतों में कोई हलचल नहीं है। आधी कीमत पर बिजली, लस्ज्ञ के मुश्किल और तकलीफदेह नियम और बेलगाम महंगाई ने सूरत की टेक्सटाइल इंडस्ट्री को अंदर से फंसाकर खोखला कर दिया है। दिवाली के समय, जहां मजदूरों को बोनस और ऑर्डर पूरे करने के लिए भागना चाहिए, आज लाखों मजदूर अपनी नौकरी खो चुके हैं और भुखमरी की कगार पर हैं। सरकारी नीतियों की नाकामी के कारण सूरत की यह मुख्य इंडस्ट्री मरणासन्न पड़ी है! पूरे गुजरात में दुख ही दुख है: किसानों, युवाओं और आम आदमी की चीखें सूरत की टेक्सटाइल इंडस्ट्री की यह दुर्दशा सिर्फ एक इंडस्ट्री की नहीं है, बल्कि यह पूरे गुजरात की एक दर्दनाक और दर्दनाक सच्चाई है। खाने-कमाने वाला किसान फसल बीमा और सिंचाई के पानी के लिए दर-दर भटक रहा है। पेपर लीक कांड, भ्रष्टाचार और बेरोजगारी की वजह से राज्य के युवा सड़कों पर बर्बाद हो रहे हैं। आम जनता और आम आदमी महंगाई की ऐसी भयानक मार झेल रहा है कि दो वक्त की रोटी पीसना भी मुश्किल हो गया है। सरकार सिर्फ वाइब्रेंट गुजरात का नाटक कर रही है, लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि आज गुजरात का कोना-कोना रो रहा है। सरकार की तरफ से इंडस्ट्री या जनता को बचाने के लिए कोई राहत पैकेज या मदद नहीं दी गई है। आने वाले विधानसभा चुनाव में जनता BJP सरकार के घमंड को बेनकाब करेगी! सत्ता के नशे में चूर सरकार ने मान लिया था कि जनता चुप रहेगी और सब कुछ सह लेगी, लेकिन अब जनता का दम बोल रहा है। सूरत के व्यापारियों, उद्योगपतियों, युवाओं, किसानों और पीड़ित लोगों के दिलों में जल रहा यह गुस्सा अब आग बनकर फूटने को तैयार है। अगर सरकार समय रहते नहीं जागी तो अगले विधानसभा चुनाव में यही जनता वोटिंग के जरिए ऐसा करारा जवाब देगी कि गद्दी पर बैठे घमंडी लोगों की कुर्सियां हिल जाएंगी! 'पाको गुजरात न्यूज़ पेपर' की साफ़ चेतावनी है कि लोगों के सब्र का इम्तिहान लेना बंद करो, नहीं तो यह जनाक्रोश पूरी सरकार को ज़मीन पर ला देगा!

## प्राकृतिक आपदाओं में तबाह हुए अन्नदाता को नहीं मिल रही एक फूटी कौड़ी

बनासकांठा/अहमदाबाद गुजरात का अन्नदाता आज जिस दयनीय और लाचार स्थिति से गुजर रहा है, उसने सरकार के विकास के दावों की पोल खोलकर रख दी है। उत्तर गुजरात के कृषि केंद्र के रूप में पहचाने जाने वाले दांतीवा?? क्षेत्र में किसानों का गुस्सा अब सातवें आसमान पर पहुंच चुका है। फसल के नुकसान के समय मुंह मीठा करने आने वाले नेताओं और सरकार के खिलाफ किसानों ने खुला विद्रोह कर दिया है। दांतीवाडा के आक्रोशित किसानों ने दो टूक चेतावनी दे दी है कि, 'अब यदि कोई नेता वोट मांगने या फोटो खिंचवाने आया, तो उसकी खैर नहीं! आपदा में अकेला अन्नदाता, नेताओं की गैरहाजिरी से भड़के किसान जब-जब प्राकृतिक प्रकोप, अतिवृष्टि या बेमौसम बारिश के कारण किसानों के खेत तबाह हो जाते हैं और उनका खून-पसीना पानी बन जाता है, तब-तब सरकार द्वारा बड़े-बड़े विज्ञापनों के ढोल पीटे जाते हैं। लेकिन, ज़मीनी हक़ीकत यह है कि पीड़ित किसानों के बैंक खातों में सहायता के नाम पर सिर्फ निराशा ही हाथ लगती है। सूत्रों के मुताबिक, किसानों को आर्थिक नुकसान से उबारने के लिए आवंटित होने वाली करोड़ों रुपए की ग्रांट आखिर कहां गायब हो जाती है, इसका कोई अतापता नहीं रहता। तंत्र और नेताओं की मिलीभगत से सहायता के नाम पर बड़े घोटाले किए जाते हैं, जबकि असली हकदार किसान कर्ज के दलदल में दबने को मजबूर हो जाता है। दुखद पहलू यह है कि संकट की इस घड़ी में एक भी विधायक या ज़िम्मेदार नेता किसानों की सुध लेने या उनका दर्द बांटने के लिए आगे नहीं आया। चुनाव नजदीक आते ही जागने वाले नेताओं के खिलाफ चेतावनी चुनाव के दिनों में हाथ जोड़कर वोट मांगने आने वाले राजनीतिक दलों और नेताओं के खिलाफ अब दांतीवा के किसानों ने लाल आंखें कर ली हैं। यदि ऐसा नहीं हुआ, तो किसानों का यह सुलगता हुआ गुस्सा आगामी चुनावों में सत्ता के सिंहासन को हिलाकर रख देगा!

## (मंगलवार) 6 अक्टूबर 2026

**मेष** — कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती है, मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा और आर्थिक स्थिति मजबूत होने के संकेत हैं

**वृषभ** — आज आपकी सूझबूझ कई परेशानियों को दूर करेगी, आर्थिक मामलों में लाभ होगा और जीवनसाथी के साथ संबंध मधुर होंगे

**मिथुन** — रुके हुए काम पूरे होने से मन प्रसन्न रहेगा, परिवार का सहयोग मिलेगा और धन संबंधी मामलों में सावधानी लाभदायक रहेगी

**कर्क** — जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं, लेकिन आपकी मेहनत रंग लाएगी; धन संबंधी फैसले सोच-समझकर लें और स्वास्थ्य पर ध्यान दें

**सिंह** — नई योजना पर काम शुरू करने का अवसर मिलेगा, बातचीत से बिगड़े काम बनेंगे और व्यापार में लाभ की संभावना है

**कन्या** — नए अवसर सामने आएंगे और कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिभा की सराहना होगी, यात्रा की योजना बन सकती है और मन उत्साहित रहेगा

**तुला** — आज भावनाओं में बहने के बजाय समझदारी से निर्णय लें, कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी और परिवार में सुखद माहौल रहेगा

**वृश्चिक** — पुराने विवादों का समाधान निकल सकता है, काम में सफलता मिलेगी और आर्थिक स्थिति बेहतर करने के लिए किए प्रयास सफल होंगे

**धनु** — मेहनत और आत्मविश्वास से महत्वपूर्ण कार्य पूरे होंगे, अधिकारियों का सहयोग मिलेगा और आय के नए रास्ते खुल सकते हैं

**मकर** — दिन की शुरुआत कुछ व्यस्तता के साथ होगी, लेकिन महत्वपूर्ण कार्य समय पर पूरे होंगे; मित्रों और परिवार से सहयोग मिलेगा।

**कुंभ** — नौकरी-व्यवसाय में सकारात्मक बदलाव के संकेत हैं, किसी पुराने परिचित से लाभ मिल सकता है और परिवार में खुशी बनी रहेगी

**मीन** — सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें, करियर में नई संभावना मिल सकती है और अचानक मिलने वाली अच्छी खबर मन को प्रसन्न करेगी

# जब दो दिल करीब आते हैं, तब रिश्ता केवल स्पर्श तक सीमित नहीं रहता...

## प्रेम, विश्वास और सम्मान से मजबूत होता है पति-पत्नी का रिश्ता

दांपत्य जीवन में नज़दीकी को केवल शारीरिक आवश्यकता मान लेना रिश्ते के एक बड़े और महत्वपूर्ण पहलू को नजरअंदाज करना है। पति-पत्नी के बीच वास्तविक आत्मीयता प्रेम, विश्वास, सम्मान, स्वीकार्यता और भावनात्मक जुड़ाव से बनती है। जब दो लोग एक-दूसरे को मन से समझने लगते हैं, तब कई बार बिना कुछ कहे किया गया छोटा-सा स्पर्श भी उन भावनाओं को व्यक्त कर देता है, जिन्हें शब्दों में कहना मुश्किल होता है। शारीरिक नज़दीकी तभी खूबसूरत और सहज बनती है, जब उसके पीछे दोनों की इच्छा, सहमति और एक-दूसरे के प्रति सम्मान हो। केवल क्षणिक आकर्षण किसी रिश्ते को लंबे समय तक खुशहाल नहीं रख सकता। रिश्ते की असली मजबूती तब दिखाई देती है, जब जीवनसाथी एक-दूसरे की भावनाओं, जरूरतों और मन की स्थिति को समझने की कोशिश करते हैं। स्पर्श कुछ पल का होता है, लेकिन उसका एहसास बहुत दूर तक जाता है। शरीर करीब आने से पहले दो दिलों का करीब आना जरूरी है। यही भावनात्मक जुड़ाव दांपत्य रिश्ते को गहराई देता है। कई बार पति-पत्नी एक ही घर में रहते हुए भी भावनात्मक रूप से एक-दूसरे से दूर हो जाते हैं। बातचीत कम होना, छोटी-छोटी बातों पर नाराजगी, लगातार बढ़ता तनाव, अविश्वास या एक-दूसरे के लिए समय नहीं निकाल पाना रिश्ते की गर्माहट को धीरे-धीरे कम कर सकता है। ऐसे में नज़दीकी केवल एकांत के पलों में तलाशने के बजाय रोजमर्रा के व्यवहार में दिखाई देने लगती है।

थके हुए जीवनसाथी से प्यार से पूछना कि दिन कैसा रहा, बिना किसी स्वार्थ के उसकी बात सुनना, मुश्किल समय में उसके साथ खड़ा रहना, उसकी पसंद-नापसंद का सम्मान करना और छोटी-छोटी जरूरतों का ध्यान रखना ऐसे भाव हैं, जो रिश्ते को भीतर से मजबूत बनाते हैं। कई बार साथ बैठकर एक कप चाय पीना, कुछ देर शांत होकर बातचीत करना या बिना किसी खास वजह के मुस्कुरा देना भी रिश्ते में वह अपनापन लौटा सकता है, जिसकी तलाश बड़े-बड़े प्रयासों में की जाती है। सुंदर दांपत्य की पहचान केवल यह नहीं है कि पति-पत्नी एक-दूसरे के कितने करीब हैं, बल्कि यह भी है कि वे एक-दूसरे के सामने कितने सहज हैं। क्या वे अपने डर, परेशानियां, इच्छाएं और कमजोरियां बिना झिझक साझा कर सकते हैं? क्या असहमति के बावजूद एक-दूसरे का सम्मान कायम रहता है? क्या उन्हें यह भरोसा है कि मुश्किल समय में उनका साथी उनका साथ नहीं छोड़ेगा? इन्हीं सवालों के जवाब रिश्ते की वास्तविक गहराई बताते हैं। समय के साथ शरीर बदलता है, आकर्षण का स्वरूप बदलता है और जीवन की प्राथमिकताएं भी बदलती रहती हैं। लेकिन पति-पत्नी के बीच विश्वास और सम्मान कायम रहे तो उम्र के साथ रिश्ता कमजोर होने के बजाय और गहरा हो सकता है। सच्ची आत्मीयता चेहरे या शरीर से नहीं, बल्कि उस एहसास से पैदा होती है, जिसमें व्यक्ति अपने साथी के साथ सुरक्षित, स्वीकार्य और समझा हुआ महसूस करता है। इसलिए दांपत्य में करीब आने की जल्दबाजी से ज्यादा जरूरी है एक-दूसरे को समझने की कोशिश। रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए बड़े वादों से ज्यादा महत्वपूर्ण



रोज निभाई जाने वाली छोटी-छोटी जिम्मेदारियां, बातचीत, सम्मान और परवाह हैं। शरीर की नज़दीकी कुछ पलों की हो सकती है, लेकिन विश्वास और अपनापन ऐसा स्पर्श है, जो उम्रभर रिश्ते को मजबूती देता है।

# नेताओं के खोखले भाषणों और विवादों के ड्रामे से सावधान रहें

## संवैधानिक अधिकार और आपका कीमती 'वोट' ही हमारी असली ताकत है

**अहमदाबाद/गांधीनगर।** रोज़ सुबह उठते ही टीवी स्क्रीन से लेकर सोशल मीडिया तक, नेताओं की बहसें, एक-दूसरे पर कीचड़ उछालने वाले बयान और झूठ की बौछारें देखी जा सकती हैं। इस देश के नेताओं ने धर्म, जाति और राजनीतिक भावनाओं के मामले में लोगों को इमोशनली बेवकूफ बनाकर अपने मतलब की रोटी सेंकने का धंधा शुरू कर दिया है। लेकिन, क्या हमने कभी सोचा है कि इन सब हंगामे और राजनीतिक ड्रामे के पीछे असली शिकार कौन है? असली शिकार तो आम लोगों के संवैधानिक अधिकार हैं! आज 'महानगर मेट्रो न्यूज़ पेपर' के इस खास आर्टिकल में हमें यह समझना होगा कि नेताओं के इन ड्रामों से कहीं ज़्यादा ज़रूरी है हमारे वोट का सही इस्तेमाल। चाहे BJP हो या विपक्ष, किसी को लोगों के अधिकारों की परवाह नहीं है!

आज की कड़वी सच्चाई यह है कि चाहे रूलिंग पार्टी हो या अपोज़िशन पार्टी, किसी को भी आम आदमी के असली मुद्दों जैसे महंगाई, बेरोज़गारी, एजुकेशन या हेल्थ से कोई लेना-देना नहीं है। उन्हें तो बस चुनाव जीतकर सत्ता की कुर्सी हथियाने में दिलचस्पी है। चुनाव आते ही बड़े-बड़े वादों की बारिश हो जाती है और चुनाव खत्म होते ही जनता फिर से भगवान भरोसे हो जाती है! नेता जनता की भावनाओं को कैसे मैनेज करना है, यह अच्छी तरह जानते हैं। यही वजह है कि डेवलपमेंट के मुद्दों पर बात करने के बजाय, वे फालतू के विवाद खड़े करके जनता का ध्यान भटकाते हैं। संविधान ने हमें जो सबसे बड़ी ताकत दी है, वह है 'वोटिंग राइट'। आपका एक वोट अगले पांच साल के लिए राज्य या देश का भविष्य तय करता है। लेकिन दुख की बात यह है कि कई बार हम जाति, धर्म, पार्टी या किसी लालच में आकर अपना कीमती वोट बेच देते हैं या गलत हाथों में सौंप देते हैं। जब आप बिना क्वालिफिकेशन के वोट देते हैं, तो आप अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मारते हैं। वोट का सही और पावरफुल इस्तेमाल कैसे करें? (अपनी ताकत पहचानें)

भविष्य में जब भी चुनाव आएं, तो नागरिक होने के नाते हमें इन सख्त नियमों का पालन करना होगा

व्यक्ति और काम के लिए वोट दें, पार्टी के लिए नहीं: उम्मीदवार कितना काबिल है, जनता के साथ कितना ईमानदार है और उसका अतीत क्या है, यह देखने के बाद ही बटन दबाएं।

सवाल पूछने की हिम्मत रखें: नेताओं से उनके पांच साल के काम का हिसाब मांगें। चुनाव में अपने वादे पूरे न करने वाले नेताओं से सबके सामने सवाल करें।

इमोशनल लालच से बचें: धर्म या जाति के आधार पर इमोशनल होकर वोट देने के बजाय, अपने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य और रोज़गार को ध्यान में रखकर वोट दें।

मतदान के दिन घर से बाहर निकलें: जो लोग वोट देने नहीं जाते, उन्हें सरकार की आलोचना करने का कोई अधिकार नहीं है। सौ प्रतिशत वोटिंग ही लोकतंत्र की सच्ची रक्षा है।

याद रखें, नेता बदलने से सिस्टम नहीं बदलता, लेकिन जब लोग अपनी ताकत पहचानते हैं और सही और सटीक वोट का इस्तेमाल करते हैं, तो बड़े-बड़े सिंहासन हिल जाते हैं। अब इमोशनल पॉलिटिक्स का पूरी तरह से बायकॉट करके अपने अधिकारों की रक्षा करने का समय है!

## क्राइम फ़ाइल

# वड़ोदरा का 'ब्लडी मंडे' और अंडरवर्ल्ड का खेल: जब मुकेश हरजाणी की छाती में उतार दीं गोलियां, लालू सिंधी पर लगे थे गंभीर आरोप!

**वड़ोदरा।** गुजरात के अंधेरे संसार (अंडरवर्ल्ड) में जब भी खूनी इतिहास लिखा जाता है, तब वड़ोदरा के हरणी रोड पर 20 अक्टूबर 2016 की उस कालरात्र को हुई घटना कभी भुलाई नहीं जाती। गुजरात के शराब के सिंडिकेट पर एकछत्र राज करने वाले कुख्यात 'लिकर किंग' मुकेश हरजाणी की फिल्मी अंदाज में हुई हत्या ने पूरे राज्य को हिलाकर रख दिया था। इस हाई-प्रोफाइल मर्डर मिस्ट्री में जब भी कोई बड़ा नाम लिया जाता है, तब सबसे ऊपर जिसका नाम उछलता है, वह है–कुख्यात बुटलेगर लालचंद खनानी उर्फ 'लालू सिंधी'। आखिर कौन था यह लालू सिंधी? मुकेश हरजाणी के साथ उसकी दुश्मनी की आग कितनी भीषण थी? और कैसे पूरे गुजरात के क्राइम सर्कल्स में हड़कंप मच गया था? आइए जानते हैं इस खूनी कहानी की एक-एक बात।

1. कौन था मुकेश हरजाणी? - जिसका नाम सुनकर पुलिस भी थर-थर कांपती थी

मुकेश हरजाणी कोई आम अपराधी नहीं था। वह गुजरात, मध्य प्रदेश और उत्तर प्रदेश तक फैले आपराधिक साम्राज्य का बेताज बादशाह था। उसके खिलाफ हत्या, जान से मारने की धमकियां, फिरौती, अपहरण और प्रोहिबिशन (शराबबंदी) के 31 से अधिक गंभीर मामले दर्ज थे। गुजरात में शराब के अवैध कारोबार के नेटवर्क में उसका वर्चस्व इतना बड़ा था कि उसे 'लिकर किंग' के रूप में जाना जाता था। हरजाणी इतना चालाक और खतरनाक था कि वह पहले भी कई जानलेवा हमलों से सुरक्षित बच निकला था, लेकिन उसकी यही ताकत ही उसके लिए मौत का कारण बन गई।

2. लालू सिंधी और हरजाणी के बीच वर्चस्व की खतरनाक जंग

वड़ोदरा और आसपास के इलाके में शराब के धंधे पर किसका राज रहेगा? इस सवाल ने गुजरात के अंडरवर्ल्ड में दो बड़े दिग्गजों (मुकेश हरजाणी और लालू सिंधी) के बीच खूनी टक्कर करवा दी थी।

पुलिस रिकॉर्ड और जांच के अनुसार, मुकेश हरजाणी और लालू सिंधी के बीच पहले मित्रता थी, लेकिन बाद में व्यावसायिक प्रतिद्वंद्विता, करोड़ों रुपए की कमाई और गैंग के वर्चस्व के कारण ये रिश्ते दुश्मनी में बदल गए।

दोनों एक-दूसरे के खून के प्यासे बन चुके थे। अंडरवर्ल्ड में ऐसी चर्चाएं जोर-शोर से थीं कि अगर गुजरात में टिकना है, तो इनमें से किसी एक को रास्ते से हटना होगा।

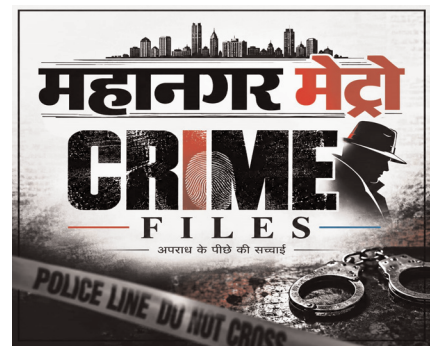
3. वह रातः जब हरणी रोड पर गूंजे गोलियों की आवाजें

20 अक्टूबर 2016 की उस रात मुकेश हरजाणी अपनी कार में वड़ोदरा के हरणी इलाके से गुजर रहा था। उसे जरा भी अंदाजा नहीं था कि मौत उसके पीछे ही पड़ी है। अचानक ही एक खतरनाक साजिश के तहत हमलावरों ने उसकी कार को घेर लिया और नजदीक से ताबड़तोड़ 8 से 9 राउंड फायरिंग शुरू कर दी। गोलियां सीधे हरजाणी के सिर और छाती में जा लगीं। खून से लथपथ हरजाणी की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गई। हमलावर अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए। इस हत्या ने साबित कर दिया कि गुजरात के क्राइम सिंडिकेट में सत्ता बदलने के लिए खूनी खेल खेला जा चुका है।

4. लालू सिंधी का नाम सामने आते ही मचा कोहराम

हत्या के बाद वड़ोदरा क्राइम ब्रांच ने इस मामले की जांच शुरू की, तो एक के बाद एक कड़ियां जुड़ती गई और सीधी उंगली लालू सिंधी की तरफ उठी। पुलिस की जांच में यह खुलासा हुआ कि मुकेश हरजाणी के खात्मे के पीछे लालू सिंधी और उसके सिंडिकेट का हाथ हो सकता है। इस खुलासे के बाद वड़ोदरा पुलिस में भगदड़ मच गई थी। लालू सिंधी पुलिस की गिरफ्त से बचने के लिए भूमिगत हो गया था। लंबी भागदौड़ के बाद पुलिस ने लालू सिंधी सहित कुल 11 शख्सों को गिरफ्तार किया था और इस मामले को गैंगवार से जोड़ा था।

5. कानून की आंखें और चौंकाने वाला अदालती फैसला इस हाई-प्रोफाइल मर्डर केस की सुनवाई लंबे समय तक अदालत में चली। पुलिस द्वारा लालू सिंधी और उसके साथियों के खिलाफ सबूत पेश किए गए, लेकिन सितंबर




2019 में वड़ोदरा की सेशन कोर्ट ने ऐसा फैसला सुनाया जिसने सबको चौंका दिया। कोर्ट ने कानूनी खामियों (छुटपुट कमजोरियों) और पर्याप्त एवं मजबूत सबूतों के अभाव में लालचंद उर्फ लालू सिंधी सहित सभी 11 आरोपियों को निर्दोष करार देते हुए बरी कर दिया। अकोर्ट के इस फैसले से भले ही कानूनी रूप से आरोपी छूट गए हों, लेकिन वड़ोदरा की गलियों और क्राइम हिस्ट्री के पन्नों में यह हत्याकांड और लालू सिंधी का नाम हमेशा के लिए एक रहस्य और डर बनकर रह गया है।

क्या लालू सिंधी और मुकेश हरजाणी के बीच की इस दुश्मनी का अंत वाकई कानून लेकर आया या फिर अंडरवर्ल्ड के परदे के पीछे अभी भी कुछ बाकी है? यह सवाल आज भी वड़ोदरा के कोने-कोने में चर्चा का विषय बना रहता है।

# जूनागढ़ में विवादित 'ट्रेनिंग जिहाद' पकड़ा गया: सिर्फ़ हिंदू लड़कियों को फ़्री फ़िज़िकल ट्रेनिंग देने की साज़िश के ख़िलाफ़ शहर में भारी गुस्सा

## सिर्फ़ बेटियों को ट्रेनिंग देने के पीछे क्या छिपा एजेंडा है? क्या प्रशासन सो रहा है या जानबूझकर अनजान है?

**जूनागढ़।** गुजरात के पवित्र और धार्मिक शहर जूनागढ़ से एक बहुत ही सेंसिटिव, चौंकाने वाली और गंभीर रूप से चिंताजनक जानकारी सामने आई है। पिछले कुछ समय से जूनागढ़ शहर में एक नया और विवादित टॉपिक चर्चा के सेंटर में आ गया है, जिसे स्थानीय लोग और जागरूक नागरिक 'ट्रेनिंग जिहाद' कह रहे हैं। पुलिस डिपार्टमेंट, फ़ॉरेस्ट डिपार्टमेंट या दूसरे एग्ज़ाम जैसी सरकारी नौकरियों की भर्तियों में पास कराने के नाम पर सिर्फ़ हिंदू लड़कियों को फ़्री फ़िज़िकल ट्रेनिंग देने का एक बड़ा कैंपेन चल रहा है, जिससे अब पूरे इलाके में हलचल मच गई है।

सिर्फ़ हिंदू लड़कियां ही क्यों? लड़कों को क्यों बाहर रखा गया है?

इस पूरे मामले में सबसे बड़ा और चौंकाने वाला सवाल यह है कि जब ग्राउंड या फिजिकल ट्रेनिंग देनी ही है, तो सिर्फ हिंदू लड़कियों को ही क्यों टारगेट किया जा रहा है? अगर यह एक नॉर्मल सोशल या एजुकेशनल एक्टिविटी है, तो इसमें लड़कों के लिए जगह क्यों नहीं है? एक खास व्यक्ति द्वारा जानबूझकर चलाई जा रही इस एक्टिविटी में सिर्फ हिंदू लड़कियों को फ्री ट्रेनिंग देने के पीछे असली मकसद क्या हो सकता है? क्या इन लड़कियों की सिक्योरिटी और भविष्य से छेड़छाड़ करने की कोई सोची-समझी साजिश तो नहीं है? ऐसे कई सवाल आज हर जागरूक नागरिक के मन में उठ रहे हैं।

सामाजिक असंतुलन और सिक्योरिटी को खतरा

ऐसे गंभीर मुद्दों पर पहले भी कई बार सामाजिक संगठनों ने चिंता जताई है। शक बढ़ रहा है कि यह लड़कियों को सरकारी नौकरी का सपना दिखाकर या फ्री ट्रेनिंग का लालच देकर किसी खास सोच या जाल में फंसाने की कोशिश तो नहीं है। अगर इस मामले में समय रहते सही एक्शन नहीं लिया गया, तो आने वाले समय में सोशल टेंशन और गंभीर स्थिति पैदा हो सकती है। सरकार और प्रशासन से ज़ोरदार आवाज़: तुरंत जांच की मांग जागरूक नागरिकों और हिंदू संगठनों ने गुजरात सरकार, गृह विभाग और स्थानीय प्रशासन से ज़ोरदार मांग की है कि इस मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत हाई-लेवल जांच की जाए।

यह मुफ़्त ट्रेनिंग देने वाला खास व्यक्ति कौन है और इसके पीछे कौन से संगठन या फंडिंग सोर्स काम कर रहे हैं? इसकी गहराई से जांच होनी चाहिए।

सरकारी भर्ती के नाम पर इस काम में कौन से छिपे हुए मकसद काम कर रहे हैं, यह सामने आना ज़रूरी है।

सरकार और खुफिया एजेंसियों को इस मामले को हल्के में न लेते हुए तुरंत एक्शन मोड में आना होगा, ताकि हमारी बेटियों की सुरक्षा और सामाजिक ढांचा बना रहे।

## पहले खुद को गंभीर चोट पहुंचाई, फिर चौथी मंजिल की ओर गया दीपक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**मथुरा।** वृंदावन स्थित गुरु कृपा कुंज आश्रम में रसिक दुलारी शरण उर्फ दीपक लोधी की मौत के मामले में नया सीसीटीवी फुटेज सामने आया है।



फुटेज में दीपक कथित तौर पर खुद को गंभीर चोट पहुंचाने के बाद सीढ़ियों से ऊपर की ओर जाता दिखाई दे रहा है। दावा है कि इसके कुछ समय बाद वह चौथी मंजिल से नीचे गिर गया। हालांकि, सामने आए फुटेज और इससे जुड़े दावों की स्वतंत्र पुष्टि अभी नहीं हुई है। पूरे घटनाक्रम की वास्तविक स्थिति पुलिस जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी। बताया जा रहा है कि घटना से पहले दीपक ने खुद को गंभीर चोट पहुंचाई थी। इसके बाद सीसीटीवी फुटेज में वह आश्रम की सीढ़ियों से ऊपर जाता दिखाई देता है। इसी आधार पर उसके चौथी मंजिल तक पहुंचने और वहां से नीचे गिरने की बात कही जा रही है। पुलिस अब सीसीटीवी फुटेज समेत घटना से जुड़े अन्य साक्ष्यों की जांच कर रही है। दीपक की मौत के बाद परिवार और उसके करीबियों की ओर से घटना की निष्पक्ष जांच की मांग की जा रही है। आश्रम के बाहर भी लोगों में नाराजगी देखने को मिली है। मामले को लेकर यह सवाल लगातार उठ रहा है कि दीपक ने खुद को चोट पहुंचाने जैसा कदम क्यों उठाया और इसके बाद वह चौथी मंजिल तक कैसे पहुंचा। इस बीच राधा केलि कुंज ट्रस्ट की ओर से घटना के करीब 9 दिन बाद सोशल मीडिया पर अपील जारी की गई है। ट्रस्ट ने मृतक के परिवार के प्रति संवेदना जताते हुए कहा है कि घटना से आश्रम प्रबंधन और संत समाज आहत है। ट्रस्ट ने पुलिस प्रशासन के साथ निष्पक्ष और तथ्यात्मक जांच में पूरा सहयोग करने की बात कही है। ट्रस्ट ने श्रद्धालुओं और आम लोगों से अपुष्ट जानकारी, अफवाहों और अनुमानों के आधार पर आश्रम या महाराज की छवि को नुकसान पहुंचाने वाला प्रचार नहीं करने की अपील की है। ट्रस्ट का कहना है कि पुलिस जांच के बाद ही घटना के वास्तविक तथ्य सामने आएंगे। नए सीसीटीवी फुटेज के सामने आने के बाद मामले से जुड़े कई सवाल अभी भी अनुत्तरित हैं।

## गाजियाबाद में रावण का पुतला बनाते समय तेज धमाका, 5 घायल; 2 की हालत गंभीर

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**गाजियाबाद।** साहिबाबाद के लाजपत नगर स्थित शनि चौक पर सोमवार सुबह दशहरा पर दहन के लिए रावण का पुतला तैयार करने के दौरान अचानक तेज धमाका हो गया। हादसे में पुतला निर्माण स्थल पर मौजूद 5 लोग घायल हो गए। धमाके के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां 2 की गंभीर हालत को देखते हुए उन्हें दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया गया।



जानकारी के अनुसार, शनि चौक के पास रावण का पुतला तैयार किया जा रहा था। इसी दौरान निर्माण स्थल पर मौजूद सामग्री में अचानक विस्फोट हो गया। धमाका इतना तेज था कि निर्माण स्थल की एक दीवार भी ढह गई। तेज आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और मलबे से घायलों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाने में मदद की। घटना की सूचना मिलते ही साहिबाबाद पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने घटनास्थल को अपने कब्जे में लेकर वहां मौजूद सामग्री की जांच शुरू कर दी। आसपास के लोगों से भी घटना के संबंध में जानकारी ली जा रही है। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि विस्फोट किस सामग्री में हुआ और निर्माण स्थल पर वह सामग्री किस उद्देश्य से रखी गई थी। फिलहाल धमाके की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। पुलिस की जांच के बाद ही विस्फोट के कारणों का पता चल सकेगा। एसीपी साहिबाबाद अमित सक्सेना ने बताया कि लाजपत नगर में रावण का पुतला तैयार करने के दौरान धमाका हुआ है।

## 48 घंटे में एक ही परिवार में 3 मौतें, एक साथ उठीं तीन अर्थियां



महानगर मेट्रो ब्यूरो

**देवरिया।** एक परिवार में जिस घर से सैनिक के अंतिम संस्कार की तैयारी हो रही थी, वहां 48 घंटे के भीतर 3 अपनों की मौत से मातम छा गया। देवरिया के रुद्रपुर क्षेत्र के गहिला-दुधैला गांव निवासी सेना के सूबेदार मेजर सत्यवान सिंह की चंडीगढ़ में बीमारी के दौरान मौत हो गई थी। उनका पार्थिव शरीर लेकर बड़े भाई रामसमुझ सिंह और 18 वर्षीय बेटा गौरव सिंह एंबुलेंस से गांव लौट रहे थे। सुल्तानपुर में पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर एंबुलेंस हादसे का शिकार हो गई। हादसे में रामसमुझ और गौरव के साथ एंबुलेंस में सवार राजन चौधरी और चालक जसपाल की भी मौत हो गई। सत्यवान सिंह करीब 50 वर्ष के थे और भारतीय थल सेना में सूबेदार मेजर के पद पर तैनात थे। वह किडनी की बीमारी से पीड़ित थे और चंडीगढ़ के पंचकूला में उनका इलाज चल रहा था। परिवार को उम्मीद थी कि इलाज के बाद उनकी हालत में सुधार होगा, लेकिन शनिवार को उनकी मौत हो गई। इसके बाद बड़े भाई रामसमुझ सिंह अपने छोटे भाई का पार्थिव शरीर लेकर गांव लौटने के लिए एंबुलेंस में सवार हुए। उनके साथ सत्यवान का 18 वर्षीय बेटा गौरव भी था। रामसमुझ और सत्यवान स्वर्गीय जयसिंह के बेटे थे। रामसमुझ डाक विभाग में पोस्टमास्टर रहे थे, जबकि सत्यवान सेना में सेवा दे रहे थे। परिवार के लोगों के मुताबिक दोनों भाइयों के बीच गहरा लगाव था। छोटे भाई की मौत की खबर मिलने के बाद रामसमुझ खुद चंडीगढ़ पहुंचे और अंतिम सफर में उसके साथ रहे। किसी को अंदाजा नहीं था कि यह यात्रा परिवार के लिए इतनी बड़ी त्रासदी में बदल जाएगी। एंबुलेंस में सत्यवान का पार्थिव शरीर रखा था और उनके बड़े भाई तथा बेटा साथ थे। परिवार के लोग लगातार फोन पर एंबुलेंस की लोकेशन की जानकारी ले रहे थे और गांव में उनके पहुंचने का इंतजार किया जा रहा था। लेकिन सुल्तानपुर में हुए हादसे के बाद यह इंतजार मातम में बदल गया। हादसे की सूचना मिलने के बाद जैसे-जैसे मौतों की जानकारी सामने आई, परिवार और गांव में शोक की लहर फैल गई। एक तरफ सत्यवान सिंह की मौत का दुख था, तो दूसरी तरफ उनके 18 वर्षीय बेटे गौरव और बड़े भाई रामसमुझ की मौत की खबर ने पूरे परिवार को तोड़ दिया। रामसमुझ की पत्नी शीला देवी को जब पति की मौत की जानकारी मिली तो वह बेसुध हो गईं। उनके तीन बेटे विवेक, विकास और विनीत के सिर से पिता का साया उठ गया। वहीं सत्यवान के परिवार में पिता के बाद बेटे गौरव की मौत ने दुख को और गहरा कर दिया। सोमवार सुबह जब शव गांव पहुंचे तो बड़ी संख्या में ग्रामीण अंतिम दर्शन के लिए जुट गए। एक ही परिवार से 3 अर्थियां उठने का दृश्य देखकर हर आंख नम थी। सत्यवान सिंह को सैन्य सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी गई।

# कुकर में नोट्स, बाल्टी में किताबें, गद्दा लेकर कॉलेज पहुंचे स्टूडेंट्स, VIT में नो बैग डे का अनोखा नजारा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**भोपाल।** आम दिनों में कंधे पर बैग टांगे कॉलेज पहुंचने वाले छात्रों का अंदाज एक दिन के लिए पूरी तरह बदल गया। मौका था VIT भोपाल कैंपस में आयोजित 'नो बैग डे' का, जहां छात्रों ने इंटरनेट पर लोकप्रिय 'एनीथिंग बट ए बैग' ट्रेंड को अपने अंदाज में अपनाया। इस दौरान किताबें और नोट्स लेकर पहुंचने के लिए छात्रों ने पारंपरिक बैग की जगह ऐसे-ऐसे सामान का इस्तेमाल किया कि कैंपस में हर किसी की नजर उन पर टिक गई। किसी छात्र ने प्रेशर कुकर को ही अपना बैग बना लिया तो कोई बाल्टी में किताबें और मोबाइल लेकर क्लास पहुंच गया। कुछ छात्रों ने बेल्ट और दूसरे घरेलू सामान को कैरी करने के लिए इस्तेमाल किया। छात्रों ने अपनी सुविधा के साथ-साथ रचनात्मकता का भी खूब



इस्तेमाल किया। कैंपस में कुछ छात्रों के गद्दा लेकर पहुंचने की तस्वीरों और वीडियो ने भी लोगों का ध्यान खींचा। वहीं आइसक्रीम के ठेले जैसे अनोखे सामान का इस्तेमाल भी चर्चा का विषय बना रहा। आमतौर पर क्लास में जाने की जल्दी में नजर आने वाले छात्रों का यह अंदाज देखकर साथी छात्र और शिक्षक भी मुस्कुराते नजर आए। कॉरिडोर से लेकर क्लासरूम तक कहीं बाल्टी में किताबें दिखाई दीं तो कहीं घरेलू सामान को बैग की तरह इस्तेमाल करते छात्र नजर आए। छात्रों ने इस दिन को पढ़ाई के तनाव से अलग हटकर मौज-मस्ती और रचनात्मकता के साथ बिताया। यूनिवर्सिटी के पीआरओ पुष्पकांत जैन ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य छात्रों को एक दिन के लिए पढ़ाई के तनाव से ब्रेक देना था। उन्होंने कहा कि छात्रों ने 'नो बैग डे' का भरपूर आनंद लिया। इस दौरान छात्रों को अपनी रचनात्मकता और तात्कालिक सोच दिखाने का मौका भी मिला। बिना किसी विशेष संसाधन के रोजमर्रा की चीजों को सामान रखने के लिए इस्तेमाल करना इसी रचनात्मकता का हिस्सा रहा। कैंपस में आयोजित इस गतिविधि ने छात्रों को इंजीनियरिंग और पढ़ाई के सामान्य माहौल से अलग एक हल्का-फुल्का अनुभव दिया। किसी ने घर में इस्तेमाल होने वाले सामान को बैग का विकल्प बनाया तो किसी ने अपने तरीके से ऐसा कैरियर तैयार किया, जिसे देखकर आसपास मौजूद लोग भी हंसने लगे। छात्रों के लिए यह सिर्फ एक गतिविधि नहीं बल्कि कॉलेज लाइफ की यादगार मस्ती का हिस्सा बन गई। नो बैग डे के दौरान बनाए गए कई वीडियो और रील्स सोशल मीडिया पर भी शेयर किए गए। इनमें छात्र अपने अनोखे 'बैग' के साथ कैंपस में घूमते और क्लास में पहुंचते दिखाई दिए। सोशल मीडिया यूजर्स ने भी छात्रों के देसी जुगाड़ पर खूब प्रतिक्रियाएं दीं। किसी ने कुकर में किताबें रखने पर मजाक किया तो किसी ने बाल्टी को नया बैग बता दिया। इस पूरे आयोजन में खास बात यह रही कि छात्रों ने रोजमर्रा की चीजों को नए तरीके से इस्तेमाल करने का तरीका दिखाया।

# लखनऊ में गोमती का कहर: हनुमान जी के चरणों तक पहुंचा बाढ़ का पानी, नाव पर उतरे डीएम-ज्वाइंट सीपी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**लखनऊ।** गोमती नदी का जलस्तर बढ़ने से शहर के निचले इलाकों में बाढ़ जैसे हालात बन गए हैं। नदी का पानी हनुमान मंदिर परिसर तक पहुंच गया है। हनुमान मंदिर के मुख्य पुरोहित विनोद तांगड़ी के मुताबिक, पानी हनुमान जी के चरणों तक पहुंच गया है। जलस्तर और बढ़ने की स्थिति में मंदिर की परंपरा के अनुसार बाहर से ही पूजा-अर्चना और आरती करने की व्यवस्था की जाती है। फैजुल्लागंज से लेकर बीकेटी के ग्रामीण इलाकों तक कई जगह पानी भरने से लोगों की आवाजाही प्रभावित हुई है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए जिला प्रशासन ने राहत और बचाव अभियान तेज कर दिया है। जिलाधिकारी विशाख जी और संयुक्त पुलिस आयुक्त बबलू कुमार ने रविवार को प्रभावित इलाकों का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने कुछ स्थानों पर सड़क से और जलभराव वाले हिस्सों में नाव के जरिए पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने स्थानीय लोगों से बातचीत कर राहत व्यवस्था की जानकारी ली और अधिकारियों को प्रभावित परिवारों तक जल्द सहायता पहुंचाने के निर्देश दिए। जानकारी के अनुसार, गोमती का जलस्तर 108.14 मीटर तक पहुंच गया है, जिसे सामान्य स्तर से करीब 8 फीट अधिक बताया जा रहा है। नदी से सटे निचले इलाकों में निगरानी बढ़ा दी गई है। फैजुल्लागंज में नगर निगम की टीमें जलनिकासी



के लिए पंपसेट लगा रही हैं। इसके साथ ही साफ-सफाई और फॉगिंग का काम भी कराया जा रहा है। प्रभावित बस्तियों में राहत सामग्री पहुंचाने के लिए नावों का इस्तेमाल किया जा रहा है। प्रशासन ने गर्भवती महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को प्राथमिकता के आधार पर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने के निर्देश दिए हैं। ग्राम सैथा में निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने संवेदनशील परिवारों की जानकारी जुटाकर उन्हें जरूरत पड़ने पर तत्काल सुरक्षित स्थानों पर ले जाने को कहा। प्रभावित क्षेत्रों के लिए 10 नावों की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। राहत शिविरों में भोजन और जरूरी सुविधाओं की व्यवस्था की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग को पर्याप्त दवाएं और मेडिकल किट तैयार रखने के साथ जरूरत पड़ने पर मेडिकल टीमें भेजने के निर्देश दिए गए हैं। बाढ़ के कारण प्रभावित परिवारों के पशुओं के लिए भी भूसा और चारे की व्यवस्था की जा रही है। ग्रामीण इलाकों में नावों के जरिए राहत सामग्री पहुंचाई जा रही है। बख्शी का तालाब तहसील के लासा, बहादुरपुर, सुल्तानपुर और अकड़िया मऊ समेत कई गांवों में पानी का असर बना हुआ है। कुछ स्थानों पर जलस्तर में मामूली गिरावट की जानकारी है, लेकिन ग्रामीणों की मुश्किलें अभी बनी हुई हैं। रात के समय निगरानी और राहत कार्यों को प्रभावी बनाए रखने के लिए दाऊद नगर में अतिरिक्त कंट्रोल रूम स्थापित करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रभावित इलाकों में रात्रिकालीन पुलिस गश्त बढ़ाई जा रही है। प्रशासन ने राजस्व, स्वास्थ्य, नगर निगम, पुलिस और पशुपालन विभाग की टीमों को अलर्ट पर रखा है, ताकि जलस्तर बढ़ने की स्थिति में तत्काल राहत और बचाव अभियान चलाया जा सके। जलभराव के बाद मच्छरों और जलजनित बीमारियों का खतरा भी बढ़ गया है। इसे देखते हुए फैजुल्लागंज में फॉगिंग के साथ एंटी-लार्वा का छिड़काव कराया जा रहा है। जिन स्थानों पर कर्मचारी सीधे नहीं पहुंच पा रहे हैं, वहां ड्रोन के जरिए दवा का छिड़काव किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से मेडिकल किट और क्लोरीन की गोलियां भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। गोमती का पानी हनुमत धाम, प्राचीन शनि देव मंदिर और लक्ष्मण मेला मैदान के आसपास भी पहुंच गया है। एहतियात के तौर पर गोमती रिवरफ्रंट स्थित फूड वैली को अस्थायी रूप से बंद किया गया है। प्रशासन ने लोगों से जलभराव वाले क्षेत्रों में अनावश्यक रूप से जाने से बचने की अपील की है।

## माता-पिता से झगड़े के बाद दादा के घर पहुंची पोती, हत्या का आरोप

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**इंदौर।** मध्य प्रदेश के इंदौर में 20 वर्षीय युवती पर अपने 75 वर्षीय दादा की बैट से हमला कर हत्या करने का आरोप लगा है। पुलिस के मुताबिक, युवती का रात में देर से घर लौटने को लेकर माता-पिता से विवाद हुआ था। इसके बाद वह देर रात बुलेट लेकर स्कीम नंबर 51 स्थित दादा-दादी के घर पहुंची और बुजुर्ग पर बैट से हमला कर दिया। परिजन उन्हें अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस के अनुसार, घटना रात करीब 3 बजे एरोड्रम क्षेत्र में हुई। युवती कथित तौर पर अपने साथ बैट लेकर दादा के घर पहुंची थी। वहां उसने बुजुर्ग के सिर और चेहरे पर कई वार किए। घटना के बाद परिजन उन्हें अस्पताल ले गए, लेकिन उनकी जान नहीं बच सकी। पुलिस ने युवती को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस पूछताछ में युवती ने आरोप लगाया कि जब वह नाबालिग थी, तब वह अपने माता-पिता और दादा-दादी के साथ एक ही घर में रहती थी। युवती का दावा है कि उस दौरान दादा ने उसके साथ कई बार गलत हरकत की थी। उसने यह भी आरोप लगाया कि इन घटनाओं के बाद उसके माता-पिता ने अलग घर ले लिया था। बताया गया कि घटना से पहले युवती देर रात घर लौटी थी। इसको लेकर माता-पिता ने उससे नाराजगी जताई और कहा कि इतनी देर से घर लौटने पर उसके साथ कोई अनहोनी हो सकती है। इसी बात को लेकर विवाद बढ़ गया। युवती ने कथित तौर पर पुराने घटनाक्रम का जिक्र करते हुए माता-पिता से सवाल किया कि जब दादा ने उसके साथ गलत किया था, तब वे चुप क्यों रहे। इसके बाद वह घर से निकल गई और कुछ देर बाद दादा-दादी के घर पहुंची। पुलिस का कहना है कि इसी दौरान उसने बुजुर्ग पर बैट से हमला कर दिया। घटना के बाद परिवार में हड़कंप मच गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की और युवती को हिरासत में ले लिया। पुलिस अब युवती द्वारा लगाए गए पुराने आरोपों की भी जांच कर रही है।



# तो उसका हाथ काटकर फेंक दो जमानत मैं दिलवा दूंगा सुल्तानपुर में मंत्री संजय निषाद का विवादित बयान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**सुल्तानपुर।** उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री और निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद ने रविवार को सुल्तानपुर के कूरेभार क्षेत्र स्थित पटना चौराहे पर आयोजित जनसभा को संबोधित किया। जनसभा के दौरान उन्होंने समर्थकों को संबोधित करते हुए ऐसा बयान दिया, जिसे लेकर अब राजनीतिक हलकों में चर्चा शुरू हो गई है। मंच से बोलते हुए संजय निषाद ने कहा कि अगर कोई उनके समाज के व्यक्ति पर हाथ उठाता है तो उसका हाथ तोड़कर-काटकर फेंक दो, जमानत वह खुद कराने की बात कही। मंत्री के इस बयान का वीडियो सामने आने के बाद मामला सुर्खियों में है। जनसभा में संजय निषाद ने कहा कि समाज के लोगों को अपने सम्मान और अधिकारों के लिए एकजुट रहना होगा। उन्होंने अपने समर्थकों को संबोधित करते हुए कहा कि यदि कोई व्यक्ति उनके ऊपर हाथ उठाता है तो उसका जवाब दिया जाना चाहिए। इसी दौरान उन्होंने कथित तौर पर हाथ तोड़ने और काटकर फेंकने की बात कही तथा जमानत कराने का भरोसा भी दिलाया। सार्वजनिक मंच से दिए गए इस बयान को लेकर अब सवाल उठ रहे हैं कि एक मंत्री द्वारा समर्थकों को इस तरह की



भाषा में संबोधित करने का क्या असर पड़ सकता है। अपने भाषण में संजय निषाद ने समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी पर भी निशाना साधा। उन्होंने नौकरियों और राजनीतिक प्रतिनिधित्व का मुद्दा उठाते हुए कहा कि निषाद समाज लंबे समय से दूसरे राजनीतिक दलों के साथ जुड़ा रहा, लेकिन इसके बावजूद समाज के युवाओं को अपेक्षित अवसर नहीं मिले। उन्होंने अपने समर्थकों से निषाद पार्टी को मजबूत करने और संगठन के साथ मजबूती से खड़े रहने की अपील की। उन्होंने समर्थकों से कहा कि निषाद पार्टी का झंडा घर-घर फहराया जाना चाहिए। उनके अनुसार यह झंडा समाज के बच्चों के भविष्य, शिक्षा, सम्मान और सुरक्षा से जुड़ा हुआ है। उन्होंने लोगों से 'जय निषाद राज' का झंडा उठाने की अपील करते हुए कहा कि समाज को अपने राजनीतिक और सामाजिक अधिकारों को लेकर जागरूक होना होगा। जनसभा में उन्होंने दूसरी पार्टियों के झंडों को लेकर भी टिप्पणी की। उन्होंने समर्थकों से कहा कि यदि किसी दूसरे राजनीतिक दल का नेता उनके मोहल्ले में झंडा लेकर आता है तो उसका स्वागत करने के बजाय उसे वहां से भगाया जाए। उन्होंने आरोप लगाया कि जब तक निषाद समाज दूसरे दलों के झंडे उठाता रहा, तब तक समाज का शोषण होता रहा। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि समाज के युवाओं को मिलने वाली नौकरियों का लाभ दूसरों को मिलता रहा। ये आरोप संजय निषाद ने अपने राजनीतिक संबोधन के दौरान लगाए। संजय निषाद ने हाल में गोरखपुर में निषाद समाज के एक व्यक्ति के साथ कथित मारपीट और अभद्रता से जुड़े वीडियो का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि सामंती सोच रखने वाले लोग समाज के लोगों के साथ अत्याचार कर रहे हैं। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि वह समाज के सम्मान के लिए हमेशा आगे खड़े रहेंगे। उन्होंने ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कही और कहा कि गुंडागर्दी करने वालों की जगह जेल में होनी चाहिए। मंत्री ने अयोध्या से जुड़ी एक घटना का भी उल्लेख किया

## नवजात बच्ची की मौत पर अस्पताल में हड़कंप, पोस्टमार्टम में गला दबाने की पुष्टि

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अशोकनगर।** जिला अस्पताल के एसएनसीयू वार्ड में एक दिन की नवजात बच्ची की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में बच्ची के गले पर दबाव के निशान मिलने और गला दबाए जाने की पुष्टि होने के बाद पुलिस ने हत्या के एंगल से जांच शुरू कर दी है। घटना के बाद अस्पताल में हड़कंप मच गया। चंदेरी के सकरा गांव निवासी भावना ने देर रात बच्ची को जन्म दिया था। जन्म के बाद बच्ची को निगरानी के लिए एसएनसीयू वार्ड में भर्ती किया गया था। शनिवार दोपहर उसकी हालत बिगड़ने पर डॉक्टरों ने जांच की, लेकिन उसे मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों को बच्ची के गले पर निशान मिले थे, जिसके बाद मामले की जानकारी पुलिस को दी गई और शव का पोस्टमार्टम कराया गया। सिविल सर्जन डॉ. बीएल टैगोर के अनुसार, मां ने बताया कि उसने बच्ची को दूध पिलाया था। इसके कुछ देर बाद बच्ची अचेत अवस्था में मिली। डॉक्टरों की जांच के दौरान उसके गले पर दबाव के निशान पाए गए। पोस्टमार्टम में भी गला दबाए जाने की पुष्टि हुई है।



# मां ने तरस खाकर रस्सी खोली, आजाद होते ही मचा दिया कत्लेआम; 4 घंटे तक घर में चलता रहा खूनी खेल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अनूपपुर।** मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले के अमोडा गांव में शनिवार रात से रविवार सुबह तक ऐसा घटनाक्रम हुआ, जिसने पूरे इलाके को दहला दिया। पुलिस के अनुसार, उमरिया निवासी प्रेम सिंह ने करीब 4 घंटे के दौरान लाठी और पत्थरों से कई लोगों पर हमला किया। इस हमले में उसकी मां अनुप्रिया बाई, नाना संपत सिंह, नानी भन्नी बाई और 5 साल की ममेरी बहन मोनिका की मौत हो गई। आरोपी ने इससे पहले गांव के पास स्थित शनि मंदिर के पुजारी पर भी हमला किया था। घटना में कई अन्य लोग घायल हुए हैं। पुलिस ने आरोपी को हिरासत में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है। एसपी विक्रांत मुराब के अनुसार, पूरा मामला करनपाथर थाना क्षेत्र का है। घटना तड़के करीब 2 बजे से सुबह 5:30 बजे के बीच की बताई जा रही है। पुलिस के मुताबिक, आरोपी का व्यवहार पहले से हिंसक रहा है। शनिवार रात उसने सबसे पहले गांव के पास स्थित शनि मंदिर के पुजारी गंगाराम पर




लाठी से हमला कर दिया। हमले में पुजारी गंभीर रूप से घायल होकर मौके पर बेहोश हो गए। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है और परिजन उन्हें इलाज के लिए जबलपुर के निजी अस्पताल ले गए। पुजारी पर हमले की जानकारी मिलते ही आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे। ग्रामीणों ने आरोपी को काबू में कर लिया और उसे एक स्थान पर रस्सी से बांध दिया। उस समय लोगों को लगा कि आरोपी को रोक लिया गया है और अब स्थिति नियंत्रण में है। लेकिन कुछ देर बाद घटनाक्रम ने ऐसा मोड़ लिया, जिसने पूरे परिवार को तबाह कर दिया। पुलिस के अनुसार, तड़के करीब 4 बजे आरोपी की मां अनुप्रिया बाई ने बेटे को रस्सी से खोल दिया। बताया जा रहा है कि मां ने बेटे की हालत देखकर तरस खाया और उसे आजाद कर दिया। रस्सी खुलने के बाद आरोपी सीधे अपने नाना-नानी के घर पहुंच गया। वहां कुछ देर रुकने के बाद उसने अचानक लाठी और पत्थर उठा लिए और घर में मौजूद लोगों पर हमला शुरू कर दिया। आरोप है कि उसने सबसे पहले अपनी नानी भन्नी बाई (70) और नाना संपत सिंह (75) पर हमला किया। इसके बाद उसने अपनी मां अनुप्रिया बाई (50) को भी निशाना बनाया। हमले में तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। इसी दौरान घर में मौजूद 5 साल की ममेरी बहन मोनिका भी हमले की चपेट में आ गई और गंभीर रूप से घायल हो गई। हमले के दौरान घर में मौजूद एक छोटी बच्ची किसी तरह वहां से निकलकर बाहर भागने में कामयाब रही।

## अनूपपुर से गायब 24 ईवीएम का खुलासा, चोरी नहीं हुई थीं

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**अनूपपुर।** जिले में पुराने तहसील कार्यालय के वेयरहाउस से 24 ईवीएम गायब मिलने के बाद दर्ज चोरी की एफआईआर के मामले में बड़ा खुलासा हुआ है। जांच में सामने आया कि ये मशीनें चोरी नहीं हुई थीं, बल्कि करीब 5 साल पहले ही भोपाल भेजी जा चुकी थीं। बाद में इन्हें हैदराबाद स्थित ईसीआईएल कंपनी में नष्ट भी कराया जा चुका है। मामला उस समय सामने आया, जब पुराने तहसील भवन के डिस्मेंटल कार्य के दौरान ईवीएम को शासकीय पॉलीटेक्निक कॉलेज में शिफ्ट किया गया। इसके बाद 24 से 28 सितंबर के बीच भौतिक सत्यापन में 8 बैलेट यूनिट और 16 कंट्रोल यूनिट यानी कुल 24 मशीनें कम मिलीं।



वेयरहाउस की पिछली दीवार भी टूटी मिली, जिसके बाद चोरी की आशंका जताई गई और अनूपपुर कोतवाली में अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई गई। उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अपर कलेक्टर बलवीर रमन ने बताया कि रिकॉर्ड की जांच में पता चला कि तकनीकी रूप से खराब इन मशीनों को 11 अक्टूबर 2021 को तत्कालीन उप जिला निर्वाचन अधिकारी के आदेश पर भोपाल भेजा गया था। भोपाल से इन्हें आगे हैदराबाद स्थित ईसीआईएल कंपनी भेजकर नष्ट कराया जा चुका है। बताया गया कि मशीनों को भेजने और नष्ट कराने की प्रक्रिया पूरी होने के बावजूद निर्वाचन शाखा में उनका ऑनलाइन रिकॉर्ड अपडेट नहीं किया गया।

## दिल्ली में सुबह-सुबह 26 राउंड फायरिंग, एनकाउंटर में 2 बदमाश घायल

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली।** दिल्ली के उस्मानपुर इलाके में सुबह-सुबह पुलिस और 2 आरोपियों के बीच मुठभेड़ हो गई। पुलिस के अनुसार, दोनों तरफ से करीब 26 राउंड फायरिंग हुई।



मुठभेड़ में मोहम्मद कैफ और मोहम्मद जसीम के पैर में गोली लगी, जिसके बाद दोनों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस को सूचना मिली थी कि दोनों आरोपी जंगल वाले रास्ते से उस्मानपुर स्थित अपने घर पहुंचने वाले हैं। इसके बाद नॉर्थ-ईस्ट दिल्ली पुलिस की स्पेशल स्टाफ टीम ने इलाके में घेराबंदी की। पुलिस के मुताबिक, मौके पर पहुंचते ही आरोपियों ने कथित तौर पर टीम पर फायरिंग कर दी, जिसके जवाब में पुलिस ने भी गोली चलाई। मुठभेड़ के दौरान 2 पुलिसकर्मियों की बुलेटप्रूफ जैकेट पर भी गोलियां लगीं, हालांकि दोनों सुरक्षित रहे। पुलिस अब घायल आरोपियों के आपराधिक रिकॉर्ड और अन्य मामलों में उनकी कथित भूमिका की जांच कर रही है।

## ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग पर दिल्ली में संग्राम, बैरिकेड टूटे

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली।** मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर रविवार को दिल्ली में हुए प्रदर्शन के दौरान तनाव की स्थिति बन गई। प्रदर्शनकारियों ने जंतर-मंतर की ओर बढ़ने की कोशिश की और इस दौरान बैरिकेड तोड़ दिए गए। इसके बाद पुलिस ने करीब 110 लोगों को हिरासत में लिया। प्रदर्शन के दौरान दिल्ली पुलिस के करीब 15 जवान भी घायल हुए, जिनका मेडिकल कराया जा रहा है। प्रदर्शन में आम आदमी पार्टी, उसकी छात्र इकाई एएसएपी, एनएसयूआई, आइसा समेत कई संगठनों के कार्यकर्ता शामिल हुए। पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए जंतर-मंतर और आसपास के इलाकों में बैरिकेडिंग की थी। प्रदर्शनकारियों के आगे बढ़ने की कोशिश के बाद स्थिति तनावपूर्ण हो गई। हिरासत में लिए गए लोगों को पुलिस बसों से ले जाने की कोशिश की गई, जिसे रोकने के लिए भी प्रदर्शनकारियों ने प्रयास किया। इसके बाद दिल्ली पुलिस और अर्धसैनिक बलों की तैनाती बढ़ा दी गई। पुलिसकर्मियों को भीड़ को नियंत्रित करने और इलाके में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए लगाया गया। प्रदर्शन के दौरान कई पुलिसकर्मियों के घायल होने की जानकारी सामने आई है। आप ने दावा किया कि दिल्ली इकाई के अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज, विधायक संजीव झा और कुलदीप कुमार समेत पार्टी के कई कार्यकर्ताओं और एएसएपी के वॉलंटियर्स को हिरासत में लिया गया। पार्टी ने पुलिस कार्रवाई पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि उसके नेताओं के साथ हिरासत में लेने के दौरान दुर्व्यवहार किया गया। सौरभ भारद्वाज ने भी पुलिस पर कार्रवाई के दौरान बदसलूकी का आरोप लगाया है। यह प्रदर्शन मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण यानी एसआईआर को लेकर चल रहे विवाद के बीच हुआ। प्रदर्शनकारियों की ओर से चुनाव प्रक्रिया और मतदाता सूची से जुड़े सवाल उठाते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की जा रही है। प्रदर्शन में शामिल संगठनों का कहना है कि मतदाता सूची से जुड़े मामलों पर पारदर्शिता के साथ जवाब दिया जाना चाहिए। आप नेताओं ने कहा कि जब तक ज्ञानेश कुमार को मुख्य चुनाव आयुक्त के पद से हटाया नहीं जाता, तब तक पार्टी अपना आंदोलन जारी रखेगी। विधायक कुलदीप कुमार ने भी आंदोलन जारी रखने की बात कही है। वहीं, भाजपा ने प्रदर्शन को लेकर आप पर निशाना साधा है। भाजपा की ओर से आरोप लगाया गया कि प्रदर्शन के जरिए दिल्ली का राजनीतिक माहौल खराब करने और कानून-व्यवस्था प्रभावित करने की कोशिश की गई। दोनों पक्षों के आरोपों के बीच पुलिस प्रदर्शन के दौरान हुई घटनाओं और घायल जवानों से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही है। इससे पहले भी जंतर-मंतर और आसपास के इलाकों में ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन हो चुके हैं। दिल्ली पुलिस ने इससे जुड़े प्रदर्शनों में कई लोगों को हिरासत में लिया है और कुछ मामलों में प्राथमिकी भी दर्ज की गई हैं।



## पिंक कार्ड को लेकर महिला यात्रियों और कंडक्टर में असमंजस



महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली।** दिल्ली की बसों में महिलाओं के मुफ्त सफर को लेकर लागू नए नियमों के बीच यात्रियों और कंडक्टरों के बीच असमंजस की स्थिति देखने को मिल रही है। रविवार को मधु विहार से महरौली जा रही एक क्लस्टर बस में कई महिला यात्री मुफ्त टिकट को लेकर कंडक्टर से बहस करती नजर आईं। कुछ महिलाओं ने पिंक कार्ड घर भूल जाने की बात कही, तो कुछ ने दिल्ली का जरूरी दस्तावेज नहीं होने का हवाला देते हुए मुफ्त टिकट देने की अपील की। बस में चढ़ते ही महिलाओं ने कंडक्टर से मुफ्त सफर को लेकर सवाल पूछने शुरू कर दिए। एक महिला ने कहा कि उसके पास दिल्ली का आधार कार्ड नहीं है, जबकि दूसरी महिला ने बताया कि वह सिर्फ 2 स्टॉप जा रही है और पिंक कार्ड घर पर भूल आई है। कुछ यात्रियों ने आधे किराए में टिकट देने की मांग भी की। कंडक्टर यात्रियों को समझाते हुए एक-एक कर टिकट जारी कर रहे थे। उनका कहना था कि मुफ्त यात्रा का लाभ लेने के लिए निर्धारित पात्रता और दस्तावेज जरूरी हैं। पिंक कार्ड या आवश्यक दस्तावेज नहीं होने की स्थिति में महिला यात्री को सामान्य प्रक्रिया के तहत टिकट लेना पड़ रहा था। कई बार एक यात्री को समझाने में ज्यादा समय लगने से पीछे खड़े यात्रियों को भी इंतजार करना पड़ा। नई व्यवस्था से उन महिलाओं को भी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है जो दूसरे राज्यों से आकर लंबे समय से दिल्ली में रह रही हैं या यहां काम करती हैं। कई महिलाओं का कहना था कि वे वर्षों से दिल्ली में रह रही हैं, लेकिन उनके पास दिल्ली से जुड़े मांगे जा रहे दस्तावेज नहीं हैं। एनसीआर के शहरों से दिल्ली आकर रहने वाली कुछ महिलाओं ने भी इसी तरह की परेशानी बताई। एक महिला यात्री ने कहा कि अगर मुफ्त यात्रा के लिए किसी विशेष दस्तावेज की जरूरत है तो इसकी जानकारी पहले से स्पष्ट रूप से दी जानी चाहिए, ताकि महिलाएं यात्रा के समय परेशान न हों। नए नियमों को लेकर बसों में यात्रियों और कंडक्टरों के बीच इसी तरह की स्थिति कई जगह देखने को मिल रही है।

# लातूर में होटल में घुसा दी बाइक, फिर जमकर की तोड़फोड़; 2 दिन में दुकान बंद करने की धमकी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**लातूर।** महाराष्ट्र के लातूर में नशे में धुत एक युवक पर बाइक लेकर चाइनीज होटल के अंदर घुसने और वहां जमकर तोड़फोड़ करने का आरोप लगा है। घटना 3 अक्टूबर की रात करीब 10:15 बजे एसपी कार्यालय के सामने स्थित नाइस चाइनीज सेंटर में हुई। युवक ने कथित तौर पर होटल के अंदर बाइक घुसाने के बाद मालिक और उसके बेटे के साथ गाली-गलौज की और दुकान बंद करने की धमकी दी। अचानक हुए हंगामे से होटल में मौजूद ग्राहकों के बीच अफरा-तफरी का माहौल बन गया। होटल मालिक अलीम शेख की शिकायत के मुताबिक, शैलेश शिंदे नाम का युवक रात में एमएच 24 सीई 4917 नंबर की बाइक लेकर होटल पहुंचा। आरोप है कि वह नशे की हालत में था। उसने बाइक सीधे होटल के अंदर घुसा दी। इसके बाद उसने होटल के काउंटर पर मौजूद अलीम शेख और उनके बेटे के साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। कुछ ही देर में विवाद बढ़ गया और युवक



ने होटल के सामान को नुकसान पहुंचाना शुरू कर दिया। शिकायत में आरोप लगाया गया है कि युवक ने होटल मालिक और उनके बेटे को धमकाते हुए कहा कि 2 दिन के भीतर दुकान बंद कर दो, नहीं तो जान से मार देगा। धमकी देने के बाद उसने होटल में रखे फ्रिज, काउंटर और गैस बर्नर को लात मारकर नुकसान पहुंचाया। होटल में खाना खाने आए ग्राहकों को भी कथित तौर पर गालियां दी गईं। इस दौरान एक महिला ग्राहक के साथ अभद्र व्यवहार किए जाने का आरोप भी लगाया गया है। घटना के समय होटल में मौजूद लोगों के लिए यह स्थिति अचानक पैदा हुई। बाइक के होटल के अंदर घुसने के बाद युवक के हंगामे और तोड़फोड़ से वहां मौजूद ग्राहक भी घबरा गए। आरोप है कि युवक काफी देर तक होटल में गाली-गलौज और धमकी देता रहा। इस घटना के कारण होटल के कामकाज पर भी असर पड़ा और सामान को नुकसान पहुंचा। होटल मालिक अलीम शेख ने घटना के बाद विवेकानंद चौक पुलिस से शिकायत की। शिकायत के आधार पर पुलिस ने आरोपी शैलेश शिंदे के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 351(1), 351(2), 352, 324(4) और 115(2) के तहत एनसीआर दर्ज की है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और शिकायत में लगाए गए आरोपों की पड़ताल की जा रही है। पुलिस अब यह भी जांच कर रही है कि युवक का होटल मालिक से पहले से कोई विवाद था या फिर घटना के पीछे कोई अन्य कारण था। होटल में हुए नुकसान और घटना के पूरे क्रम को लेकर भी जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस शिकायत में बताए गए घटनाक्रम और आरोपी की भूमिका की जांच के बाद आगे की कार्रवाई करेगी। एसपी कार्यालय के सामने हुई इस घटना के बाद इलाके में भी चर्चा शुरू हो गई है। एक ओर जहां होटल मालिक ने दुकान बंद करने की कथित धमकी को लेकर शिकायत दर्ज कराई है, वहीं दूसरी ओर पुलिस के सामने घटना के वास्तविक कारण और आरोपी की मंशा स्पष्ट करने की चुनौती है। फिलहाल मामले की जांच जारी है और पुलिस की जांच पूरी होने के बाद ही पूरे घटनाक्रम की तस्वीर साफ होगी।

## सत्य निकेतन पीजी हादसे के बाद जर्जर इमारतों पर MCD का एक्शन थमा, कोर्ट ने डिमोलिशन पर लगाई रोक

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली।** मोती बाग के सत्य निकेतन इलाके में पीजी हादसे के बाद जर्जर और खतरनाक इमारतों पर शुरू की गई एमसीडी की कार्रवाई फिलहाल रुक गई है। हादसे के बाद नगर निगम ने आसपास की कई पुरानी और कमजोर इमारतों को खाली कराया था और उन्हें गिराने के नोटिस जारी किए थे। इसके बाद कुछ भवन मालिकों ने कार्रवाई के खिलाफ अदालत का रुख किया। कोर्ट ने फिलहाल एमसीडी के डिमोलिशन एक्शन पर रोक लगा दी है। एमसीडी अधिकारियों के मुताबिक, अदालत ने भवन मालिकों के सामने कुछ शर्तें भी रखी हैं। यदि इन शर्तों का पालन नहीं किया गया तो नगर निगम दोबारा कार्रवाई कर सकता है। अधिकारियों का कहना है कि जर्जर इमारतों की सुरक्षा को लेकर किसी तरह का जोखिम नहीं लिया जाएगा और अदालत के निर्देशों के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि 6 सितंबर को सत्य निकेतन में 5 मंजिला पीजी हॉस्टल भरभराकर गिर गया था। हादसे में 5 छात्रों समेत 7 लोगों की मौत हुई थी, जबकि 5 अन्य लोग घायल हुए थे। हादसे के बाद इलाके में बनी पुरानी और कमजोर इमारतों की स्थिति को लेकर भी सवाल उठे थे। हादसे की



जांच के दौरान यह बात सामने आई कि इलाके में कई 5-6 दशक पुरानी इमारतों के ऊपर अतिरिक्त मंजिलें बनाई गई थीं। आरोप है कि कुछ निर्माण में जरूरी पिलर और मजबूत ढांचे का भी ध्यान नहीं रखा गया। जिस पीजी में हादसा हुआ, वहां बेसमेंट को कवर कर अतिरिक्त कमरे बनाए जाने की तैयारी की जा रही थी। इसी दौरान इमारत का एक बड़ा हिस्सा ढह गया। हादसे के बाद आसपास की इमारतों का निरीक्षण किया गया। एमसीडी को कुछ अन्य भवन भी खतरनाक स्थिति में मिले, जिसके बाद एहतियात के तौर पर उन्हें खाली कराया गया। इनमें से 3-4 इमारतों को गिराने के नोटिस भी जारी किए गए थे। जर्जर इमारतों की स्थिति का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि एक इमारत को गिराने से पहले उसके ग्राउंड फ्लोर पर मोटे लोहे के गार्डर लगाकर सहारा देना पड़ा। इसके बाद ही उसे सुरक्षित तरीके से तोड़ा जा सका। इसी कार्रवाई के बाद आसपास की दूसरी खतरनाक इमारतों को लेकर भी निगम ने कदम उठाए थे। हालांकि, नोटिस मिलने के बाद कुछ भवन मालिक अदालत पहुंच गए। कोर्ट ने फिलहाल डिमोलिशन पर रोक लगा दी, जिसके चलते एमसीडी की कार्रवाई थम गई है। अब आगे की कार्रवाई अदालत के निर्देशों और भवन मालिकों द्वारा तय शर्तों के पालन पर निर्भर करेगी। स्ट्रक्चरल सर्टिफिकेट आमतौर पर योग्य स्ट्रक्चरल इंजीनियर की ओर से जारी किया जाता है। इसमें इमारत की नींव, कॉलम, बीम, स्लैब और छत समेत पूरे ढांचे की जांच के बाद उसकी मजबूती और सुरक्षा का आकलन किया जाता है। जर्जर इमारतों के मामले में यह प्रमाणपत्र यह तय करने में मदद करता है कि भवन सुरक्षित है या उसमें मरम्मत, खाली कराने या अन्य कार्रवाई की जरूरत है। सत्य निकेतन हादसे के बाद इलाके की पुरानी इमारतों की सुरक्षा को लेकर सवाल लगातार बने हुए हैं।

## 'कितनों को गिरफ्तार करोगे अमित शाह? 10 अक्टूबर को पूरा देश आ रहा है'

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**मुंबई।** मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बीच कॉकरोच जनता पार्टी के नेता अभिजीत दीपके ने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा है। दीपके ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'कितनों को गिरफ्तार करोगे अमित शाह? 10 अक्टूबर को पूरा देश आ रहा है।' सीजेपी ने 10 अक्टूबर को विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के विरोध और मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर बड़े प्रदर्शन का आह्वान किया है। सीजेपी के मुख्य प्रवक्ता सौरव दास ने दावा किया है कि सरकार उन्हें, पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके, आशुतोष रांका, रत्ना सिंह और अन्य नेताओं को गिरफ्तार करने की योजना बना रही है। हालांकि, दास ने अपने दावे के समर्थन में कोई ठोस सबूत सार्वजनिक नहीं किया है। उन्होंने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि अगर सरकार को लगता है कि गिरफ्तारियों या अन्य कार्रवाई से आंदोलन को दबाया जा सकता है तो यह उसकी गलतफहमी है। दास ने कहा कि पार्टी के नेता और कार्यकर्ता जेल जाने या अन्य कार्रवाई का सामना करने के लिए तैयार हैं, लेकिन आंदोलन को रोकने का इरादा नहीं है। उन्होंने युवाओं से अपने अधिकारों और भविष्य को लेकर संघर्ष जारी रखने की अपील करते हुए 10 अक्टूबर से बड़े जन आंदोलन का आह्वान किया। सीजेपी की ओर से कहा गया है कि इस दिन देश के अलग-अलग हिस्सों से लोग विरोध प्रदर्शन में शामिल होंगे।अभिजीत दीपके ने भी दास के पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए अमित शाह को सीधे निशाने पर लिया। उन्होंने पूछा कि सरकार आखिर कितने लोगों को गिरफ्तार करेगी। इसके साथ ही उन्होंने 10 अक्टूबर को देशभर से लोगों के आंदोलन में शामिल होने का दावा किया। सीजेपी की ओर से इस प्रदर्शन को विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के खिलाफ अब तक का सबसे बड़ा विरोध प्रदर्शन बताया जा रहा है। दीपके ने अपने एक अन्य बयान में यह भी दावा किया कि उनके शहर के स्थानीय पुलिस उपायुक्त अचानक छुट्टी पर चले गए हैं और उनकी जगह नए पुलिस उपायुक्त की तैनाती की गई है। उन्होंने इसे संभावित कार्रवाई से जोड़ते हुए कहा कि विरोध प्रदर्शन जारी रहना चाहिए। हालांकि, पुलिस अधिकारियों की ओर से इस बदलाव को सीजेपी नेताओं को गिरफ्तार करने की किसी योजना से जोड़कर कोई पुष्टि सामने नहीं आई है।



## ड्यूटी से घर लौट रहे युवक पर चाकू से ताबड़तोड़ हमला, मौत; जितिया व्रत के दिन मां ने खोया बेटा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**नई दिल्ली।** दिल्ली शाहबाद डेयरी थाना क्षेत्र में ड्यूटी से घर लौट रहे एक युवक की चाकू से हमला कर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान सचिन उर्फ काला के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, एक लड़की से दोस्ती को लेकर सचिन और आरोपी अमन के बीच विवाद चल रहा था। शनिवार रात मौका पाकर आरोपियों ने सचिन पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। गंभीर रूप से घायल सचिन को अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। पुलिस के मुताबिक, वारदात की सूचना मिलने के बाद शाहबाद डेयरी थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल की जांच शुरू की। क्राइम टीम और फॉरेंसिक टीम को भी मौके पर बुलाया गया। टीम ने घटनास्थल से जरूरी साक्ष्य जुटाए। पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और तकनीकी निगरानी के आधार पर संदिग्धों की पहचान करने का प्रयास शुरू किया। च के दौरान पुलिस को पता चला कि सचिन की एक लड़की से दोस्ती थी। पुलिस के अनुसार, उसी लड़की से आरोपी अमन की भी दोस्ती थी और इसी बात को लेकर दोनों के बीच विवाद



हुआ था। बताया जा रहा है कि पहले दोनों पक्षों के बीच विवाद को सुलझाने की कोशिश हुई थी, लेकिन इसके बावजूद शनिवार रात सचिन पर हमला कर दिया गया। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि वारदात की योजना पहले से बनाई गई थी या विवाद के दौरान अचानक हमला किया गया। पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज और तकनीकी सर्विलांस की मदद से मुख्य आरोपी अमन को गिरफ्तार कर लिया। इसके अलावा अमन की मां नफीसा और मामा मोहम्मद इमरान को भी हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। पुलिस आरोपियों से वारदात में इस्तेमाल हथियार और घटना से जुड़े अन्य तथ्यों के बारे में जानकारी जुटा रही है। परिजनों के मुताबिक, शनिवार रात सचिन से परिवार के लोगों की बात हुई थी। उसके चाचा चंद्रिका ने बताया कि सचिन ने फोन पर कहा था कि वह थोड़ी देर में घर पहुंच जाएगा। परिवार ने उसके साथ खाना खाने का इंतजार किया, लेकिन वह घर नहीं लौटा। कुछ समय बाद परिवार को उसके साथ हुई वारदात की जानकारी मिली। इसके बाद घर में मातम पसर गया। सचिन की मां ने बताया कि जितिया पर्व के दिन उन्होंने बेटे की सलामती के लिए व्रत रखा था। उन्हें उम्मीद थी कि बेटा ड्यूटी से लौटकर घर आएगा, लेकिन उसी दिन उसकी हत्या की खबर ने परिवार को तोड़ दिया। पिता सुरेंद्र ने पुलिस से आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। चाचा का कहना है कि ऐसा कोई बड़ा विवाद नहीं था, जिसके चलते सचिन की जान चली जाए। पुलिस ने सचिन के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अधिकारियों का कहना है कि मामले की जांच जारी है और सीसीटीवी फुटेज, तकनीकी साक्ष्यों तथा आरोपियों से पूछताछ के आधार पर वारदात की पूरी कड़ी जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस यह भी जांच कर रही है कि हमले में कितने लोग सीधे तौर पर शामिल थे और वारदात के पीछे वास्तविक विवाद क्या था।

## मुंबई एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 को तोड़ने पर एयरलाइंस और संचालक आमने-सामने

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**मुंबई।** मुंबई। मुंबई एयरपोर्ट के टर्मिनल-1 के पुनर्विकास और कुछ उड़ानों को नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर स्थानांतरित करने के प्रस्ताव को लेकर एयरपोर्ट संचालक और एयरलाइंस के बीच विवाद बढ़ गया है। मामले को सुलझाने के लिए केंद्रीय नागरिक उड्डयन सचिव समीर कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में दिल्ली में बैठक बुलाई गई है। बैठक में एयरलाइंस और मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड के प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है। इसका उद्देश्य टर्मिनल-1 के पुनर्विकास और उड़ानों के संचालन को लेकर बने गतिरोध का समाधान निकालना है। मुंबई एयरपोर्ट का टर्मिनल-1 करीब 6 दशक पुराना है और इसका निर्माण अलग-अलग चरणों में हुआ था। इसका टर्मिनल-1बी हिस्सा 1965 में, टर्मिनल-1ए 1992 में और टर्मिनल-1सी 2010 में तैयार हुआ था। एयरपोर्ट संचालक का कहना है कि पुराने ढांचे की सुरक्षा और भविष्य की जरूरतों को देखते हुए टर्मिनल-1 का चरणबद्ध तरीके से पुनर्विकास जरूरी है। योजना के तहत पहले इसके पुराने हिस्से को हटाकर नया ढांचा तैयार किया जाना है।



## बाणगंगा तालाब बना मछलियों की कब्रगाह, 10 दिन में हजारों ने गंवाई जान

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**मुंबई।** दक्षिण मुंबई के मालाबार हिल इलाके में स्थित ऐतिहासिक बाणगंगा तालाब में पिछले करीब 10 दिनों में हजारों मछलियों की मौत से हड़कंप मच गया है। तालाब में बड़ी संख्या में मरी हुई मछलियां पानी की सतह पर दिखाई दे रही हैं, जिससे आसपास के इलाके में दुर्गंध फैल रही है। घटना के बाद तालाब के पानी की गुणवत्ता और मछलियों की मौत के कारणों को लेकर सवाल उठने लगे हैं। हालांकि, अभी तक मछलियों की मौत की कोई निश्चित वजह सामने नहीं आई है।धार्मिक दृष्टि से बाणगंगा तालाब का विशेष महत्व माना जाता है। पितृ पक्ष के दौरान यहां बड़ी संख्या में लोग पिंडदान और पितरों का तर्पण करने पहुंचते हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, इस बार पितृ पक्ष शुरू होने के करीब 10 दिन के भीतर ही बड़ी संख्या में मछलियों के मरने की घटना सामने आ गई। उनका कहना है कि पहले इस तरह की घटनाएं पितृ पक्ष के अंतिम दिनों में अधिक देखने को मिलती थीं। मछलियों की मौत को लेकर स्थानीय लोगों ने कई तरह की आशंकाएं जताई हैं। उनका कहना है कि पिंडदान के दौरान



इस्तेमाल होने वाली खाद्य सामग्री या अन्य पूजन सामग्री अगर पानी में चली जाती है तो इससे पानी की गुणवत्ता प्रभावित हो सकती है। पानी में जैविक पदार्थ बढ़ने से उसमें घुली ऑक्सीजन की मात्रा कम होने की आशंका जताई जा रही है। ऑक्सीजन की कमी मछलियों की मौत का एक संभावित कारण हो सकती है। हालांकि, अभी इसे मछलियों की मौत की प्रमाणित वजह नहीं माना जा रहा है। कुछ स्थानीय लोगों और पुजारियों ने गर्मी को भी मछलियों की मौत का संभावित कारण बताया है। उनका कहना है कि अधिक तापमान और पानी की स्थिति में बदलाव का असर तालाब में रहने वाली मछलियों पर पड़ सकता है। ऐसे में पानी में ऑक्सीजन की मात्रा, तापमान और अन्य परिस्थितियों की जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि आखिर इतनी बड़ी संख्या में मछलियों की मौत क्यों हुई। बाणगंगा में लंबे समय से पूजा कराने वाले पुजारी सेवालाल तिवारी ने पिंडदान की सामग्री तालाब के पानी में डाले जाने की बात से इनकार किया है। उन्होंने बताया कि पूजा के दौरान पानी को तीन बार स्पर्श कराया जाता है और इसके बाद पूजा में इस्तेमाल होने वाली सामग्री को बाहर रखे ड्रम में डाल दिया जाता है। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि कुछ लोग अपनी ओर से पिंडदान करते हैं और ऐसे मामलों में कभी-कभी पूजन सामग्री पानी में डाल दिए जाने की संभावना रहती है। इसी वजह से स्थानीय स्तर पर इस पहलू को लेकर चर्चा बनी हुई है। स्थानीय निवासी भरत गुरव ने बताया कि बाणगंगा तालाब में मछलियों के मरने की घटनाएं पहले भी सामने आती रही हैं, लेकिन इस बार बड़ी संख्या में मछलियां अपेक्षाकृत जल्दी मर गई हैं। उन्होंने बताया कि वह मृत मछलियों को तालाब से हटाने के काम में भी मदद कर रहे हैं।

## विरोध मार्च को लेकर उद्धव-राज ठाकरे पर फडणवीस का निशाना

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**मुंबई।** मुंबई चुनाव आयोग के खिलाफ उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे के विरोध मार्च को लेकर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने दोनों नेताओं पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि दोनों नेता 'गजनी' की तरह हो गए हैं और जनता से नकारे जाने के बाद अपनी खोई राजनीतिक जमीन वापस हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। उद्धव ठाकरे की शिवसेना यूबीटी और राज ठाकरे की महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को हटाने की मांग को लेकर दक्षिण मुंबई में मार्च निकाला। फडणवीस ने सवाल उठाया कि ज्ञानेश कुमार 2025 में मुख्य चुनाव आयुक्त बने, जबकि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 में हो चुके थे। ऐसे में 2026 में शुरू हुई एसआईआर प्रक्रिया का 2024 के चुनावों से क्या संबंध है। फडणवीस ने आरोप लगाया कि दोनों नेता चुनावी हार की निराशा चुनाव आयोग के खिलाफ निकाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि मार्च अपनी खोई राजनीतिक जमीन वापस पाने की कोशिश है और प्रचार के बावजूद इसमें अपेक्षित भीड़ नहीं जुटी।



## रनवाल एंटरप्राइजेज के शेयर की बाजार में धीमी शुरुआत

**नई दिल्ली ।**

रियल एस्टेट डेवलपर रनवाल एंटरप्राइजेज लिमिटेड के शेयर ने सोमवार को शेयर बाजार में फीकी शुरुआत की। बीएसई पर शेयर 306 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ, जो 305 रुपये के निर्गम मूल्य से मामूली 0.32 प्रतिशत अधिक है। एनएसई पर शेयर 305 रुपये के निर्गम मूल्य के बराबर भाव पर ही सूचीबद्ध हुआ। बाद में कारोबार के दौरान बीएसई पर शेयर 3.22 प्रतिशत फिसलकर 295.15 रुपये पर आ गया। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 4,365.68 करोड़ रुपये रहा। रनवाल एंटरप्राइजेज लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को शेयर बिक्री के अंतिम दिन गत मंगलवार को 2.5 गुना अभिदान मिला था। आईपीओ का मूल्य दायरा 290-305 रुपये प्रति शेयर था। आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) पूरी तरह से 500 करोड़ रुपये तक के नए शेयर पर आधारित था। इससे जुटाई गई राशि का इस्तेमाल कर्ज चुकाने, भविष्य की रियल एस्टेट परियोजनाओं के वित्तपोषण और सामान्य कारोबारी जरूरतों के लिए किया जाएगा।

## एसवेक्टर का शेयर 11.5 फीसदी गिरावट के साथ सूचीबद्ध

**नई दिल्ली ।**

सॉफ्टबैंक समर्थित डिजिटल-कॉमर्स मंच एसवेक्टर लिमिटेड का शेयर अपने 32 रुपये के निर्गम मूल्य से 11.5 प्रतिशत की गिरावट के साथ सोमवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। स्नैपडील की मूल कंपनी का शेयर बीएसई पर 28.30 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ जो निर्गम मूल्य से 11.56 प्रतिशत की गिरावट है। एनएसई पर शेयर ने निर्गम मूल्य से 11.5 प्रतिशत की गिरावट के साथ 28.32 रुपये पर शुरुआत की। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 1,394.75 करोड़ रुपये रहा। एसवेक्टर लिमिटेड के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को मंगलवार को बोली के अंतिम दिन 4.93 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के 420 करोड़ रुपये के आईपीओ का मूल्य दायरा 30-32 रुपये प्रति शेयर था।

## बाजार की गिरावट में भी पांच इक्विटी फंड्स का जलवा

**- फंडों ने अपनी विशिष्ट वैश्विक और सेक्टर-केंद्रित निवेश रणनीतियों के चलते गिरावट को मात दी**

**नई दिल्ली ।**

पिछले सप्ताह शेयर बाजार में बिकवाली के भारी दबाव के बावजूद, पांच इक्विटी म्युचुअल फंड्स ने निवेशकों को सकारात्मक रिटर्न देकर चौंका दिया। वैल्यू रिसर्च के आंकड़ों के अनुसार, इन फंडों ने अपनी विशिष्ट वैश्विक और सेक्टर-केंद्रित निवेश रणनीतियों के चलते गिरावट को मात दी। बाजार की चुनौतियों के बीच भी इन फंडों ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया। इनमें सबसे ऊपर रहा निप्पॉन इंडिया जापान इक्विटी फंड, जिसने पिछले एक हफ्ते में 2.54 फीसदी का प्रभावशाली रिटर्न दिया, और एक साल में 30.60 फीसदी की मजबूत वृद्धि दर्ज की। दूसरे स्थान पर आदित्य बिड़ला सन लाइफ ग्लोबल इमर्जिंग अपॉर्च्युनिटीज फंड रहा, जिसने 0.86 फीसदी साप्ताहिक और 18.98 फीसदी वार्षिक रिटर्न दिया। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) क्षेत्र में, डीएसपी निफ्टी आईटी इंडेक्स फंड और डीएसपी निफ्टी आईटी ईटीएफ ने क्रमशः 0.46 फीसदी और 0.45 फीसदी का सकारात्मक रिटर्न देकर अपनी चमक बिखेरी।

## मुंबई टी1 विवाद- एयरलाइंस ने अदाणी से मांगे बातचीत के रिकॉर्ड

**नवी मुंबई शिफ्टिंग के आदेश पर भी उठाए सवाल**

**मुंबई ।**

विमानन कंपनियों ने मुंबई एयरपोर्ट के ऑपरेटर अदाणी समूह (एमआईएएल) के उन दावों को सिरे से खारिज कर दिया है, जिनमें कहा गया था कि टर्मिनल 1 के पुनर्विकास को लेकर 2020 से उनसे व्यापक बातचीत चल रही है। एयरलाइन ऑपरेटर्स कमिटी (एओसी) ने एमआईएएल को एक पत्र भेजकर 2020 से हुई ऐसी सभी बैठकों के रिकॉर्ड और बातचीत का विवरण मांगा है। इसके साथ ही एयरलाइंस ने मुंबई एयरपोर्ट से अपनी 33 प्रतिशत अंतरराष्ट्रीय सेवाओं को हाल ही में खुले नवी मुंबई एयरपोर्ट पर 25 अक्टूबर तक शिफ्ट करने के आदेश के आधार पर भी सवाल उठाए हैं।

अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) ने हाल ही में एक विज्ञप्ति जारी कर कहा था कि 60 साल पुरानी टर्मिनल 1 बिल्डिंग को लेकर सुरक्षा संबंधी चिंताओं के कारण एयरलाइंस को नवी मुंबई शिफ्ट होने को कहा गया है।

# शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

**सेंसेक्स 472, निफ्टी 133 अंक उछला**

**मुम्बई ।**

भारतीय शेयर बाजार सोमवार को तेजी के साथ बंद हुआ। सप्ताह के पहले ही कारोबारी दिन बाजार में ये उछाल दूनिया भर से मिले अच्छे संकेतों केसाथ ही खरीददारी हावी रहने से आया है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में तेजी से बढने की आशंकाओं में कमी आने से भी घरेलू बाजार उछला है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 472.77 अंकों की बढ़त के साथ ही 72,382.47 अंकों पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी इंडेक्स 133.80 अंकों की तेजी की साथ ही 22,555.75 अंकों पर बंद हुआ। आज सेंसेक्स की 30 में से 20 कंपनियों के शेयर बढ़त के साथ ही ऊपर आये जबकि बाकी 10 कंपनियों के शेयर गिरावट पर बंद हुए। वहीं दूसरी ओर, निफ्टी 50 की 31 कंपनियों के शेयर तेजी के साथ बढ़त पर बंद हुए। बची हुई 18 कंपनियों के शेयर गिरावट के साथ लाल निशान पर बंद हुए जबकि एक कंपनी का शेयर बिना किसी बदलाव के बंद हुआ। आज सेंसेक्स की कंपनियों में शामिल आईटीसी के शेयर सबसे ज्यादा 4.49 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुए।



जबकि एचसीएल टेक का शेयर आज सबसे ज्यादा 3.69 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ। वहीं एटरनल, भारती एयरटेल के शेयरों में तेजी रही। आज बजाज फाइनेंस, अडाणी पोर्ट्स, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज, एलएंडटी, एनटीपीसी तेजी के साथ बंद हुए जबकि एचडीएफसी बैंक, सन फार्मा, इंफोसिस, एशियन पेंट्स, ट्रेंट, कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। वहीं इससे पहले आज सुबह वैश्विक बाजारों से मिले अच्छे संकेतों की वजह से सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सेंसेक्स और निफ्टी शुरुआती कारोबार में तेजी के साथ खुले।

## रुपया गिरावट पर बंद

**मुंबई ।**



अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सोमवार को भारतीय रुपया 6 पैसे की गिरावट के साथ 96.31 पर बंद इहुआ। आज सुबह कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और विदेशी पूंजी की निरंतर निकासी के दबाव के बीच रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में सीमित दायरे में रहा और 96 प्रति डॉलर के स्तर के आसपास बना रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की समय-समय पर डॉलर की खरीद-बिक्री संबंधी कार्रवाई से दिन के कारोबार में अत्यधिक उतार-चढ़ाव को कम करने और रुपये में तेज गिरावट को रोकने में मदद मिली। हालांकि ऊंची आयात लागत तथा डॉलर की लगातार मजबूती ने निवेशकों की धारणा पर दबाव बनाए रखा। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 96.20 प्रति डॉलर पर खुला। फिर फिसलकर 96.26 प्रति डॉलर पर आ गया जो यह पिछले बंद भाव के मुकाबले एक पैसे की गिरावट है। रुपया गुरुवार को 96 प्रति डॉलर के स्तर से नीचे आ गया था और 96.25 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

## अक्टूबर में म्युचुअल फंड निवेशकों के लिए तीन नए अवसर

**- जियोब्लैकरॉक, कोटक और एचडीएफसी ला रहे डेट**

**मुंबई ।**

म्युचुअल फंड में निवेश करने वाले लोगों के लिए अक्टूबर 2026 की शुरुआत में तीन नए निवेश विकल्प खुलने जा रहे हैं। जियोब्लैकरॉक, कोटक महिंद्रा और एचडीएफसी म्युचुअल फंड अपने नए फंड ऑफर (एनएफओ) के साथ बाजार में उतर रहे हैं, जो निवेशकों को विविध रणनीतियों वाले फंड्स में निवेश का मौका देंगे। ये तीनों एनएफओ 5 अक्टूबर को खुल गए हैं और 19 अक्टूबर को बंद होंगे। पहला है जियोब्लैकरॉक इनकम प्लस आर्बिट्राज ओम्नी फंड ऑफ फंड। यह एक ओपन-एंडेड हाइब्रिड स्कीम है, जिसका उद्देश्य एक्टिव या पैसिव डेट और आर्बिट्राज फंड्स में निवेश करके आय अर्जित करना है। न्यूनतम 500 रुपए के निवेश से शुरू होने वाले इस फंड को मॉडरेट रिस्क कैटेगरी में रखा गया है और इसमें कोई लॉक-इन या एग्जिट लोड नहीं है। दूसरा, कोटक निफ्टी 500 इंडेक्स फंड है, जो कोटक महिंद्रा म्युचुअल फंड की इक्विटी फ्लेक्सी कैप स्कीम है। यह निफ्टी 500 इंडेक्स में शामिल कंपनियों के प्रदर्शन को ट्रैक करेगा। इसमें न्यूनतम 1,000 रुपए का निवेश किया जा सकता है और इसे वेरी हाई रिस्क श्रेणी में रखा गया है। तीसरा ऑफर एचडीएफसी निफ्टी लार्ज मिडकैप इंडेक्स फंड है। यह एक एग्रेसिव हाइब्रिड स्कीम है जो इक्विटी और डेट सिक्योरिटीज में निवेश करेगी। इसमें न्यूनतम 100 रुपए से निवेश संभव है और यह हाई रिस्क कैटेगरी में आता है। इन एनएफओ में निवेश से पहले, निवेशकों को उसकी रणनीति, जोखिम और निवेश अवधि का

# एशिया के लिए तेल हुआ सस्ता,यूरोप के लिए बढ़ीं कीमतें

**ऊंची मालभाड़ा लागत कम करने और बाजार हिस्सेदारी बचाने के लिए बड़ी छूट**

**नई दिल्ली ।**

सऊदी अरब ने नवंबर डिलीवरी के लिए एशियाई देशों को अपने कच्चे तेल की कीमतों में अचानक और अप्रत्याशित रूप से बड़ी कटौती की घोषणा की है। सोमवार को जारी प्राइसिंग डॉक्यूमेंट के अनुसार, यह फैसला बाजार की उम्मीदों के बिल्कुल उलट है, जहां कीमतों में बढ़ोतरी की संभावना जताई गई थी। दुनिया के सबसे बड़े तेल निर्यातक सऊदी अरब ने अपने अरब लाइट क्रूड की आधिकारिक बिक्री कीमत (ओएसपी) में 3 डॉलर प्रति बैरल की कटौती की है, जिससे यह अब ओमान और दुबई के औसत बेंचमार्क से 5 डॉलर प्रति बैरल नीचे (डिस्काउंट पर) मिलेगा। यह जून 2020 के बाद की सबसे बड़ी छूट है। साथ ही, अरब मीडियम और अरब हैवी ग्रेड के तेल में भी 5 डॉलर प्रति बैरल की अतिरिक्त कटौती की गई है। भारत के लिए, जो अपनी 80 फीसदी से अधिक तेल आवश्यकता आयात करता है और सऊदी अरब जिसका दूसरा सबसे बड़ा सप्लायर है, यह कटौती इंडियन ऑयल (आईओसीएल) और बीपीसीएल जैसी कंपनियों के लिए कच्चे माल की खरीद सस्ती करेगी, जिससे उनका लाभ मार्जिन बढ़ेगा। वैश्विक तनाव के बावजूद, भारत में खुदरा स्तर पर पेट्रोल-डीजल की कीमतें स्थिर होंगी और बढ़ने की संभावनाएं काफी कम हो



जाएंगी। अरामको ने यह कदम एशियाई रिफाइनरियों पर बढ़ी हुई मालभाड़ा लागत (जो फारस की खाड़ी से चीन तक 80,000 डॉलर से 12 लाख डॉलर प्रतिदिन तक पहुंच गई है) का बोझ कम करने के लिए उठाया है। इसके अलावा, रूस और ईरान जैसे प्रतिस्पर्धियों द्वारा भारी छूट पर तेल उपलब्ध कराने के कारण अपनी बाजार हिस्सेदारी को बचाए रखना भी एक प्रमुख कारण है।

## ओरिएंट केबल्स के शेयर की बाजार में मजबूत शुरुआत, 65 प्रतिशत चढ़ा

**नई दिल्ली ।**

ओरिएंट केबल्स (इंडिया) लिमिटेड का शेयर अपने 272 रुपये के निर्गम मूल्य के मुकाबले करीब 65 प्रतिशत की बढ़त के साथ सोमवार को बाजार में सूचीबद्ध हुआ। बीएसई पर कंपनी के शेयर ने 448.10 रुपये पर कारोबार शुरू किया, जो निर्गम मूल्य से 64.74 प्रतिशत अधिक है। एनएसई पर यह निर्गम मूल्य से 65.44 प्रतिशत की बढ़त के साथ 450 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ। कंपनी का बाजार मूल्यांकन 4,589.54 करोड़ रुपये रहा। ओरिएंट केबल्स इंडिया के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को मंगलवार को बोली के अंतिम दिन 92.27 गुना अभिदान मिला था। कंपनी के 552 करोड़ रुपये के आईपीओ का मूल्य दायरा 258-272 रुपये प्रति शेयर था। नए शेयर से जुटाई गई राशि का इस्तेमाल मशीनरी, उपकरण और पूंजीगत व्यय के अलावा कुछ कर्ज के पुनर्भुगतान या आंशिक पूर्व भुगतान के लिए किया जाएगा। आईपीओ से जुटाई गई राशि के एक हिस्से का इस्तेमाल सामान्य कारोबारी जरूरतों के लिए भी किया जाएगा। ओरिएंट केबल्स नेटवर्किंग केबल और निष्क्रिय नेटवर्किंग उपकरणों में विशेषज्ञता रखती है। यह ब्रॉडबैंड, दूरसंचार, डेटा सेंटर, नवीकरणीय ऊर्जा और स्मार्ट बिल्डिंग ऑटोमेशन समेत विभिन्न क्षेत्रों को सेवाएं देती है।

# भारत का नया निवेश संधि खाका तैयार,निवेशकों के लिए अधिक अनुकूल वित्त मंत्री

**कैबिनेट की मंजूरी जल्द, 2016 की खामियां होंगी दूर; कई देशों से बातचीत जारी**

**नई दिल्ली ।**

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में घोषणा की कि द्विपक्षीय निवेश संधियों (बीआईटी) के लिए एक नया, निवेशक-अनुकूल खाका तैयार है और इसे जल्द ही केंद्रीय मंत्रिमंडल की मंजूरी मिलने की उम्मीद है। यह नया ढांचा निवेशकों को अधिक प्रभावी सुरक्षा प्रदान करेगा और 2016 में मंजूर किए गए पुराने खाके की खामियों को दूर करेगा। सीतारमण ने बताया कि पिछले डेढ़ साल से तैयार यह नया खाका निवेशकों के लिए प्रक्रिया को और सुगम बनाएगा। उन्होंने कहा कि नए खाके को अंतिम रूप दिए जाने के बीच भी भारत ने निवेश संरक्षण समझौतों पर बातचीत जारी रखी है। सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), ओमान और कुछ मध्य एशियाई देशों के साथ हुए हालिया समझौतों में पहले से ही नए खाके के कई प्रावधान शामिल किए गए हैं। मंत्री ने कहा कि भारत कनाडा और रूस सहित कई देशों के साथ द्विपक्षीय निवेश संरक्षण समझौतों



पर सक्रिय रूप से बातचीत कर रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि दिसंबर तक कम से कम तीन और देशों के साथ समझौते पूरे हो सकते हैं, जिसमें कनाडा के साथ वार्ता दिसंबर या अगले साल की शुरुआत तक अंतिम रूप ले सकती है। पिछला 2016 का ढांचा निवेशकों को मध्यस्थता से पहले पांच साल तक इंतजार करने के लिए कहता था, जिसकी व्यापक आलोचना हुई थी।

# इंडिगो ने बढ़ाया हवाई किराया, 6 अक्टूबर से सफर होगा महंगा

**नई दिल्ली ।**

देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो ने बढ़ती विमान ईंधन (एटीएफ) की कीमतों के मद्देनजर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए ईंधन अधिभार में वृद्धि की घोषणा की है। ये संशोधित शुल्क 6 अक्टूबर से लागू होंगे, जिससे हवाई यात्रियों के लिए यात्रा महंगी हो जाएगी। कंपनी ने बताया कि घरेलू उड़ानों के लिए दूरी के आधार पर अधिभार में 100 रुपये से 350 रुपये तक की बढ़ोतरी की गई है, जबकि अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर भी यह वृद्धि लागू होगी।

इंडिगो के अनुसार, ईंधन की कीमतें लगातार बढ़ रही हैं और हाल ही में मासिक आधार पर इसमें 14 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की गई है। इससे विमान ईंधन की लागत पिछले एक दशक के सबसे ऊंचे स्तरों पर पहुंच गई है। विमानन कंपनियों की परिचालन लागत का एक



महत्वपूर्ण हिस्सा होने के कारण, बढ़ती कीमतें लागत संरचना को प्रभावित कर रही हैं, जिसके चलते इंडिगो ने यह कदम उठाया है।

## एंबेसी डेवलपमेंट्स ने बेंगलुरु में 1800 करोड़ के फ्लैट बेचे

**- एंबेसी ओरिजिन्स टाउनशिप ने मचाया धमाल, महज एक हफ्ते में 477 अपार्टमेंट की बुकिंग**

**नई दिल्ली ।**

रियल एस्टेट क्षेत्र की प्रमुख कंपनी एंबेसी डेवलपमेंट्स ने बेंगलुरु में अपनी नई टाउनशिप परियोजना 'एंबेसी ओरिजिन्स' के साथ बंपर शुरुआत की है। कंपनी ने परियोजना के लॉन्च के मात्र एक सप्ताह के भीतर 1,800 करोड़ रुपये से अधिक के 477 अपार्टमेंट बेचकर मजबूत मांग का प्रदर्शन किया है। सोमवार को शेयर बाजार को दी गई सूचना में यह जानकारी दी गई। उत्तरी बेंगलुरु में 85 एकड़ में फैली इस वृहद टाउनशिप परियोजना एंबेसी ओरिजिन्स के पहले चरण को 16 सितंबर को लॉन्च किया गया था। महज सात दिनों के भीतर, कंपनी ने 10 लाख वर्ग फुट से अधिक बिक्री योग्य क्षेत्र में फैले 477 अपार्टमेंटों की बुकिंग सफलतापूर्वक दर्ज की। इसके पहले चरण में दो रेरा-पंजीकृत परियोजनाएं शामिल हैं, जिनमें कुल 217 विला और 855 अपार्टमेंट हैं। इन दोनों परियोजनाओं में लगभग 26 लाख वर्ग फुट बिक्री योग्य आवासीय क्षेत्र उपलब्ध है, जिससे कंपनी को 4,500 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होने की उम्मीद है। एंबेसी डेवलपमेंट्स के आवासीय कारोबार के एक प्रमुख अधिकारी ने इस सफलता पर टिप्पणी करते हुए कहा, यह जबरदस्त प्रतिक्रिया वित्त वर्ष 2026-27 के लिए हमारी पूर्व-बिक्री और नकदी प्रवाह के लक्ष्यों के प्रति हमारे विश्वास को मजबूत करती है।

## भारत की अर्थव्यवस्था मजबूत, दीर्घकालिक वृद्धि के लिए ऊर्जा सुरक्षा जरूरी- चंद्रशेखरन

**विकसित भारत 2047 के लिए ऊर्जा सुरक्षा, विनिर्माण और मानव पूंजी निवेश पर जोर**

**मुंबई।**

टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने सोमवार को कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत स्थिति में है और कई संकेतक देश की स्थिरता का प्रमाण हैं। भारतीय फाउंडेशन फॉर क्वालिटी मैनेजमेंट (आईएफक्यूएम) संगोष्ठी 2026 को संबोधित करते हुए उन्होंने विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए ऊर्जा सुरक्षा, उन्नत विनिर्माण और मानव पूंजी में निवेश को महत्वपूर्ण बताया।

चंद्रशेखरन ने जोर देकर कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था एक अनिश्चित वैश्विक परिदृश्य में भी लगातार उम्मीदों से बेहतर प्रदर्शन कर रही है और सबसे अधिक वृद्धि दर दर्ज की है।

उन्होंने मजबूत घरेलू मांग, सेवा निर्यात और अनुकूल सरकारी नीतियों को इसका मुख्य चालक बताया।

टाटा चेयरमैन ने कहा कि ऑटो बिक्री, ऋण, बिजली और सीमेंट की मांग में मजबूत वृद्धि जैसे कई आर्थिक संकेतक देश की स्थिर और मजबूत स्थिति को दर्शाते हैं। उन्होंने चालू खाते के घाटे का जीडीपी के एक प्रतिशत से कम रहने, सेवा निर्यात के उच्च स्तर, मजबूत विदेशी मुद्रा भंडार और बैंकों की स्वस्थ एनपीए स्थिति का भी उल्लेख किया।

चंद्रशेखरन के अनुसार, विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को साकार करने के लिए विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे, संस्थानों और बौद्धिक संपदा पर आधारित समावेशी तथा टिकाऊ विकास की आवश्यकता होगी। दीर्घकालिक वृद्धि को कायम रखने के लिए ऊर्जा सुरक्षा, उन्नत और सटीक विनिर्माण क्षेत्र में रोजगार के अवसर पैदा करने तथा मानव पूंजी में निवेश को उन्होंने महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने भारतीय विनिर्माताओं से गुणवत्ता के साथ-साथ टिकाऊ विनिर्माण प्रक्रियाओं को भी अपनाने का आग्रह किया।

## बॉन्ड यील्ड में भारी उछाल, भारतीय बैंकों को ट्रेजरी में करोड़ों का नुकसान

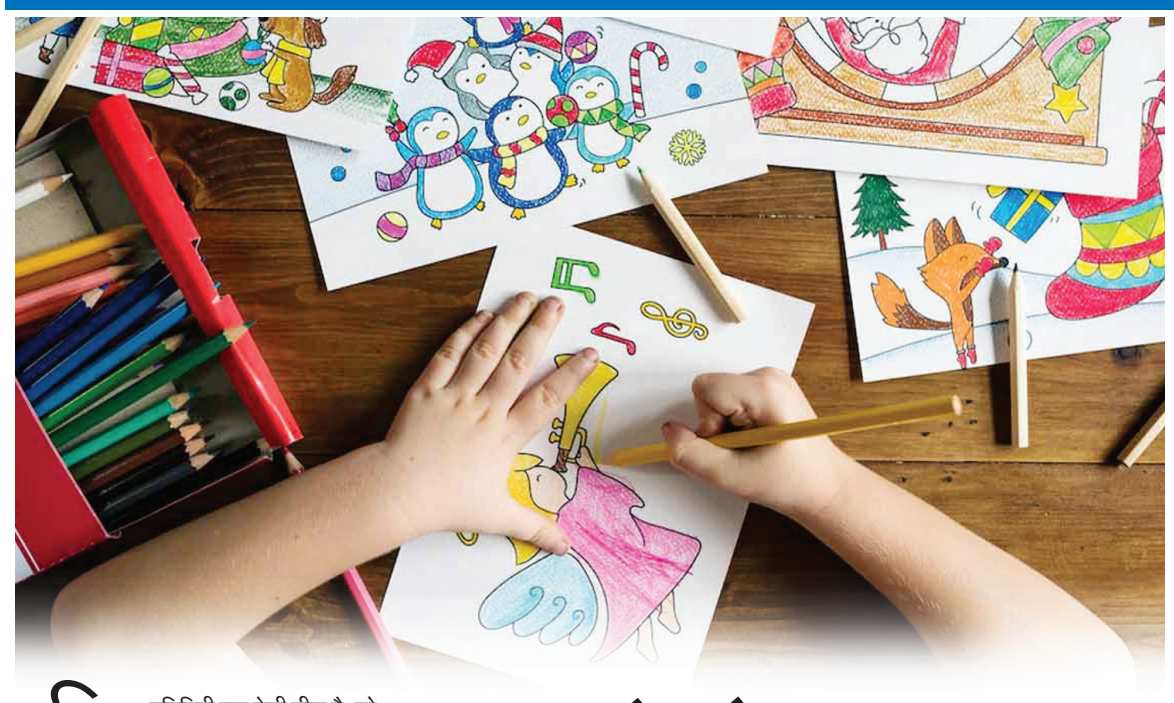
**वैश्विक बिकवाली, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और रुपये की कमजोरी मुख्य कारण**

**नई दिल्ली ।**

भारतीय बैंकों को वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में ट्रेजरी ऑपरेशन से बड़ा मार्क-टू-मार्केट (एमटीएम) नुकसान उठाना पड़ सकता है। बेंचमार्क बॉन्ड यील्ड में रिकॉर्ड बढ़ोतरी इसकी मुख्य वजह है, जिसने बैंकों के निवेश पोर्टफोलियो पर सीधा असर डाला है।

बाजार कारोबारियों के अनुसार, बेंचमार्क 10 साल के सरकारी बॉन्ड पर यील्ड में 42 आधार अंकों का तेज इजाफा हुआ है, जिससे पहली तिमाही में हुई कमाई का एक बड़ा हिस्सा खत्म होने की आशंका है। बाजार कारोबारियों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में बेंचमार्क 10 साल के सरकारी बॉन्ड पर यील्ड में 42 आधार अंकों की बढ़ोतरी दर्ज की गई, जो बढ़कर 7.17 फीसदी पर बंद हुई। यह 30 सितंबर को अप्रैल 2024 के बाद का सबसे ऊंचा स्तर था। अकेले सितंबर महीने में ही इसमें 22 आधार अंकों का इजाफा हुआ, जिसने पहली तिमाही में दर्ज की गई लगभग 32 आधार अंकों की गिरावट के असर को पूरी तरह खत्म कर दिया। जब बॉन्ड यील्ड बढ़ती है, तो बॉन्ड की कीमतें गिरती हैं, जिससे बैंकों को अपने अवेलेबल-फॉर-सेल (एएफएस) पोर्टफोलियो में मौजूद प्रतिभूतियों की वैल्यू कम करनी पड़ती है, जिसके परिणामस्वरूप एमटीएम नुकसान होता है।

एक प्राइवेट बैंक के ट्रेजरी प्रमुख ने बताया कि यील्ड में 40 आधार अंक से ज्यादा की बढ़ोतरी से बैंकों को मार्क-टू-मार्केट नुकसान हो सकता है, खासकर उन लेनदारों पर इसका ज्यादा असर पड़ेगा जिनके पास एएफएस पोर्टफोलियो अधिक है। इस उछाल के पीछे वैश्विक और घरेलू दोनों कारण जिम्मेदार हैं। वैश्विक स्तर पर अमेरिकी 10 साल के ट्रेजरी बॉन्ड की यील्ड 5.34 फीसदी तक पहुंच गई है, जो 2002 के बाद का उच्चतम स्तर है।



# बच्चों में रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के ये हैं बेस्ट तरीके

**हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? अब समर वेकेशन शुरू हो चुकी है और ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि इन छुट्टियों को बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं।**

क्रिएटिविटी एक ऐसी चीज है, जो आपको जीवन में और बेहतर बनाता है। हालांकि यह एक गलत धारणा है कि रचनात्मकता एक जन्मजात प्रतिभा है। इसमें आप खूब सारे आइडियाज और इमेजिनेशन का यूज करते हैं और कुछ शानदार आर्ट के साथ आते हैं। हमारी शिक्षा, लाइफ और करियर में क्रिएटिविटी एक बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। लेकिन यह बात छोटे बच्चे को आप कैसे समझाएं? अब समर वेकेशन शुरू हो चुकी है और ऐसे में पैरेंट्स यही सोचते हैं कि इन छुट्टियों को बच्चों के लिए कैसे प्रोडक्टिव बनाएं। अपने बच्चों को क्रिएटिव थिंकिंग के लिए कैसे प्रोत्साहित करें यह हर मां-बाप सोचता है।

सीनियर क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट कहती हैं, 'बच्चों को नई चीजों को आजमाने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्हें उन चीजों के बारे में बताएं और वो चीजें करने के लिए प्रेरित करें, जो उनकी स्कूल करिकुलम का हिस्सा न हों। उनके साथ डॉक्यूमेंट्री देखें और उनसे डॉक्यूमेंट्री के बारे में पूछें।' आइए एक्सपर्ट से जानें कि बच्चों को और किन तरीकों से प्रेरित किया जा सकता है।

## बच्चों को सवाल पूछना सिखाएं

बच्चों में रचनात्मक सोच विकसित करने का एक मेन तरीका यह है कि उन्हें हमेशा सवाल करते रहने के लिए प्रेरित करें ।जब भी आप उनके साथ समय बिता रहे हों तो उनसे सवाल पूछें। जैसे आप उनसे छोटे-छोटे सवाल कर सकते हैं। ऐसे में उनके मन में जिज्ञासा बनेगी और वह नई चीजों के बारे में समझने की कोशिश करेंगे। इससे उनके कल्पनाशील कौशल में वृद्धि होगी और समस्या को सुलझाने की क्षमता विकसित होगी।

## अच्छी डॉक्यूमेंट्रीज दिखाएं

एक शॉर्ट डॉक्यूमेंट्री स्टोरी स्टूडेंट्स की लिटरेसी को सोर्स, स्वयं से और दुनिया से जुड़ाव के साथ बढ़ाने में मदद करती है। यह न केवल दुनिया को समझने और उससे जुड़ने का अवसर प्रदान करती हैं, बल्कि हमारे आसपास कई चीजों को समझने का भी एक अच्छा तरीका है। अपने बच्चों के साथ कोई भी डॉक्यूमेंट्रीज देखें तो उसकी चर्चा करें। उन्होंने इससे क्या सीखा और क्या समझा जानने की कोशिश करें।

## उनके साथ क्विज और पजल खेलें

क्विज और पजल जैसे गेम बच्चों के दिमागी विकास के लिए महत्वपूर्ण हैं। पजल आपके बच्चे की समस्या-समाधान और क्रिटिकल थिंकिंग स्किल को विकसित करती हैं, जो बाद में जीवन में अन्य स्किल की महारत के लिए महत्वपूर्ण होती हैं। पजल्स बच्चों को पैटर्न रिकग्निशन, मेमोरी और ग्रॉस और फाइन मोटर स्किल दोनों में मदद कर सकती हैं। इसलिए उनके साथ पजल खेलें।

## आउटडोर गेम खिलाएं

अपने बच्चों को घर में रहने के लिए ही न कहें। उन्हें बाहर निकालें और कई फन एक्टिविटीज में उन्हें शामिल होने के लिए कहें। बच्चों के साथ आउटडोर गेम्स खेलें। ऐसे में उनकी एक्सरसाइज भी होगी और वे कुछ नया भी सीखेंगे। आप उन्हें तैराकी करने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। किसी गेम में जैसे क्रिकेट, फुटबॉल, बैडमिंटन आदि जैसे खेलों में शामिल होने के लिए कह सकते हैं।





## सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाएं

अपने बच्चों सामाजिक और भावनात्मक कौशल सिखाना भी बहुत जरूरी है। उन्हें पशु आश्रयों और वृद्धाश्रमों जैसी जगहों पर ले जाएं और स्वयं सेवा का महत्व सिखाएं। जब बच्चे ऐसा करेंगे तो वह औरों के प्रति भी सेंसेटिव अप्रोच रखने में सक्षम होंगे। ऐसी जगहों पर वे महत्वपूर्ण सामाजिक और भावनात्मक कौशल सीख सकेंगे और साथ ही समाज में भी योगदान दे सकेंगे।

## नींद में न करें लापरवाही

इन सबके बाद सबसे महत्वपूर्ण चीज है कि आपका बच्चा पूरी और अच्छी नींद ले। अच्छी नींद का मतलब है कि उसके दिमाग को बेहतर आइडियाज उत्पन्न करने के लिए और नई चीजों पर काम करने के लिए समय मिलेगा। इनोवेटिव आइडियाज तभी आएंगे जब उसके दिमाग को शांति मिलेगी। बाकी एक्टिविटी के साथ उसकी नींद का भी पूरा ध्यान दें।



# घर में घर में घर में

# एलए 2028 ओलंपिक का टिकट मिलने पर बोले मनप्रीत सिंह



## अब अपनी कमजोरियों पर काम करेंगे

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** भारतीय हॉकी टीम के अनुभवी मिडफील्डर मनप्रीत सिंह ने कहा है कि एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतकर लॉस एंजेलिस ओलंपिक 2028 के लिए सीधे क्वालीफाई करना टीम के लिए बेहद अहम है। भारत ने शनिवार को फाइनल में मलेशिया को 5-1 से हराकर लगातार दूसरी बार एशियन गेम्स पुरुष हॉकी का गोल्ड मेडल जीता। इस जीत के साथ भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने एलए 2028 ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई कर लिया है। अब टीम को ओलंपिक क्वालीफायर में खेलने की जरूरत नहीं होगी, जिससे खिलाड़ियों और टीम मैनेजमेंट को तैयारी के लिए अतिरिक्त समय मिलेगा।

### मनप्रीत सिंह बोले- अब अपनी कमजोरियों पर काम कर सकते हैं

मनप्रीत सिंह ने कहा कि सीधे ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने का सबसे बड़ा फायदा यह होगा कि टीम को क्वालीफायर की तैयारी में समय नहीं लगाना पड़ेगा। इस दौरान भारत अपनी कमियों पर काम करते हुए लॉस एंजेलिस ओलंपिक के लिए बेहतर तैयारी कर सकता है। मनप्रीत ने कहा, एशियन गेम्स हमारे लिए एक महत्वपूर्ण टूर्नामेंट था। हमने एलए ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई कर लिया है। इसलिए हमें क्वालीफायर राउंड नहीं खेलना पड़ेगा और हम खुद पर काम कर सकते हैं और जिन चीजों पर काम करने की जरूरत है, उन पर ध्यान दे सकते हैं। कुल मिलाकर एशियन गेम्स में हमारा प्रदर्शन बहुत अच्छा रहा।

**मनप्रीत ने रचा खास रिकॉर्ड** - मलेशिया के खिलाफ गोल्ड जीतने के साथ मनप्रीत सिंह ने भी भारतीय हॉकी में एक खास उपलब्धि हासिल की। वह तीन एशियन गेम्स गोल्ड मेडल जीतने वाले इकलौते भारतीय हॉकी खिलाड़ी बन गए हैं। अनुभवी मिडफील्डर के लिए यह उपलब्धि इसलिए भी खास है क्योंकि वह लंबे समय से भारतीय हॉकी टीम के अहम सदस्य रहे हैं। एशियन गेम्स में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने के साथ उनका अनुभव टीम को बड़े टूर्नामेंटों में काफी मदद देता रहा है।

**वर्ल्ड कप की खराब याद के बाद मिला बड़ा बूस्ट** - एशियन गेम्स गोल्ड और ओलंपिक टिकट भारत के लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि हाल ही में टीम का वर्ल्ड कप अभियान उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा था। अगस्त में हुए वर्ल्ड कप में भारतीय पुरुष टीम आठवें स्थान पर रही थी और सेमीफाइनल में जगह बनाने में नाकाम रही थी। ऐसे में एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीतना भारतीय टीम के लिए बड़ा मनोबल बढ़ाने वाला परिणाम है। इस जीत से टीम को आगे की तैयारियों के लिए नई ऊर्जा मिलेगी।

### 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए भी एशियन गेम्स से मिला था टिकट

भारत ने पेरिस ओलंपिक 2024 के लिए भी एशियन गेम्स के जरिए सीधे क्वालीफाई किया था। 2023 में हांगझोउ एशियन गेम्स में पुरुष हॉकी टीम ने गोल्ड मेडल जीता था, जिसके बाद उसे पेरिस ओलंपिक का सीधा टिकट मिला था। उस समय भी भारत को ओलंपिक से पहले तैयारी के लिए अच्छा समय मिला था। भारतीय टीम ने पेरिस ओलंपिक में इस मौके का फायदा उठाया और लगातार दूसरी बार ओलंपिक में ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। इससे पहले भारत ने टोक्यो ओलंपिक 2021 में भी हॉकी में तीसरे स्थान पर रहते हुए ब्रॉन्ज जीता था।

## संक्षिप्त समाचार

### वर्ल्ड कप 2027

## रोहित शर्मा से लेकर मिचेल स्टार्क तक, इन 5 दिग्गजों का होगा आखिरी वर्ल्ड कप



**नई दिल्ली (एजेंसी)।** आईसीसी वनडे वर्ल्ड कप 2027 क्रिकेट के एक सुनहरे दौर के अंत का गवाह बन सकता है। दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होने वाले इस टूर्नामेंट में कई दिग्गज आखिरी बार विश्व कप खेलते नजर आ सकते हैं। भारत के विराट कोहली और रोहित शर्मा समेत कुल पांच बड़े नाम इस सूची में शामिल हैं।

**विराट कोहली की आखिरी विश्व कप दहाड़** - विराट कोहली के लिए 2027 वर्ल्ड कप वनडे क्रिकेट का आखिरी बड़ा मंच माना जा रहा है। कोहली ने अब तक 317 वनडे में 15,109 रन बनाए हैं और उनके नाम 55 शतक हैं। 2023 वर्ल्ड कप में 765 रन बनाकर उन्होंने एक टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड भी कायम किया था।

**मिचेल स्टार्क की नजर ऐतिहासिक रिकॉर्ड पर** - ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क भी 2027 में अपना आखिरी वनडे वर्ल्ड कप खेल सकते हैं। स्टार्क ने विश्व कप में 28 पारियों में 65 विकेट झटके हैं और इस सूची में वह ग्लेन मैक्ग्रा व मुथैया मुरलीधरन के बाद तीसरे स्थान पर हैं। 2027 में उनके पास वर्ल्ड कप इतिहास का सबसे सफल गेंदबाज बनने का मौका भी होगा।

### रोहित शर्मा भी आखिरी बार दिखेंगे?

रोहित शर्मा के लिए भी 2027 का वर्ल्ड कप एक भावुक विदाई का मंच बन सकता है। रोहित ने 291 वनडे में 12,120 रन बनाए हैं और उनके नाम सात वर्ल्ड कप शतक हैं, जो विश्व कप इतिहास में सबसे ज्यादा हैं। तीन दोहरे शतक लगाने वाले रोहित के लिए घरेलू युवाओं की बढ़ती चुनौती के बीच यह उनका आखिरी विश्व कप अभियान हो सकता है।

### जापान ओपन

## कार्लोस अल्काराज ने फाइनल में बनाई जगह

**टोक्यो (एजेंसी)।** डिफेंडिंग चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने जापान ओपन के फाइनल में जगह बना ली है। टोक्यो में खेले गए सेमीफाइनल में दुनिया के नंबर-3 खिलाड़ी ने स्पेन के ही जाउमे मुनार को 5-7, 6-3, 6-1 से हराया।

### पहले सेट में मुनार का पलड़ा भारी

मुनार ने मुकाबले की शुरुआत में शानदार प्रदर्शन किया और अल्काराज को कड़ी चुनौती दी। अल्काराज ने पहले सेट में कई गलतियां कीं और चार डबल फॉल्ट भी किए, जिसका फायदा उठाते हुए मुनार ने 7-5 से सेट अपने नाम कर लिया।

### दूसरे सेट में अल्काराज की वापसी

दूसरे सेट में अल्काराज ने अपने खेल की रफ्तार बढ़ाई और मुनार पर लगातार दबाव बनाया। उन्होंने सटीक फोरहैंड, शानदार वॉली और बेहतरीन ड्रॉप शॉट्स का इस्तेमाल करते हुए तीन बार मुनार की सर्विस तोड़ी और सेट 6-3 से जीत लिया।

### निर्णायक सेट में किया दबदबा

तीसरे सेट में अल्काराज ने पूरी तरह मुकाबले पर नियंत्रण हासिल कर लिया। उन्होंने आक्रामक सर्विस और तेज रिटर्न के जरिए मुनार को बेसलाइन के पीछे रखा और 6-1 से सेट जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।

### 2 घंटे 31 मिनट चला मुकाबला

अल्काराज और मुनार के बीच यह रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबला 2 घंटे 31 मिनट तक चला। अल्काराज ने बड़े सर्व और आक्रामक रिटर्न के साथ-साथ शानदार ड्रॉप शॉट्स से एरिएके कोलोसियम में मौजूद दर्शकों का भी मनोरंजन किया।

### फाइनल में चेक गणराज्य के जिरी लेहेका या मोनाको के वैलेंटिन वाशरो से होगा सामना

अब फाइनल में अल्काराज का सामना चेक गणराज्य के जिरी लेहेका या मोनाको के वैलेंटिन वाशरो से होगा। दोनों खिलाड़ियों के बीच दूसरा सेमीफाइनल सोमवार को खेला जाना है। अल्काराज की नजर लगातार दूसरी बार जापान ओपन का खिताब जीतने पर होगी।

### हांगकांग सिक्सेस 2026

## भुवनेश्वर कुमार की कप्तानी में उतरेगी टीम इंडिया

### ● स्टार खिलाड़ियों को मिला टीम में मौका

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** हांगकांग सिक्सेस 2026 के लिए भारत ने अपनी मजबूत टीम का ऐलान कर दिया है। अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार को टीम की कमान सौंपी गई है, जबकि करुणाल पंड्या भी टीम का हिस्सा हैं। टीम में कई आईपीएल के अनुभवी खिलाड़ी शामिल हैं, जिससे भारत इस बार टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगा।

### इन 7 खिलाड़ियों को मिली जगह

भारत की टीम में भुवनेश्वर कुमार, करुणाल पंड्या, शशांक सिंह, राहुल तेवतिया, नितीश राणा, राहुल त्रिपाठी और टी नटराजन शामिल हैं। राहुल त्रिपाठी इस टीम में इकलौते ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्हें आईपीएल 2026 में एक भी मुकाबला खेलने का मौका नहीं मिला। बाकी खिलाड़ियों के पास आईपीएल का अच्छा अनुभव है और कई खिलाड़ी अपनी-अपनी टीमों के अहम सदस्य रहे हैं।

### पाकिस्तान और यूएई से होगी टक्कर

हांगकांग सिक्सेस 2026 का आयोजन 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक किया जाएगा। छह खिलाड़ियों वाली इस टीम प्रारूप की प्रतियोगिता में भारत को ग्रुप-सी में पाकिस्तान और यूएई के साथ रखा गया है। पाकिस्तान मौजूदा चैंपियन है और उसने पिछले संस्करण के फाइनल में कुवैत को 43 रन से हराकर खिताब जीता था।



- **पिछले दो संस्करण में भारत का प्रदर्शन खराब** - भारत ने 2017 में हांगकांग सिक्सेस में हिस्सा नहीं लिया था, जबकि 2024 में रॉबिन उथप्पा की कप्तानी वाली टीम ने टूर्नामेंट में वापसी की। भारत उस संस्करण में ग्रुप स्टेज के अपने चारों मुकाबले हारकर बाहर हो गया था। 2025 में दिनेश कार्तिक की कप्तानी में टीम ने शुरुआत जीत से की, लेकिन बाद में कुवैत, यूएई और नेपाल से हारकर फिर से सेमीफाइनल में जगह नहीं बना सकी।
- **लंबे समय बाद अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी का मौका** - भुवनेश्वर कुमार ने भारत के लिए आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला नवंबर 2022 में न्यूजीलैंड के खिलाफ टी-20 में खेला था। करुणाल पंड्या और नितीश राणा ने जुलाई 2021 के बाद भारत के लिए लिमिटेड ओवर्स क्रिकेट नहीं खेला है, जबकि टी नटराजन की आखिरी अंतरराष्ट्रीय उपस्थिति मार्च 2021 में हुई थी।

### ईरानी कप 2026

## मुकेश-आकाश की घातक गेंदबाजी से रेस्ट आफ इंडिया चैंपियन, फाइनल में जम्मू-कश्मीर को हराया



**श्रीनगर (एजेंसी)।** ऋषभ पंत की कप्तानी वाली रेस्ट आफ इंडिया ने ईरानी कप 2026 का खिताब अपने नाम कर लिया है। श्रीनगर के शेर-ए-कश्मीर स्टेडियम में टीम ने रणजी ट्रॉफी चैंपियन जम्मू-कश्मीर को 167 रन से हराया। 279 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए जेके की पूरी टीम महज 111 रन पर सिमट गई।

- **पहली पारी में जम्मूकश्मीर ने बनाई बढ़त** - मुकाबले में जम्मू-कश्मीर ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला किया और रेस्ट आफ इंडिया को 237 रन पर रोक दिया। इसके बाद जेके ने अपनी पहली पारी में 278 रन बनाए और 41 रन की अहम बढ़त हासिल की।
- **स्मरण रविचंद्रन ने पलटा मैच** - 41 रन से पिछड़ने के बाद रेस्ट आफ इंडिया ने दूसरी पारी में शानदार वापसी की। ओपनर सनत सांगवान ने 55 रन बनाए, जबकि स्मरण रविचंद्रन ने 153 गेंदों पर 135 रन की शानदार पारी खेली। रेस्ट आफ इंडिया ने दूसरी पारी में 319 रन बनाकर जम्मू-कश्मीर के सामने 279 रन का लक्ष्य रखा।

### मुकेश कुमार ने मचाई तबाही

लक्ष्य का पीछा करते हुए जम्मू-कश्मीर एक समय 89/3 के स्कोर पर मजबूत स्थिति में नजर आ रहा था। इसके बाद मुकेश कुमार ने घातक गेंदबाजी करते हुए 6 विकेट झटक लिए और जेके की बल्लेबाजी को तहस-नहस कर दिया। मुकेश ने 8.4 ओवर में 33 रन देकर 6 विकेट लिए, जिससे जम्मू-कश्मीर की पारी 111 रन पर खत्म हो गई।

### आकाश दीप का भी दमदार प्रदर्शन

आकाश दीप ने भी दोनों पारियों में शानदार गेंदबाजी कर रेस्ट आफ इंडिया की जीत में अहम योगदान दिया। उन्होंने पहली पारी में 3 विकेट लेने के बाद दूसरी पारी में 3/25 का शानदार स्पेल किया। वहीं मुकेश चौधरी ने पहली पारी में 5 विकेट लेकर छ्x्च को बड़ी बढ़त लेने से रोक दिया।

## सूर्यकुमार यादव रणजी ट्रॉफी में लौटेंगे

### मुंबई के लिए 11 अक्टूबर से खेल सकते हैं, शार्दूल ठाकुर चोट के कारण शुरुआती मैचों से बाहर



**मुंबई (एजेंसी)।** पूर्व भारतीय टी-20 कप्तान सूर्यकुमार यादव 2026-27 रणजी ट्रॉफी में मुंबई के लिए खेलने के लिए उपलब्ध हैं। वे मुंबई के पहले एलीट ग्रुप ष मैच में चंडीगढ़ के खिलाफ खेल सकते हैं। मुंबई और चंडीगढ़ के बीच यह मुकाबला 11 अक्टूबर से मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में होगा। सूर्यकुमार ने आखिरी प्रतिस्पर्धी मैच आईपीएल 2026 में खेला था। वहीं, पूर्व मुंबई कप्तान शार्दूल ठाकुर हाथ की चोट के कारण शुरुआती कुछ मैचों में नहीं खेल पाएंगे। उनकी गैरमौजूदगी में तुषार देशपांडे मुंबई के तेज गेंदबाजी अटैक की अगुआई करेंगे।

### पिछले साल खेला था आखिरी रणजी मैच

- सूर्यकुमार ने फरवरी 2025 में नागपुर में विदर्भ के खिलाफ मुंबई के लिए आखिरी रणजी मैच खेला था। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, उन्होंने घरेलू रेड-बॉल टूर्नामेंट के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि कर दी है।
- मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन के एक सूत्र ने टाइम्स ऑफ इंडिया से कहा, सूर्या ने एमसीए अध्यक्ष अजिंक्य नाइक को आगामी रणजी ट्रॉफी के लिए अपनी उपलब्धता की पुष्टि की है।
- सूर्यकुमार ने अब तक 86 फर्स्ट-क्लास मैच खेले हैं। उनके नाम 5,758 रन हैं। उन्होंने 144 पारियों में 14 शतक और 30 अर्धशतक लगाए हैं। उनका बल्लेबाजी औसत 42.33 है।

## वेस्टइंडीज टीम ने मांगा एक्स्ट्रा नारियल पानी

### ● इंदौर में 11 अक्टूबर को भारत से टी-20 मुकाबला; डिहाइड्रेशन से बचने शाकाहारी भोजन पर जोर

**इंदौर (एजेंसी)।** इंदौर के होलकर स्टेडियम में 11 अक्टूबर को भारत और वेस्टइंडीज के बीच होने वाले टी-20 मुकाबले की तैयारियां तेज हो गई हैं। मैच से पहले दोनों टीमों के खिलाड़ियों की डाइट, हाइड्रेशन और रिकवरी का खास ध्यान रखा जा रहा है। इसी बीच वेस्टइंडीज टीम ने इंदौर में नारियल पानी का एक्स्ट्रा स्टॉक रखने की विशेष मांग की है।वेस्टइंडीज टीम के मैनेजर ने मध्य प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन से फोन पर एक्स्ट्रा नारियल पानी उपलब्ध रखने का आग्रह किया है। एमपीसीए के सीईओ रोहित पंडित के मुताबिक, खिलाड़ियों के लिए सामान्य तौर पर नारियल पानी की व्यवस्था रहती है, लेकिन इस बार वेस्टइंडीज टीम ने इसकी अतिरिक्त उपलब्धता सुनिश्चित करने को कहा है।



- **बारिश के बाद गर्मी बढ़ी, हाइड्रेशन पर फोकस** - इंदौर में बारिश के बाद अब तापमान बढ़ने के साथ गर्मी और ड्राई हीट का असर दिखाई दे रहा है। ऐसे में मैदान पर लगातार दौड़ने, फील्डिंग और बल्लेबाजी-गेंदबाजी करने वाले खिलाड़ियों के लिए हाइड्रेशन अहम है। टीम प्रबंधन चाहता है कि खिलाड़ियों को जरूरत के समय नारियल पानी आसानी से उपलब्ध हो।
- **रिकवरी के लिए आइसबाथ टब की व्यवस्था** - मैच और अभ्यास सत्र के बाद खिलाड़ियों की रिकवरी के लिए आइसबाथ टब की व्यवस्था भी की जा रही है। टी-20 में लगातार शारीरिक गतिविधि के चलते खिलाड़ियों पर पड़ने वाले दबाव को देखते हुए रिकवरी सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।
- **टीम इंडिया रेडिसन, वेस्टइंडीज मैरियट में रुकेगी** - भारतीय टीम के लिए रेडिसन होटल और वेस्टइंडीज टीम के लिए मैरियट होटल में ठहरने की व्यवस्था की गई है। दोनों टीमों के इंदौर पहुंचने से पहले होटल, अभ्यास, परिवहन और सुरक्षा से जुड़ी तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है।
- **वेजेटेरियन मेन्यू पर भी ज्यादा जोर** - दोनों टीमों के खिलाड़ियों की पसंद और जरूरत के अनुसार भोजन की व्यवस्था की जा रही है। डाइट में वेजेटेरियन विकल्प ज्यादा रखे गए हैं। खिलाड़ियों की फिटनेस और मैच के बाद रिकवरी को ध्यान में रखते हुए खान-पान तैयार किया जाएगा।



# रघुबीर यादव ने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी बातें की

**'पंचायत' के प्रधान जी यानी रघुबीर यादव हुंकार में बाप जी बनकर दिखाई दे रहे हैं और उनकी आने वाली फिल्म है 'ओम का हरि'। इन सबको लेकर वो खूब चर्चे में है। एक्टर ने अपनी पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ से जुड़ी कई सारी बातें की हैं।**

बीते सालों में रघुबीर यादव हर रंग की भूमिकाओं में खिले हैं और कभी भी उनके काम पर उंगली नहीं उठी। इस पर वे कहते हैं, 'इतने सालों से मैंने खुद को रियाज़ से जोड़े रखा है। मेरा ताल्लुक हमेशा से थिएटर से रहा है। मैं जब भी कोई काम करता हूं, तो सबसे पहले खुद से पूछता हूं कि मुझे इसे करते हुए अच्छा लग रहा है या नहीं। बस यही कोशिश रहती है कि मेरी नीयत, शिद्दत में और मेरी कोशिश में कोई कमी न रह जाए। मगर परफेक्शन कभी हासिल नहीं होता। प्ले और नाटकों में जरूर कुछ 70-75 प्रतिशत तक पहुंच पाया हूं।'

उन्होंने आगे कहा, 'एक प्ले बेरी जॉन के साथ किया था, जब मैं एनएसडी रेपर्टरी में था। 'बेगम का तकिया' और 'मुख्यमंत्री' जैसे नाटक में काम करके संतुष्टि मिली थी। थिएटर में आप लगातार काम करते हुए अपनी परफॉर्मेंस को इंप्रूव कर सकते थे। लेकिन फिल्मों में ऐसा लगता है कि एक बार काम शूट होकर रिलीज हो गया, तो फिर बस छाती पीटते रहो कि यार, थोड़ा और बेहतर हो सकता था।'

## भूखे मर जाना, मगर वैसी फिल्म न करना

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए वे कहते हैं, 'मैंने हर बार कोशिश की है कि अपनी भूमिका को जमा लूं, अपने रोल के साथ न्याय करूं, मगर एक बार ऐसा जरूर हुआ था कि बात बन नहीं पाई थी। मैं सलाम बॉम्बे जैसी कई अच्छी फिल्में कर चुका था। मगर मैं नया-नया आया था और उसी दौरान गुजारे के लिए मैंने एक फिल्म कर ली। उसमें मेरा कोई खास मोह नहीं था। एक बार किसी फंक्शन से लौटते वक्त एक महिला ने मुझे रोककर कहा, 'आपको शर्म नहीं आती किसी को तकलीफ पहुंचाते हुए?' मैं घबरा गया। मैंने सोचा, मैं तो उस महिला को जानता तक नहीं। वो ऐसा क्यों कह रही हैं? मैंने पूछा क्या हुआ? महिला बोलीं, 'आपको वो फिल्म करने की क्या जरूरत थी?' मैंने कहा, 'मैं नया-नया आया हूं, घर चलाने के लिए काम तो करना है।'

उन्होंने कहा, 'आप भूखे मर जाएं, लेकिन इस तरह की फिल्म मत कीजिए।' उनकी बात मेरे दिल में तीर की तरह चुभा गई। मैंने कान पकड़ कर कहा, आज से मैं भूखा मर जाऊंगा, लेकिन ऐसी फिल्म दोबारा नहीं करूंगा।'

रघुबीर की हालिया फिल्म हरी का ओम पिता -पुत्र के बीच जनरेशन गैप के मुद्दे पर आधारित है। असल जिंदगी में रघुबीर भी दो बड़े बेटों (अचल और अबीर) के पिता है। वे कहते हैं, 'हमारा जमाना अलग था। हम किसान के बेटे थे। बात-बात पर पिटते थे। खाना नहीं खाया तो पिटाई, ज्यादा खा लिया तो मार, मगर मैंने अपने दोनों बेटों के साथ कभी मारपीट नहीं की। एक बार डांट जरूर दिया था, मगर उसमें भी उल्टा सुनने के लिए मिल गया। मैंने किसी बात पर अपने बेटे को डांट दिया था, तो कहता है, 'मैं अपने बच्चों के साथ वो नहीं करूंगा, जैसे आपने मेरे साथ किया।' रघुबीर का मानना है कि बच्चों और पैरंट्स के बीच संवाद और खुलापन ही पुल बन सकता है। वे कहते हैं, 'न पिता बेटे से कुछ छुपाए, न बेटा पिता से। मेरा अपने बेटों से ऐसा ही पारदर्शी रिश्ता है। खासकर छोटे बेटे अबीर से। वो मुझे मेरी गलती तक बता देता है। वक्त के साथ मैंने खुद को भी बदलने की कोशिश की है।'






# आयुष्मान ने बताया फिल्मों की सफलता का राज

आयुष्मान ने कम बजट में बनी फिल्मों 'हनुमान अंश' और 'ऑब्सेशन' की सफलता पर खुशी जताई है। उनका कहना है कि आज के दौर में ऐसी फिल्मों को ज्यादा बनाया जाना चाहिए, जो कम बजट में बनें और सीधे दर्शकों से जुड़ें। हाल ही में एक सेशन के दौरान आयुष्मान खुराना ने मौजूदा थिएटर बिजनेस पर बात की। अभिनेता ने कहा कि 'हनुमान अंश' और 'ऑब्सेशन' दोनों बिल्कुल अलग तरह की फिल्में हैं, लेकिन दोनों का बजट कम है। आयुष्मान ने कहा, 'हनुमान अंश और ऑब्सेशन दो अलग-अलग दुनिया की फिल्में हैं और कम बजट में बनी हैं। मुझे लगता है कि हमें ऐसी और फिल्में बनानी चाहिए। हमें बजट का ध्यान रखना चाहिए और ज्यादा से ज्यादा लोगों से जुड़ने की कोशिश करनी चाहिए। यह सुनने में आसान लगता है, लेकिन ऐसा करना आसान नहीं है।'

आयुष्मान के मुताबिक, आज दर्शकों के पास अलग-अलग प्लेटफॉर्म पर कई बड़े कलाकारों और फिल्मों को देखने का मौका है। ऐसे में किसी फिल्म की सफलता सिर्फ बड़े स्टार या बड़े बजट पर निर्भर नहीं करती। फिल्म की कहानी और उसकी सच्चाई दर्शकों को सिनेमाघरों तक लाने में अहम भूमिका निभाती है। इस सेशन में फिल्ममेकर श्रीराम राघवन और वार्नर ब्रदर्स डिस्कवरी के इंडिया थिएट्रिकल के वाइस प्रेसिडेंट और मैनेजिंग डायरेक्टर डेंजिल डायस भी मौजूद थे। 'उड़ता तीर' में आयुष्मान खुराना के अलावा राम कपूर, राहुल बोस, गुलशन ग्रोवर, सुहैल नय्यर, मुकुल देव, बृजेंद्र काला, संदीप आनंद, रघुबीर यादव, सुप्रिया पिलगांवकर और स्मिता तांबे जैसे कलाकार हैं। 'उड़ता तीर' 9 अक्तूबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।



# निरहुआ संग डेटिंग की खबरों पर आम्रपाली दुबे ने तोड़ी चुप्पी

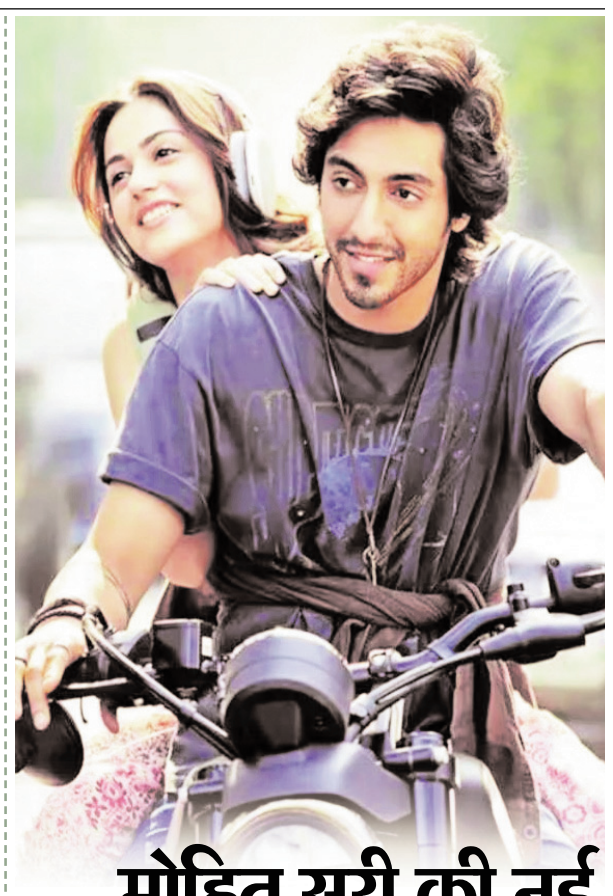
भोजपुरी एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे और एक्टर दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' की दोस्ती एक बार फिर चर्चा में है। दोनों की जोड़ी भोजपुरी फिल्मों में काफी पसंद की जाती है और लंबे समय से उनकी दोस्ती को लेकर तरह-तरह की बातें होती रही हैं। कई बार दोनों के डेटिंग की खबरें भी सामने आईं, लेकिन आम्रपाली ने अब 'बिग बॉस 20' के घर में इस पूरे मामले पर अपनी बात रखी है। को-कंटेस्टेंट लव गिल के साथ बातचीत में उन्होंने निरहुआ के साथ अपनी बॉन्डिंग, दोस्ती और शादी को लेकर होने वाली बातों का जिक्र किया। दिनेश लाल यादव के बारे में बात करते हुए आम्रपाली दुबे ने बताया कि जब वह भोजपुरी इंडस्ट्री में आई थीं, तब दिनेश उनके सबसे अच्छे दोस्तों में से एक थे। उन्होंने कहा कि हमारे बीच दोस्ती इतनी गहरी है कि कई बार बिना कुछ कहे ही हम एक-दूसरे की बात समझ जाते हैं।

आम्रपाली ने कहा, ''जब मैं भोजपुरी इंडस्ट्री में आई थी, तब मेरे बेस्ट फ्रेंड दिनेश थे। आज तक ऐसा है कि अगर इस कमरे में आठ लोग हैं और मुझे उन आठ लोगों से कुछ कहना है, तो मुझे दिनेश जी से कुछ कहने की जरूरत नहीं पड़ेगी। मैं सिर्फ उनकी तरफ देखूंगी और वह समझ जाएंगे कि मैं क्या कहना चाहती हूं। फिर वह हंसना शुरू कर देंगे। दोस्तों की दोस्ती ऐसी ही होनी चाहिए। नो-फिल्टर फ्रेंडशिप।'' इसके बाद आम्रपाली ने उन खबरों पर भी बात की, जिनमें दोनों को एक-दूसरे को डेट करने की बात कही जाती है। वह कहती है, ''लोग सोचते हैं कि दिनेश और मैं डेट कर रहे हैं। बेचारे दिनेश तो यह कहते-कहते परेशान हो गए हैं कि मुझे अपनी जिंदगी में किसी से शादी कर लेनी चाहिए। मैं उन्हें क्या बताऊं? असल में लोगों को लगता है कि शादी करना बहुत आसान है। उन्हें समझ नहीं आता कि हम लड़कियों को कई सालों में जो



कुछ बनाया है, उसे छोड़ना पड़ता है। इसलिए लड़कों के लिए यह कहना बहुत आसान है कि शादी कर लो।''

आम्रपाली और निरहुआ की बात करें, तो दोनों की जोड़ी पहली बार 2014 की फिल्म 'निरहुआ हिंदुस्तानी' में साथ नजर आई थी। यह फिल्म आम्रपाली के भोजपुरी सिनेमा में डेब्यू के तौर पर भी खास थी। इससे पहले वह हिंदी टीवी शोज में काम कर चुकी थीं। 'सात फेरे: सलोनी का सफर', 'मायका' और 'रहना है तेरी पलकों की छांव में' जैसे शोज में आम्रपाली नजर आई थीं। 'निरहुआ हिंदुस्तानी' की सफलता के बाद दोनों ने कई फिल्मों में साथ काम किया और उनकी जोड़ी भोजपुरी सिनेमा में काफी लोकप्रिय हो गई। दोनों को 'पटना से पाकिस्तान', 'निरहुआ रिक्शावाला 2', 'राजा बाबू', 'निरहुआ हिंदुस्तानी 2', 'निरहुआ हिंदुस्तानी 3', 'निरहुआ चलल लंदन' और 'शेर सिंह' जैसी फिल्मों में साथ देखा गया है। इसे लगातार साथ काम करने और मजबूत केमिस्ट्री की वजह से दोनों के रिश्ते को लेकर भी लंबे समय से चर्चा होती रही है।



# मोहित सूरी की नई फिल्म में फिर साथ आ रहे अहान और अनीत

फिल्म 'सैयारा' से सिनेमाघरों में धूम मचा चुकी अनीत पड्डा और अहान पांडे की जोड़ी एक बार फिर से साथ नजर आने के लिए बिल्कुल तैयार है। मजेदार ये है कि फिर से ये दोनों किसी और की नहीं बल्कि मोहित सूरी अपनी अगली निर्देशित फिल्म में फिर से साथ दिखेंगे।

साल 2025 की हिट रोमांटिक फिल्म 'सैयारा' से रातों-रात स्टार बने अहान पांडे और अनीत पड्डा की जोड़ी एक बार फिर साथ नजर आनेवाली है। मोहित सूरी अपनी अगली निर्देशित फिल्म के लिए दोनों नए कलाकारों को एक बार फिर साथ खींच लाए हैं। आदित्य चोपड़ा द्वारा प्रड्यूस इस प्रोजेक्ट की शूटिंग बहुत जल्द शुरू होने की उम्मीद है। इसी के साथ अहान और अनीत की इस फिल्म को साल 2027 में सिनेमाघरों में रिलीज करने की तैयारी हो रही है। मोहित सूरी की फिल्म की शूटिंग अक्टूबर में शुरू होगी। 'वरायटी इंडिया' की रिपोर्ट के मुताबिक, सूरी की अगली निर्देशित फिल्म की शूटिंग अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में शुरू करने की प्लानिंग हो चुकी है। वहीं अहान पांडे और अनीत पड्डा की इस फिल्म को लेकर कहा जा रहा था कि मेकर्स इस फिल्म का नाम 'सतरंगा' रखने पर विचार कर रहे हैं। हालांकि, फिल्म प्रड्यूसर्स की ओर से टाइटल को लेकर अभी तक कोई कन्फर्मेशन नहीं है।

फिल्म का टाइटल 'टी-सीरीज' के तहत रजिस्टर हो चुका है रिपोर्ट के मुताबिक, हालांकि फिल्म का टाइटल 'टी-सीरीज' के तहत रजिस्टर हो चुका है, लेकिन प्रोडक्शन ने अभी तक ऑफिशियली इसकी घोषणा नहीं किया है। इसलिए इस बात की जानकारी फिलहाल नहीं है कि फिल्म का नाम फाइनली 'सतरंगा' ही है या कुछ और। इस प्रोजेक्ट की ऑफिशियल घोषणा अप्रैल में की गई थी, जिसमें स्टूडियो ने इसे एक बेहतरीन लव स्टोरी ही बताया था।

### इसे 2027 में वर्ल्डवाइड रिलीज करने की योजना

'सैयारा' बनाने वाले अक्षय विधानी इस फिल्म से जुड़े हैं और इसे 2027 में वर्ल्डवाइड रिलीज करने की योजना पर काम कर रहे हैं। अब खबर आई है कि फिल्म की शूटिंग अक्टूबर के दूसरे सप्ताह में शुरू होगी। हालांकि, फिल्म की कहानी के बारे में अभी अधिक जानकारी नहीं दी गई है, लेकिन उम्मीद की जा रही है कि ये आम लव स्टोरी से काफी अलग और कहीं अधिक लाजवाब होगी। मोहित सूरी की ये नई फिल्म 'सैयारा' का सीक्वल नहीं है यहां ये भी कहा गया है कि मोहित सूरी की ये नई फिल्म 'सैयारा' का सीक्वल नहीं है बल्कि ये एक नई और अलग तरह की फिल्म होगी। फिल्म 'सैयारा'से अहान की बतौर लीड होरो एक्टिंग करियर की शुरुआत हुई ।

# 'तू है मेरी किरण' फिल्म में साथ नजर आएंगे सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और उनके पति अभिनेता जहीर इकबाल जल्द 'तू है मेरी किरण' फिल्म में साथ नजर आएंगे। फिल्म का ऐलान मेकर्स ने कर दिया है। साथ ही फिल्म का पहला पोस्टर भी जारी हुआ है। काफी वक्त से सोनाक्षी सिन्हा ने सिल्वर स्क्रीन से दूरी बना कर रखी थी। वहीं उनके पति जहीर इकबाल का भी कोई नया प्रोजेक्ट सामने नहीं आया था। मगर अब कपल बहुत जल्द फिल्म 'तू है मेरी किरण' में साथ अभिनय करता दिखाई देगा। फिल्म रोमांटिक थ्रिलर होगी। फिल्म के फस्ट लुक में सोनाक्षी एक टेबल पर लैपटॉप पर काम करती दिखाई दे रही हैं। वहीं उनके पास बैठे जहीर उन्हें घूर रहे हैं।




फिल्म 'तू है मेरी किरण' का फर्स्ट लुक रिलीज होते ही सोशल मीडिया पर फिल्म की ट्रोलिंग शुरू हो गई। यूजर्स ने फिल्म को लेकर अलग-अलग तरह के कमेंट्स किये। एक यूजर ने लिखा, 'सुपर फ्लॉप होगी मेरे शब्द याद रखना।' वहीं दूसरे यूजर ने लिखा, 'क्या सच में आपके लगता है कि इस तरह की फिल्म कोई देखेगा।'

यह पहली बार नहीं है जब सोनाक्षी सिन्हा और जहीर किसी फिल्म में साथ काम कर रहे हों। इससे पहले 2022 में रिलीज हुई फिल्म डबल एक्स एल में भी दोनों ने साथ अभिनय किया था। फिल्म बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हो गई थी।



# 'दृश्यम 3' के लिए इमोशनल हुईं शिवालिका ओबेरॉय

अभिनेता अजय देवगन की थ्रिलर की फिल्म 'दृश्यम 3 : द कन्क्लूज' रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म के निर्देशक अभिषेक पाठक की पत्नी और अभिनेत्री शिवालिका ओबेरॉय ने पति पर गर्व जताते हुए कहा कि इस फिल्म के पीछे कड़ी मेहनत और कई जागी रातें भी हैं। अभिनेत्री ने इंस्टाग्राम पर सेट की कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं, जिसमें उन्होंने बताया कि वह इस सफर को करीब से देख पाईं, यह उनके लिए सौभाग्य की बात है और साथ ही फिल्म में परिवार के एंगल के मजबूत होने का भी इशारा किया। अभिनेत्री ने लिखा, 'मैंने उस सपने को पूरा होते हुए देखा है, कड़ी मेहनत, बिना सोई रातें और उसके पीछे का जज्बा भी देखा है। दुनिया वो देखेगी, जो मैं अब तक देखती आ रही हूं और अगर आपने 'दृश्यम' देखी है, तो आप जानते ही हैं, जब परिवार की बात आती है, तो मेरे पति कोई मजाक नहीं करते।' अभिषेक पाठक के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म में तब्बू, श्रिया सरन, इशिता दत्ता, मृणाल जाधव, रजत कपूर, प्रकाश राज और जयदीप अहलावत भी हैं।



# अतीक के शूटर अरमान को 14 दिन की न्यायिक हिरासत, उमेश पाल हत्याकांड में अब आधिकारिक गिरफ्तारी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**प्रयागराज।** माफिया अतीक अहमद के शूटर अरमान को सोमवार शाम करीब 4:15 बजे प्रयागराज की एससी-एसटी कोर्ट में पेश किया गया। स्पेशल जज मयंक कुमार की अदालत ने अरमान को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में जेल भेजने का आदेश दिया। उमेश पाल हत्याकांड में प्रयागराज पुलिस ने अरमान की अब आधिकारिक गिरफ्तारी दर्ज की है। पुलिस अब कोर्ट में उसकी रिमांड लेने के लिए अर्जी दाखिल करने की तैयारी में है। कोर्ट के आदेश के बाद बिहार पुलिस अरमान को अपने साथ लेकर गयाजी जेल में दाखिल करेगी। प्रयागराज पुलिस को रिमांड मिलने की स्थिति में उसे पूछताछ के लिए अपने कब्जे में ले सकेगी। पुलिस का कहना है कि उमेश पाल हत्याकांड से जुड़े घटनाक्रम और अन्य आरोपियों से संबंधित जानकारी जुटाने के लिए अरमान से पूछताछ जरूरी है। अरमान को कोर्ट में पेश किए जाने के दौरान सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे। उसके साथ करीब 40 पुलिसकर्मी मौजूद रहे। उसका चेहरा सफेद गमछे से ढका हुआ था। मीडिया ने उससे शाइस्ता परवीन और गुड्डू मुस्लिम के बारे में सवाल किए, लेकिन उसने कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। कोर्ट परिसर में भी 100 से अधिक पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई थी। इनमें महिला पुलिसकर्मी, पीएसी, तीन एसीपी और बिहार पुलिस के कमांडो शामिल रहे। अरमान पांच लाख रुपए का इनामी बताया गया है और पिछले करीब तीन साल से बिहार की गयाजी जेल में बंद था। उसे ट्रांजिट रिमांड पर प्रयागराज लाया गया था। सरकारी वकील बोले- निशुल्क अधिवक्ता के लिए आवेदन लिया सरकारी वकील मनोज पांडेय ने बताया कि अरमान को आरोपों से संबंधित सभी दस्तावेज उपलब्ध कराए गए। अदालत ने उससे पूछा कि क्या उसे वकील की जरूरत है, जिस पर उसने सहमति जताई। इसके बाद निशुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराने के लिए उससे आवेदन लिया गया। अदालत ने मामले में अगली तारीख 14 दिन बाद निर्धारित की है। पुलिस के मुताबिक अरमान ने पहले




जमानत तुड़वाकर बिहार की जेल में जाना चुना था। उस समय उमेश पाल हत्याकांड के मामले में उसकी गिरफ्तारी दर्ज नहीं की गई थी। बिहार की जेल में उसके बंद होने की जानकारी मिलने के बाद प्रयागराज पुलिस ने इस मामले में उसकी गिरफ्तारी दर्ज की और अदालत में पेश किया। अरमान को उत्तर प्रदेश लाए जाने की जानकारी मिलने के बाद उसके माता-पिता ने उसकी सुरक्षा को लेकर चिंता जताई थी। उसके पिता शमीम और मां असगरी खातून ने गयाजी कोर्ट में अर्जी देकर अरमान को उत्तर प्रदेश पुलिस के हवाले नहीं करने और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए पूछताछ की मांग की थी। परिवार ने आशंका जताई थी कि हथियार बरामदगी के नाम पर उसके साथ अनहोनी हो सकती है।रूअरमान की मां ने उसे मामले में 'बलि का बकरा' बनाए जाने का आरोप लगाया था।

### अरमान की मां बोलीं- बेटे को बलि का बकरा बनाया जा रहा

**अरमान की मां असगरी खातून ने बेटे की सुरक्षा को लेकर चिंता जताते हुए कहा था कि उसे बलि का बकरा बनाया जा रहा है। परिवार का कहना है कि अरमान पिछले करीब तीन साल से जेल में बंद है और वह कोई पेशेवर अपराधी या बड़ा शूटर नहीं है। उसके छोटे भाई इमरान ने भी आशंका जताई थी कि प्रयागराज लाए जाने के बाद उसके साथ कोई अनहोनी हो सकती है**

## इंडिगो की उड़ानें मंगलवार से होंगी महंगी, घरेलू टिकट पर 1,300 तक और इंटरनेशनल पर 10 हजार तक फ्यूल चार्ज

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**दिल्ली।** देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो की उड़ानों से सफर करने वाले यात्रियों की जेब पर मंगलवार से अतिरिक्त बोझ पड़ने वाला है। एयरलाइन ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर अतिरिक्त फ्यूल चार्ज लगाने का ऐलान किया है। नई दरें 6 अक्टूबर की रात 12:01 बजे से लागू होंगी। इसके तहत घरेलू उड़ानों के टिकट पर दूरी और श्रेणी के अनुसार 1300 रुपए तक और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर 10 हजार रुपए तक अतिरिक्त फ्यूल चार्ज लिया जाएगा। इंडिगो ने छह महीने के भीतर तीसरी बार फ्यूल सरचार्ज बढ़ाया है। इससे पहले एयरलाइन ने इस साल 14 मार्च और फिर 1 अप्रैल को किराए में बढ़ोतरी की थी। कंपनी के मुताबिक, लगातार बढ़ रही एविएशन टर्बाइन फ्यूल यानी जेट फ्यूल की कीमतों के कारण यह फैसला लिया गया है। घरेलू एयरलाइंस के लिए 1 अक्टूबर से जेट फ्यूल की कीमत 121 रुपए प्रति लीटर से बढ़कर 137 रुपए प्रति लीटर हो गई है। यानी एक लीटर ATF की कीमत में 16 रुपए की बढ़ोतरी हुई है। यह करीब 13.2 प्रतिशत की वृद्धि है। इंडिगो के मुताबिक, पिछले एक महीने में ही जेट फ्यूल की कीमत 14 प्रतिशत से अधिक बढ़ चुकी है।




## पैपराजी के 'बैक शॉट' पर नीतू कपूर ने कसा तंज, बोलीं- 'आपको ये बड़ा अच्छा लगता है ना, बैक?

हानगर मेट्रो ब्यूरो

**मुंबई।** बॉलीवुड में इन दिनों पैपराजी के फोटो खींचने के तरीके को लेकर चर्चा तेज है। खासतौर पर सेलिब्रिटीज के पीछे से तस्वीरें लेने यानी 'बैक शॉट्स' को लेकर कई सितारे अपनी नाराजगी जाहिर कर चुके हैं। सलमान खान और नेहा धूपिया के बाद अब अभिनेत्री नीतू कपूर ने भी इस तरह की फोटोग्राफी पर अपने अंदाज में सवाल उठाया है। उनका एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसमें वह पैपराजी को व्यंग्यात्मक जवाब देती नजर आ रही हैं। दरअसल, पैपराजी ने नीतू कपूर से कैमरे की ओर पीठ करके पोज देने के लिए कहा था। इस पर नीतू ने तुरंत पलटकर व्यंग्यात्मक अंदाज में पूछा, 'आपको ये बड़ा अच्छा लगता है ना, बैक?' नीतू के इस सवाल के बाद वहां मौजूद पैपराजी ने सफाई देते हुए कहा कि ऐसा नहीं है। इसके बाद नीतू ने मामले को आगे नहीं बढ़ाया और मुस्कुराते हुए उन्हें बाय कहा। वह अपनी कार में बैठीं और वहां से रवाना हो गईं।



## जान्हवी कपूर का डीपफेक वीडियो पर फूटा गुस्सा, बोलीं- बिना सहमति महिलाओं का अश्लील कंटेंट बनाना यौन उत्पीड़न जैसा

महानगर मेट्रो ब्यूरो।

**मुंबई।** अभिनेत्री जान्हवी कपूर ने अपनी फिल्म 'देवराः पार्ट 1' के गाने 'चुट्टामल्ले' पर तैयार किए गए एआई जनरेटेड अश्लील डीपफेक वीडियो को लेकर कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने सोशल मीडिया पर बयान जारी करते हुए तकनीक के इस तरह के गलत इस्तेमाल पर सवाल उठाए और बिना सहमति महिलाओं की तस्वीरों या वीडियो से आपत्तिजनक सामग्री तैयार करने को उनकी गरिमा का गंभीर उल्लंघन बताया। जान्हवी ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर जारी अपने बयान में कहा कि महिलाओं को उनकी इच्छा और सहमति के बिना इस तरह के संपादित कंटेंट में दिखाना बेहद गंभीर मामला है। उन्होंने इस तरह की गतिविधि को आपराधिक कृत्य बताते हुए इसकी तुलना यौन उत्पीड़न से की। अभिनेत्री ने कहा कि तकनीक का इस्तेमाल किसी की गरिमा और निजता को नुकसान पहुंचाने के लिए नहीं किया जाना चाहिए। जान्हवी ने अपने बयान में महिलाओं को केवल एक वस्तु की तरह पेश किए जाने और उनकी सहमति के बिना तैयार किए गए संपादित कंटेंट को लेकर चिंता जाहिर की। उनका कहना है कि किसी महिला की तस्वीर या वीडियो को उसकी अनुमति के बिना बदलकर अश्लील या आपत्तिजनक रूप देना उसकी गरिमा का गंभीर उल्लंघन है।



## यूपी में राज्यसभा चुनाव के लिए भाजपा ने उतारे 8 नए चेहरे, हरदीप पुरी और बीएल वर्मा का टिकट कटा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश में राज्यसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने सोमवार को अपने आठ उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए। पार्टी की केंद्रीय चुनाव समिति की मंजूरी के बाद जारी सूची में सभी नए चेहरे शामिल हैं। इनमें दो महिलाएं भी हैं। भाजपा ने धर्मपाल सिंह, राधाकांत ओझा, प्रकाश पाल, विद्यासागर सोनकर, गोपी कृष्ण पांडेय, प्रियंका सिंह रावत, राम प्रताप सिंह चौहान और श्रुति गंगवार को उम्मीदवार बनाया है। उम्मीदवारों के चयन में सामाजिक प्रतिनिधित्व का भी ध्यान रखा गया है। सूची में तीन पिछड़े वर्ग, दो दलित, दो ब्राह्मण और एक राजपूत चेहरा शामिल है। पिछड़े वर्ग से एक-एक लोधी, कुर्मी और पाल समाज के उम्मीदवार हैं। वहीं दलित वर्ग से खटीक और पासी समाज के प्रतिनिधियों को जगह दी गई है। दो महिला उम्मीदवार प्रियंका सिंह रावत और श्रुति गंगवार हैं। भाजपा की सूची में केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी और बीएल वर्मा को दोबारा उम्मीदवार नहीं बनाया गया है। दोनों का मौजूदा राज्यसभा कार्यकाल नवंबर 2026 में समाप्त होना है। सूची में मौजूदा राज्यसभा सदस्यों में नीरज शेखर, सीमा द्विवेदी, बृजलाल, गीता शाक्य और अरुण सिंह को भी दोबारा मौका नहीं मिला। भाजपा के घोषित उम्मीदवारों में धर्मपाल सिंह उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री हैं। प्रकाश पाल भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष हैं। प्रियंका सिंह रावत बाराबंकी की पूर्व सांसद रह चुकी हैं। विद्यासागर सोनकर जौनपुर के वरिष्ठ भाजपा नेता हैं और पहले लोकसभा सांसद रह चुके हैं। उन्होंने भाजपा संगठन में प्रदेश महामंत्री की जिम्मेदारी भी संभाली है। गोपी कृष्ण पांडेय को भी पहली बार राज्यसभा के लिए उम्मीदवार बनाया गया है। वहीं श्रुति गंगवार पूर्व केंद्रीय मंत्री संतोष गंगवार की बेटी हैं। राम प्रताप सिंह चौहान भाजपा संगठन में प्रदेश स्तर की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं, जबकि राधाकांत ओझा इलाहाबाद हाईकोर्ट के वकील हैं। उत्तर प्रदेश में राज्यसभा की 31 सीटें हैं। इस बार 10 सीटों पर चुनाव होना है। मतदान 16 अक्टूबर को होगा, जबकि नामांकन दाखिल करने की अंतिम तारीख 6 अक्टूबर निर्धारित है।




## विधान परिषद चुनाव में एनडीए के अंदर खींचतान, नीरज के नामांकन में निशांत मौजूद; अनंत सिंह ने खोला मोर्चा

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**पटना।** बिहार विधान परिषद की आठ सीटों पर होने वाले चुनाव को लेकर नामांकन प्रक्रिया के दौरान सियासी हलचल तेज हो गई है। पटना स्नातक सीट से जदयू प्रत्याशी नीरज कुमार ने सोमवार को नामांकन दाखिल किया। इस दौरान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे और एमएलसी निशांत कुमार भी मौजूद रहे। नामांकन के बाद निशांत ने सभी प्रत्याशियों को शुभकामनाएं देते हुए जीत की उम्मीद जताई। उन्होंने कहा कि उनके पिता ने 20 साल में बिहार के लिए जो काम किया है और एनडीए की एकता ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है। नामांकन से पहले नीरज कुमार ने पटना में रोड शो भी किया। इसमें बड़ी संख्या में उनके समर्थक शामिल हुए। हालांकि रोड शो के दौरान पार्टी का कोई वरिष्ठ नेता उनके साथ नजर नहीं आया। इसी बीच नीरज कुमार का अपनी ही पार्टी के मोकामा विधायक अनंत सिंह के साथ पुराना विवाद एक बार फिर चर्चा में आ गया है। अनंत सिंह नीरज के विरोध में खुलकर सामने आए हैं और जन सुराज के प्रत्याशी अनुज सिंह के समर्थन में रोड शो भी कर चुके हैं।आठ सीटों के चुनाव को लेकर कई प्रमुख प्रत्याशियों ने नामांकन दाखिल किया है। नीरज कुमार के अलावा जदयू के तीन अन्य प्रत्याशियों, भाजपा के दो और कांग्रेस के तीन प्रत्याशियों ने भी पर्चा दाखिल किया। वहीं नामांकन के बीच उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी आरएलएम में भी अंदरूनी मतभेद सामने आया है। पार्टी के तीन विधायकों ने सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से निर्दलीय



प्रत्याशी रामपुकार सिन्हा को समर्थन दिया है। इस सीट पर जदयू के पुष्कर आनंद भी चुनाव मैदान में हैं। कांग्रेस प्रत्याशी संजय यादव ने पटना शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से नामांकन दाखिल किया है। वहीं भाकपा माले ने दरभंगा स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से आगामी विधान परिषद चुनाव लड़ने का फैसला किया है।

### नीरज से पुराने विवाद पर अनंत सिंह का खुला विरोध

नीरज कुमार के विरोध को लेकर अनंत सिंह ने कहा कि वह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को मानते हैं और उनके लिए उन्होंने काफी कुछ किया है। अनंत ने कहा कि नीतीश कुमार ने बिहार को बनाया है और वह उनके दीवाने हैं। हालांकि नीरज कुमार के साथ अपने पुराने विवाद को लेकर उन्होंने कहा कि जब वह विधानसभा चुनाव लड़ रहे थे, तब नीरज ने उनके खिलाफ काम किया था। अनंत सिंह ने कहा कि अगर पार्टी में कोई नीति और नियम है तो वह सभी के लिए समान होना चाहिए। उन्होंने साफ शब्दों में कहा, 'पार्टी रहे या ना रहे, मैं किसी का कर्मचारी नहीं हूं।' अनंत सिंह ने जन सुराज प्रत्याशी अनुज सिंह के समर्थन में नवादा और नालंदा में भी प्रचार किया। नवादा के वारिसलीगंज में उन्होंने लोगों से अनुज सिंह के पक्ष में मतदान की अपील करते हुए कहा कि उन्हें इतना वोट मिले कि पेटी भर जाए और विरोधी की जमानत जब्त हो जाए। विधान परिषद चुनाव के नामांकन के बीच सामने आ रही यह खींचतान मुकाबले को और दिलचस्प बना रही है।

### अनंत बोले- नीतीश से कोई शिकायत नहीं, नीरज से पुराना हिसाब

**मोकामा विधायक अनंत सिंह ने कहा कि वह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार को मानते हैं और उनके लिए काफी कुछ किया है, लेकिन नीरज कुमार से उनका पुराना विवाद है। उनका आरोप है कि विधानसभा चुनाव के दौरान नीरज ने उनके खिलाफ काम किया था। अनंत सिंह ने कहा कि पार्टी में नीति और नियम हैं तो वे सभी पर समान रूप से लागू होने चाहिए। उन्होंने साफ कहा, 'पार्टी रहे या ना रहे, मैं किसी का कर्मचारी नहीं हूं।**

## सोने के भाव में गिरावट, चांदी ने पकड़ी तेजी; 24 कैरेट सोना 1.48 लाख रुपए पर आया

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**दिल्ली।** 5 अक्टूबर को सोने की कीमत में मामूली गिरावट दर्ज की गई, जबकि चांदी के भाव में तेजी देखने को मिली। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 353 रुपए घटकर 1.48 लाख रुपए पर आ गई है। वहीं चांदी की कीमत में 2,105 रुपए प्रति किलो की बढ़ोतरी हुई है और इसका भाव बढ़कर 2.23 लाख रुपए प्रति किलो पहुंच गया है। ऐसे में कीमती धातुओं के बाजार में फिलहाल उतार-चढ़ाव का दौर बना हुआ है।सितंबर में भी सोने और चांदी की कीमतों में उल्लेखनीय गिरावट देखने को मिली थी। 31 अगस्त को 10 ग्राम सोने का भाव 1.56 लाख रुपए था, जो 30 सितंबर तक घटकर 1.48 लाख रुपए पर आ गया। इस तरह महीनेभर में सोना करीब 8 हजार रुपए सस्ता हुआ। इसी तरह 1 किलो चांदी की कीमत 31 अगस्त को 2.37 लाख रुपए थी, जो 30 सितंबर को घटकर 2.20 लाख रुपए रह गई। यानी चांदी के भाव में करीब 17 हजार रुपए की कमी आई। विशेषज्ञों के मुताबिक आने वाले दिनों में सोने-चांदी की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी रह सकता है। अमेरिका के केंद्रीय बैंक फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों से जुड़ी नीतियों का असर सोने की कीमतों पर पड़ रहा है। ब्याज दरों में बदलाव से निवेशकों की धारणा प्रभावित होती है और इसका सीधा असर सोने की मांग और कीमत पर देखने को मिल सकता है। वहीं अमेरिका-ईरान तनाव और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता जैसी परिस्थितियां सोने को सुरक्षित निवेश के तौर पर समर्थन दे सकती हैं।




## बारिश थमी, लेकिन बाढ़ का कहर जारी; यूपी-बिहार में नदियां उफान पर, राजस्थान में बढ़ी गर्मी

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**लखनऊ।** उत्तर प्रदेश में पिछले नौ दिनों से बारिश नहीं हुई है, लेकिन बांधों से छोड़े गए पानी के कारण कई जिलों में बाढ़ की स्थिति गंभीर बनी हुई है। प्रदेश के 11 जिलों में 10 नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। राजधानी लखनऊ में गोमती नदी का पानी करीब 40 हजार घरों तक पहुंच गया है। करीब 10 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। कई इलाकों की गलियों में नावों की मदद से आवागमन कराया जा रहा है। बाढ़ के चलते गोमती रिवर फ्रंट को अगले आदेश तक बंद कर दिया गया है। बिहार में भी बाढ़ का दायरा लगातार बना हुआ है। प्रदेश के छह जिलों के करीब 466 गांव बाढ़ की चपेट में हैं। बाढ़ से लगभग आठ लाख लोग प्रभावित हुए हैं, जबकि 92,730 लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया जा चुका है। बाढ़ से जुड़ी घटनाओं में अब तक 27 लोगों की मौत होने की जानकारी सामने आई है। सारण जिले में स्थिति सबसे ज्यादा प्रभावित बताई गई है, जहां करीब 3.55 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। यहां 44 हजार लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। दूसरी ओर, मध्य प्रदेश में मानसून की विदाई के बाद मौसम में बदलाव देखने को मिल रहा है। दिन के तापमान में बढ़ोतरी के साथ रात में ठंडक बढ़ गई है। पिछले तीन दिनों में रात के तापमान में करीब 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट दर्ज की गई है। अमरकंटक में न्यूनतम तापमान 16 डिग्री और इंदौर में 18 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। मौसम विभाग ने 7 से 9 अक्टूबर के बीच प्रदेश के 14 शहरों में बारिश का अनुमान जताया है। राजस्थान में भी मानसून की विदाई के बाद दिन में गर्मी तेज हो गई है।



## पटना में दरोगा भर्ती अभ्यर्थियों का प्रदर्शन, बैरिकेडिंग तोड़कर डाकबंगला की ओर बढ़े छात्र

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**पटना।** 1799 पदों वाली दरोगा भर्ती की मुख्य परीक्षा रद्द किए जाने के विरोध में अभ्यर्थियों ने सोमवार को पटना में प्रदर्शन किया। बड़ी संख्या में अभ्यर्थी सड़क पर उतरे और परीक्षा रद्द करने के फैसले के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों के हाथों में अलग-अलग पोस्टर थे। इनमें लिखा था- 'एक सुट्टा, दो चाय, BPSSC हाय-हाय है' और '2 कचौड़ी, एक समोसा, BPSSC का क्या भरोसा।' प्रदर्शन को देखते हुए पटना पुलिस ने जेपी गोलंबर के पास बैरिकेडिंग कर अभ्यर्थियों को रोकने का प्रयास किया। छात्र लगातार बैरिकेडिंग पार कर आगे बढ़ने की कोशिश करते रहे। इसी दौरान एक पुलिसकर्मी द्वारा लाठी भांजे जाने के बाद प्रदर्शनकारी आक्रोशित हो गए। इसके बाद अभ्यर्थियों ने बैरिकेडिंग तोड़ दी और डाकबंगला की ओर बढ़ गए।पुलिस ने डाकबंगला चौराहे पर भी प्रदर्शनकारियों को रोकने के लिए कंटीले तार लगाए थे। इसके साथ ही लोहे की शील्ड से बैरिकेडिंग की गई थी। प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच कई बार आगे बढ़ने को लेकर स्थिति तनावपूर्ण बनी रही। एक अभ्यर्थी ने कहा



कि एक महीने बाद वे भी पुलिस की वर्दी पहनने वाले थे, लेकिन परीक्षा रद्द होने से उनकी मेहनत पर पानी फिर गया। अभ्यर्थी के मुताबिक, भीषण गर्मी के बीच उन्होंने शारीरिक परीक्षा की तैयारी की थी और अब सरकार के फैसले से उनकी पूरी मेहनत बर्बाद हो गई है। इधर, पटना के गर्दनीबाग में की ओर से छात्र-युवा महापंचायत का आयोजन भी किया गया। इसमें BPSC, BSSC, दरोगा भर्ती और बिहार पुलिस ड्राइवर भर्ती के अभ्यर्थी शामिल हुए। अभ्यर्थियों ने सरकार और संबंधित आयोग पर वादाखिलाफी का आरोप लगाते हुए बड़े आंदोलन का ऐलान किया। प्रदर्शन के दौरान छात्र सौरभ राणा ने आरोप लगाया कि डाकबंगला से पांच लोगों के प्रतिनिधिमंडल को मुख्यमंत्री सचिवालय ले जाने की बात कही गई थी, लेकिन उन्हें आयोग की ओर ले जाया जा रहा था। प्रतिनिधिमंडल के रवाना होने के बाद प्रदर्शन कर रही भीड़ को हटाने की प्रक्रिया शुरू हुई। इसके बाद प्रतिनिधिमंडल के सभी सदस्य गाड़ी से उतर गए और मुख्यमंत्री सचिवालय जाने से इनकार कर दिया। अभ्यर्थियों का कहना है कि परीक्षा रद्द किए जाने के फैसले से उनका भविष्य प्रभावित हुआ है। वे अपनी मांगों को लेकर आंदोलन जारी रखने की बात कह रहे हैं।

# सुपौल में दो नाबालिगों की जबरन शादी का आरोप, वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने कराया रेस्क्यू

महानगर मेट्रो ब्यूरो

**सुपौल।** भपटियाही थाना क्षेत्र के एक गांव में दो 17 वर्षीय नाबालिगों की कथित तौर पर दबाव बनाकर शादी कराने का मामला सामने आया है। दोनों करीब एक माह से एक-दूसरे को जानते थे और सोशल मीडिया के माध्यम से संपर्क में थे। 4 अक्टूबर की रात लड़की ने संदेश भेजकर लड़के को अपने घर बुलाया था। इसी दौरान स्थानीय लोगों ने दोनों को पकड़ लिया। आरोप है कि इसके बाद लोगों ने दबाव बनाकर लड़की के घर पर ही दोनों की शादी करा दी। शादी का वीडियो भी बनाया गया, जो बाद में सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस ने मामले का संज्ञान लिया और दोनों नाबालिगों को रेस्क्यू कर लिया। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि दोनों को किसने पकड़ा, शादी कराने का फैसला किसने लिया और इस पूरी घटना में कौन-कौन लोग शामिल थे। पुलिस के अनुसार दोनों नाबालिग करीब एक माह से एक-दूसरे को जानते थे। 4 अक्टूबर की रात दोनों के बीच इंस्टाग्राम के माध्यम से बातचीत हुई थी। इसके बाद लड़की ने लड़के को संदेश भेजकर अपने घर बुलाया। लड़का वहां पहुंचा तो स्थानीय लोगों ने दोनों को पकड़ लिया। इसके बाद मामला शादी कराने तक पहुंच गया। स्थानीय लोगों द्वारा दोनों को पकड़े जाने के बाद लड़की के घर पर ही शादी कराए जाने का आरोप है। इस दौरान कुछ लोगों ने पूरी घटना का वीडियो रिकॉर्ड कर लिया। बाद में वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो के सामने आने के बाद पुलिस को घटना की जानकारी मिली। पुलिस अब वायरल वीडियो के आधार पर शादी में शामिल लोगों की पहचान करने का प्रयास कर रही है।झ थानाध्यक्ष जय प्रकाश चौधरी के नेतृत्व में पुलिस टीम ने दोनों नाबालिगों को रेस्क्यू किया।



### फिल्मी सितारों पर भारी पड़े हादसे

**मामले में लड़की के पिता की ओर से थाने में आवेदन दिया गया है। आवेदन के आधार पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस शादी कराने वालों के साथ-साथ वीडियो बनाने और उसे सोशल मीडिया पर प्रसारित करने वालों की भूमिका की भी जांच कर रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि दोनों नाबालिगों को रेस्क्यू कर पूछताछ की जा रही है और जांच के आधार पर संबंधित लोगों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने लोगों से नाबालिगों से जुड़े फोटो और वीडियो सोशल मीडिया पर साझा नहीं करने की अपील भी की है।**

printed, Published and Owned by SARABJIT MAKAN and Printed by ILEVAN HASMUKHRAI THAKAR Printed at Jay Graphics & Printers, C/15, Vikram Chambers, Ashram Road, Ahmedabd - 380009. and published from F/1 first floor, rajas apartment, near old railway crossing, maninagar east maninagar, Ahmedabad, Gujarat-380008. Editor SARABJIT MAKAN, Mo.: 9638877700, 9662420070.